आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष-3, अंक-11 नवम्बर, 2024

भारतीय ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद

आयुर्वेद चिकित्सा भारत की चिकित्सा ज्ञान प्रणाली में सबसे प्रसिद्ध पारंपरिक प्रणालियों में से एक है जो सदियों से आज तक जीवित और समृद्ध रही है। प्रकृति आधारित चिकित्सा के विशाल ज्ञान, मानव शरीर की संरचना और प्रकृति के साथ कार्य करने के संबंध और ब्रह्मांड के तत्व जो समन्वय में कार्य करते हैं और जीवित प्राणियों को प्रभावित करते हैं, शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा अभी भी कई रास्ते तलाशे जाने बाकी हैं जो पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को जीवित रखने और भविष्य में उनके विकास में योगदान देने की जिम्मेदारी उठाते हैं। आयुर्वेद की उत्पत्ति हिंदू भगवान, ब्रह्मा से मानी जाती है, जिन्हें ब्रह्मांड का निर्माता कहा जाता है। संहिताओं के अनुसार ब्रह्मांड के निर्माता ने मानव जाति के कल्याण के लिए उपचार के यह समग्र ज्ञान क्रमशः प्रजापति, अश्विनी कुमारों, इन्द्र से होते हुए अत्रि आदि ऋषियों को प्राप्त हुआ। ऋषियों से पारंपरिक दवाओं का ज्ञान शिष्यों तक और फिर विभिन्न लेखों और मौखिक कथाओं के माध्यम से आम आदमी तक पहुँचाया गया। आयुर्वेद में आठ अनुशासन हैं जिन्हें 'अष्टांग आयुर्वेद' कहा जाता है। वे हैं कायाचिकित्सा (आंतरिक चिकित्सा उपचार), भूतविद्या (मनोवैज्ञानिक विकारों का उपचार), कौमार भृत्य (बाल चिकित्सा उपचार), रसायन (बुढ़ापे की चिकित्सा का अध्ययन), वाजीकरण (कामोद्दीपक और सुजनन के माध्यम से उपचार), शल्य (शल्य चिकित्सा उपचार), शालक्य, अगद तंत्र (विषाक्त विज्ञान संबंधी अध्ययन)। माना जाता है कि हिंदू चिकित्सा प्रणाली ज्ञान के चार प्रमुख संकलन (वेद) पर आधारित है, जिन्हें यजुर्वेद, ऋग्वेद, सामवेद और अथर्ववेद कहा जाता है। ऋग्वेद चारों वेदों में सबसे प्रसिद्ध है और इसमें 67 पौधों और 1028 श्लोकों का वर्णन है। अथर्ववेद का उपवेद आयुर्वेद को कहा जाता है। चरक संहिता में आयुर्वेदिक चिकित्सा के सभी पहलुओं का वर्णन है और सुश्रुत संहिता में शल्य चिकित्सा विज्ञान का वर्णन है। ये दोनों पौराणिक संकलन आज भी पारंपरिक चिकित्सा के चिकित्सकों द्वारा उपयोग किए जाते हैं। ये प्राचीन ग्रंथ तिब्बती, ग्रीक, चीनी, अरबी और फ़ारसी जैसी विभिन्न अनुवादों और भाषाओं में उपलब्ध हैं। विभिन्न विद्वानों के योगदान से निघंटु ग्रंथ, माधव निदान और भाव प्रकाश जैसे कई अन्य संबद्ध लघु संकलन हैं, हालाँकि चरक संहिता सभी अभिलेखों में सबसे अधिक सम्मानित है।

आयुर्वेद का मानना है कि संपूर्ण ब्रह्मांड पांच तत्वों से बना है- वायु, जल, आकाश, पृथ्वी और तेज। माना जाता है कि ये पांच तत्व (जिन्हें आयुर्वेद में पंच महाभूत कहा जाता है) अलग-अलग संयोजनों में मानव शरीर के तीन मूल द्रव्य बनाते हैं। तीन द्रव्यय वात दोष, पित्त दोष और कफ दोष को सामूहिक रूप से 'त्रिदोष' कहा जाता है और वे प्रत्येक प्रमुख दोष के लिए पांच उप-दोषों के साथ शरीर के बुनियादी शारीरिक कार्यों को नियंत्रित करते हैं। आयुर्वेद का मानना है कि मानव शरीर में सप्तधातु (सात ऊतक) रस (ऊतक द्रव), मेद (वसा और संयोजी ऊतक), रक्त (रक्त), अस्थि (हड्डिया), मज्जा (मज्जा), मांस (मांसपेशी), और शुक्र (वीर्य) और शरीर के तीन मल (अपशिष्ट उत्पाद) होते हैं, अर्थात। पुरीष (मल), मूत्र (मूत्र) और स्वेद (पसीना)। वात दोष सेलुलर परिवहन, अपशिष्ट उत्पादों को हटाने का काम करता है और इसका प्रभाव सूखेपन से बढ़ जाता है। पित्त दोष शरीर के तापमान, तंत्रिका समन्वय और भूख और प्यास प्रबंधन को नियंत्रित करता है। शरीर की गर्मी की स्थिति पित्त को बढ़ाती है। मीठे और वसायुक्त भोजन के कारण कफ दोष बढ़ता है और यह उचित कार्य करने के लिए जोड़ों को चिकनाई प्रदान करता है। माना जाता है कि शरीर का अपचय वात द्वारा, चयापचय पित्त द्वारा और उपचय कफ द्वारा नियंत्रित होता है। स्वस्थ स्वास्थ्य के लिए, तीन दोषों और अन्य कारकों के बीच संतुलन बनाए रखा जाना चाहिए। तीनों के बीच कोई भी असंतुलन बीमारी या रोग की स्थिति का कारण बनता है। आयुर्वेद में यह माना जाता है ये सात ऊतक मानव शरीर के समुचित शारीरिक कामकाज के लिए एक दूसरे के साथ समन्वय में काम करते हैं। रक्त धातु रक्त के समान होती है और रक्त कोशिकाओं के परिसंचरण और शरीर को रक्त घटकों की आपूर्ति को नियंत्रित करती है। मांस धातु (मांसपेशी ऊतक) कंकाल की मांसपेशियों के रूप में सहायता प्रदान करती है। मेद धातु (वसायुक्त वसा) के लिए। अस्थि धातु में शरीर की हड्डियाँ शामिल होती हैं और मज्जा धातु अस्थि मज्जा और हड्डियों के तेल और उनके कामकाज के लिए आवश्यक तरल पदार्थों से बनी होती है। शुक्र धातु शरीर के प्रजनन अंगों के कार्यों के लिए जिम्मेदार होती है ।

दोषों और धातुओं के अलावा, आयुर्वेद के सिद्धांत में विचार किए जाने वाले अन्य महत्वपूर्ण कारक त्रिमल और त्रयो दोष अग्नि हैं। त्रिमल शरीर में चयापचय और पाचन कार्यों के कारण शरीर में बनने वाले तीन प्रकार के अपशिष्ट उत्पाद हैं । इनमें मूत्र, पुरीष (मल) और स्वेद (पसीना) शामिल हैं। आयुर्वेद बताता है कि यदि त्रिदोष के बीच संतुलन बनाए नहीं रखा जाता है, तो शरीर के अपशिष्ट उत्पाद प्रभावी रूप से समाप्त नहीं होते हैं और ये आगे चलकर विभिन्न रोग के कारण बनते हैं। आयुर्वेद अपनी चिकित्सा पद्धति में 'पंच कर्म' पद्धति का उपयोग करता है। पंच कर्म चिकित्सा शरीर के कायाकल्प, सफाई और दीर्घायु को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रक्रियाओं को लागू करती है। आयुर्वेद चिकित्सा एक विशिष्ट चिकित्सा पद्धति है।

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR
स्वस्ति पन्थामनुचरेम
2021

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

माह विशेष

छठ पर्व

छठ पूजा एक प्राचीन हिंदू त्योहार है, जो विशेष रूप से बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश और नेपाल में मनाया जाता है। यह पूजा सूर्य देवता और उनकी पत्नी उषा देवी को समर्पित होती है और इसे विशेष रूप से महिला श्रद्धालु बड़े श्रद्धा भाव से करती हैं। छठ पूजा का इतिहास बहुत पुराना है, यह वेदों में बताए गए त्रिकाल संध्या और गायत्री साधना का ही एक भव्य त्रि दिवसीय धार्मिक आयोजन है जो पूरे समाज को आपस में जोड़ते हुए प्रगति से जोड़ता है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार छठ पूजा का आरंभ प्राचीन भारतीय परंपराओं से मानी जाती है, और इसे पौराणिक कथाओं से भी जोड़ा जाता है। एक प्रमुख कथा के अनुसार, भगवान सूर्य के द्वारा राक्षसों का वध करने के बाद, उन्हें आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए रानी कांचनवती और उनकी सहेलियों ने सूर्य देवता की पूजा की थी। इसके बाद यह पूजा एक महत्वपूर्ण परंपरा बन गई। महाभारत के समय भी छठ पूजा का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि यह पूजा पांडवों ने भी अपनी जीत के बाद सूर्य देवता के आशीर्वाद के लिए की थी।

इस संदर्भ में माना जाता है कि छठ पूजा का अस्तित्व महाभारत काल से ही है। वर्तमान में यह मुख्य रूप से चार दिनों तक मनाई जाती है, जिसमें विशेष रूप से सूर्य देवता की पूजा की जाती है। पहले दिन को 'नहाय खाय', दूसरे दिन को 'खरना', तीसरे दिन को 'संध्या अर्घ्य' और चौथे दिन को 'उषा अर्घ्य' दिया जाता है। यह पूजा स्वच्छता, साधना और तपस्या की प्रतीक मानी जाती है। इस दौरान श्रद्धालु नदी, तालाब या किसी जल स्रोत में स्नान कर सूर्य देवता को अर्घ्य अर्पित करते हैं, जो उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है।

सूर्य देवता को जीवन का स्रोत माना जाता है। वेदों में सूर्य को जगत का आत्मा कहा गया है। इस पूजा के माध्यम से सूर्य से आशीर्वाद प्राप्त करने का विश्वास है, ताकि शरीर में शक्ति और जीवन की ऊर्जा बनी रहें। छठ पूजा विशेष रूप से परिवार के सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए की जाती है। यह समाज में एकता और बन्धुत्व का संदेश भी देती है।

छठ पूजा में प्रकृति, विशेषकर जल और सूर्य की पूजा की जाती है, जो प्रकृति के साथ संतुलन और सामंजस्य की भावना को प्रकट करती है। छठ पूजा सिर्फ़ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि इसमें वैज्ञानिक और औषधीय महत्व भी है। छठ पूजा के दिन षष्ठी तिथि होती है, जो एक खास खगोलीय परिवर्तन वाला दिन होता है।

छठ पूजा में अस्ताचलगामी और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। सूर्य की रोशनी से त्वचा संबंधी रोग नहीं होते और मनुष्य स्वस्थ रहता है। व्रत के दौरान सूर्य की गर्मी से ऊर्जा का संचय किया जाता है, ताकि सर्दियों में शरीर स्वस्थ रहे। छठ पूजा में अदरक, मूली, गाजर, हल्दी जैसी गुणकारी सब्जियों का भोग लगाते हैं। जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

छठ पूजा में होने वाला 36 घंटे का निर्जला उपवास शरीर के लिए बहुत फ़ायदेमंद है। इससे शरीर शुद्ध होता है और कैंसर कोशिकाएं नष्ट होती हैं। पूजा में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाता है। छठ पूजा में इस्तेमाल की जाने वाली सारी सामग्री प्राकृतिक होने के साथ ही बॉयोडिग्रेडेबल होती हैं।

प्रकाशक : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

हमारी विरासत
महर्षि बोधायन

हम सभी ने अपने माता-पिता और दादा-दादी को वेदों के बारे में बात करते सुना है। फिर भी, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी की उत्पत्ति हमारे प्राचीन भारतीय गणितज्ञ, विद्वानों आदि की देन है। ऐसे ही एक महान गणितज्ञ और वैदिक विद्वान महर्षि बोधायन के बारे में आपको बताता हूं।

बौधायन (800 ईसा पूर्व-740 ईसा पूर्व) को पाइथागोरस प्रमेय के पीछे मूल गणितज्ञ माने जाते हैं। ये एक एक अच्छे वास्तुकार और याज्ञिक विद्वान के साथ एक महान गणितज्ञ भी थे। पाइथागोरस प्रमेय वास्तव में पाइथागोरस से बहुत पहले से जाना जाता था और यह भारतीय ही थे जिन्होंने पाइथागोरस के जन्म से कम से कम 1000 साल पहले इसकी खोज की थी। सबसे पहले सुल्ब सूत्र लिखने का श्रेय उन्हें जाता है।

दीर्घचतुरश्रस्याक्षणया रज्जुरु पार्श्वमणि तिर्यग् मनि च यत् पृथग भूते कुरुतस्तदुभयं करोति ॥

बौधायन ने उपरोक्त श्लोक में रस्सी को उदाहरण के रूप में प्रयोग किया है, जिसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है। एक आयत की लंबाई और चौड़ाई द्वारा अलग-अलग निर्मित क्षेत्रफल, विकर्ण द्वारा निर्मित क्षेत्रफल के बराबर होता है। संदर्भित विकर्ण और भुजाएँ एक आयत के हैं और क्षेत्रफल उन वर्गों के हैं जिनकी भुजाएँ ये रेखाखंड हैं। चूँकि एक आयत का विकर्ण दो आसन्न भुजाओं द्वारा बनाए गए समकोण त्रिभुज का कर्ण होता है, इसलिए यह कथन पाइथागोरस प्रमेय के समतुल्य माना जाता है। बौधायन एक वर्ग के क्षेत्रफल के लगभग बराबर वृत्त बनाने में सक्षम थे और इसके विपरीत। इन प्रक्रियाओं का वर्णन उनके सूत्रों (।58 और।59) में किया गया है। बौधायन को 'पाई' का मान खोजने वाले पहले लोगों में से एक माना जाता है। उनके सुलभा सूत्र में इसका उल्लेख है। उनके आधार के अनुसार, पाई का अनुमानित मान है। बौधायन के सुल्बसूत्र में ।। के कई मान पाए जाते हैं, क्योंकि अलग-अलग निर्माण देते समय, बौधायन ने गोलाकार आकृतियों के निर्माण के लिए अलग-अलग अनुमानों का इस्तेमाल किया। इनमें से कुछ मान आज पाई के मान के बहुत करीब हैं। कुछ ग्रंथों में निम्नलिखित पर उनके प्रमेय शामिल हैं।

- किसी भी समचतुर्भुज में विकर्ण (विपरीत कोनों को जोड़ने वाली रेखाएं) एक दूसरे को समकोण (90
- डिग्री) पर समद्विभाजित करती हैं
- एक आयत के विकर्ण बराबर होते हैं तथा एक दूसरे को समद्विभाजित करते हैं।
- एक आयत के मध्यबिन्दुओं को जोड़ने पर एक समचतुर्भुज बनता है जिसका क्षेत्रफल आयत का
- आधा होता है।
- किसी वर्ग के मध्य बिन्दुओं को मिलाकर बनाए गए वर्ग का क्षेत्रफल मूल वर्ग का आधा होता है।

बिना किसी संदेह के यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि बोधायन के कार्यों में आयतों और वर्गों पर बहुत ज़ोर दिया गया है। यह विशिष्ट यज्ञ भूमिकाओं के कारण हो सकता है, जिससे वेदी पर अग्नि से संबंधित आहुति के लिए अनुष्ठान किए जाते थे।

निस्संदेह हम कह सकते हैं कि हमारे पूर्वजों की विरासत के बिना कई आधुनिक खोजें संभव नहीं हो पातीं, जिन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रमुख योगदान दिया। चाहे वह चिकित्सा, खगोल विज्ञान, इंजीनियरिंग, गणित का क्षेत्र हो, कई आविष्कारों की नींव रखने वाले भारतीय प्रतिभाओं की सूची अंतहीन है।

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

दीक्षारम्भ

उद्घाटन समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

बीएएमएस एवं एमबीबीएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. संजय माहेश्वरी एवं डॉ. रेखा माहेश्वरी

दिनांक 05 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम सोनबरसा गोरखपुर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के बीएएमएस और श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेन्टर के एमबीबीएस के नवीन विद्यार्थियों के पन्द्रह दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. संजय माहेश्वरी एमपी बिड़ला ग्रुप ऑफ हॉस्पीटल और विशिष्ट अतिथि डॉ. रेखा माहेश्वरी जनरल सर्जन एम.पी. बिड़ला ग्रुप ऑफ हॉस्पीटल और माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई ने दीप प्रज्ज्वलित और मां सरस्वती पर पुष्पार्चन कर उद्घाटन कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अतिथियों और छात्रों का स्वागत करते हुए एमबीबीएस के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद कुशवाहा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा क्षेत्र को धारण करना अर्थात कर्तव्य के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता। यह दवा की पर्ची लिखने की मात्रा कला नहीं है। समाज को एक सुखद एवं स्वस्थ्य जीवन देने की कला है।

आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरधर वेदांतम छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को एक साथ मिलकर स्वास्थ्य शिक्षा को आगे ले जाने की आवश्यकता है और यही आज के युग की मांग है। इस क्षेत्र में नूतन शोध एवं अनुसंधान को अध्ययन मनन के माध्यम से ग्रहण करते रहना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि डॉ. रेखा माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि आप कार्यों को भार की तरह न ले, इन्हें आप अपनी पसंद बनाएं इससे कार्य भार नहीं लगेगा। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमें उम्मीद है आप भविष्य में बहुत ही कुशल चिकित्सक बनेंगे।

मुख्य अतिथि डॉ. संजय माहेश्वरी ने नूतन विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु गोरखनाथ की महिमा है जो आप इस विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने जा रहे हैं। अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि रोगी चिकित्सक को भगवान मानता है वह वानर के उस बच्चे के तरह होता है जो ये सोचता है मैं सुरक्षित हूं। चिकित्सक को भी उसके विश्वास को बनाए रखने के लिए अपने अध्ययन और चिकित्सकीय अनुभवों के बल पर बिल्ली के बच्चे के मां की तरह उसे भरोसा दिलाना चाहिए कि तुम सुरक्षित हो। तुम्हें कुछ नहीं होगा, ठीक हो जाएगा। इसके लिए अथक परिश्रम करते हुए प्रयासरत रहना होगा।

डॉ. माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को आधुनिक शोध अनुसंधान एवं ए. आई. और मशीन लर्निंग का आधुनिक चिकित्सा में उपयोगों के बारे में भी बताया। अध्यक्षीय भाषण देते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई, ने सभी का स्वागत करते हुए कहा आप सभी के साहस और उन्नति को देखते हुए उन्हें बहुत ही हर्ष हो रहा है हमारे गोरखनाथ विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य लोक कल्याण है। हम इसको केन्द्र में रखकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। आशा और आशीर्वाद है आप भी इसको सीखेंगे और अपने व्यवहार में लाएंगे। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद लोक कल्याण की भावना लेकर अपने चिकित्सा और शिक्षा सेवाओं को गुणवत्तापूर्ण उपलब्ध करा रहा है।

कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्र आशीष और नितेश ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. देवी नायर ने सभी को चिकित्सा सेवा के प्रति निष्ठा के लिए चरक शपथ दिलाया। आयुर्वेद कॉलेज के

संहिता सिद्धांत एवं संस्कृत के विभागाध्यक्ष डॉ. शांतिभूषण ने मुख्य अतिथियों, सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, आयुर्वेद और एमबीबीएस कॉलेज के प्राचार्य सहित, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ. प्रिया, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय सहित बीएएमएस एवं एमबीबीएस के सभी नवीन विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहें।

दीक्षारम्भ

अतिथि व्याख्यान

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

एमबीबीएस एवं बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. संजय माहेश्वरी एवं डॉ. अरविंद कुशवाहा

दिनांक 06 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम सोनबरसा गोरखपुर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज् आयुर्वेद कॉलेज के बीएएमएस और श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेन्टर के एमबीबीएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पन्द्रह दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर विद्यार्थियों के साथ सम्भाषण करते हुए डॉ. संजय माहेश्वरी एम.पी. बिड़ला ग्रुप ऑफ हॉस्पीटल ने कहा कि आपका महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से जुड़ना एक असाधारण और ऐतिहासिक घटना है। आप चिकित्सक बनने आएं हैं और आप एक अच्छे चिकित्सक बनेंगे भी लेकिन ध्यान रखिए चिकित्सा पेशा नहीं सेवा है। सेवा एक महान धर्म है। आप को चिकित्सक बनाने में माता–पिता के साथ आपके गुरु जनों का अहम योगदान होगा इनका सदा सम्मान करें। कैडेवर (मृत शरीर) का आप सदा सम्मान करें जिससे सीखेगें। वह गुरु समान है। विद्यार्थियों को चिकित्सा में एआई, रोबोट आदि की उपयोगिता के बारे में बताते हुए चिकित्सा में शोध को बढ़ावा देने के लिए डॉ. माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने किया। डॉ. देवी नायर ने मुख्य वक्ता, अतिथियों, सभी शिक्षकों विद्यार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, जनरल सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी, डॉ. राजेश बहल आयुर्वेद और एमबीबीएस कॉलेज के प्राचार्य क्रमशः डॉ. गिरिधर वेदांतम और डॉ. अरविन्द कुशवाहा सहित, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ. प्रिया एस.आर. नायर, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नव प्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

दीक्षारम्भ

अतिथि व्याख्यान

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विद्यार्थियों को सम्बोधित करती हुए डॉ. अपर्णा पाठक व उन्हें स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए डॉ. गिरीधर वेदांतम

दिनांक 08 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम सोनबरसा गोरखपुर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के बीएएमएस और श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेन्टर के एमबीबीएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पन्द्रह दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस पर विद्यार्थियों को किशोरावस्था में मानसिक स्वास्थ्य पर विषय पर व्याख्यान देते हुए डॉ. अपर्णा पाठक मानस रोग विशेषज्ञ दयानंद एंग्लो वैदिक कॉलेज सिवान ने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ–साथ हमें मानसिक स्वास्थ्य की भी आवश्यकता है। तभी हम अपना कार्यों और दायित्वों का निर्वहन कर सकते हैं। सोशल मीडिया का नशा मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। इसे हमें स्वनियंत्रण में रखना होगा। हमें अपने स्वास्थ्य के समस्याओं के लिए गुगल पर आश्रित न होकर हमें विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। अहंकार को त्यागकर हमें सभी से आपसी मतभेद को समाप्त करना चाहिए। हमें चिंता नहीं चिंतन करना चाहिए। चिंतन हमें सकारात्मक बल देता है और चिंता हमें अस्वस्थ करता है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमें योग, श्रम, साकारात्मक सोच, साहस को जीवन में धारण करना चाहिए। किशोरावस्था में बहुत से हार्मोनल बदलाव के कारण हमें शारीरिक और मानसिक बदलाव होते हैं। जिनके कारण हम अस्वस्थ होते हैं। अपने परिवार बड़े, शिक्षकों और चिकित्सकों से अपनी बातों को साझा करके स्वस्थ रहा जा सकता है।

कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने किया। डॉ. देवी नायर ने मुख्य वक्ता, सभी शिक्षकों विद्यार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, डॉ. किरण रेड्डी, डॉ. राजेश बहल आयुर्वेद और एमबीबीएस कॉलेज के प्राचार्य क्रमशः डॉ. गिरिधर वेदांतम और डॉ. अरविन्द कुशवाहा सहित, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ. प्रिया, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नव प्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

दीक्षारम्भ

व्याख्यान

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

एमबीबीएस एवं बीएएमएस विद्यार्थियों को सम्बोधित करती डॉ. डी.एस. अजीथा एवं डॉ. राजेश बहल

दिनांक 09 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम सोनबरसा गोरखपुर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के बीएएमएस और श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेन्टर के एमबीबीएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पन्द्रह दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम के पंचम दिवस पर स्वास्थ्य दल और नर्सिंग की भूमिका विषय पर नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. अजीथा ने अपने व्याख्यान में कहा कि स्वास्थ्य टीम का उद्देश्य एक मरीज को संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है, जिसमें कई अलग–अलग पेशेवर एक साथ मिलकर काम करते हैं। इन पेशेवरों की विशेषज्ञता के अनुसार स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। टीम में डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट फिजियोथेरेपिस्ट मनोवैज्ञानिक, लैब टेक्नीशियन और अन्य स्वास्थ्य सेवाकर्मी शामिल होते हैं। इस टीम का काम केवल इलाज करना ही नहीं है, बल्कि रोगी के संपूर्ण स्वास्थ्य, उनकी मानसिक और शारीरिक स्थिति, और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने का भी प्रयास करना है।

कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने किया। डॉ. देवी नायर ने मुख्य वक्ता, सभी शिक्षकों विद्यार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, डॉ. किरण रेड्डी, डॉ. राजेश बहल आयुर्वेद और एमबीबीएस कॉलेज के प्राचार्य क्रमशः डॉ. गिरिधर वेदांतम और डॉ. अरविन्द कुशवाहा सहित, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ. अखिलेश दूबे बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नव प्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

एमबीबीएस एवं बीएएमएस विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. अरविंद कुशवाहा एवं डॉ. गिरीधर वेदान्तम

दीक्षारम्भ

अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

बीएएमएस विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. राजेन्द्र प्रसाद एवं उन्हें स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए डॉ. गिरीधर वेदान्तम

दिनांक 11 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम सोनबरसा गोरखपुर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित बीएएमएस के पंचदशदिवसीय दीक्षारम्भ पाठ्यक्रम के षष्ठम दिवस पर लक्ष्य निर्धारण इसे कैसे प्राप्त करें विषय पर व्याख्यान देते हुए डॉ. राजेन्द्र प्रसाद प्रोफेसर काय–चिकित्सा विभाग बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी ने कहा कि बीएएमएस विद्यार्थियों को सबसे पहले अपना स्पष्ट उद्देश्य तय करना चाहिए। यह जानना आवश्यक है कि वे आयुर्वेद के किस क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करना चाहते हैं, जैसे कि रोग निदान, चिकित्सा, या अनुसंधान।

स्मार्ट लक्ष्य निर्धारित करें। जिसका लक्ष्य स्पष्ट और सटीक हों। जिसे मापा जा सके। यथार्थवादी हों। कैरियर के लिए उपयोगी हो। एक निश्चित समय सीमा में पूरे हों। प्रतिदिन का एक अध्ययन कार्यक्रम तैयार करें। अपना प्रतिदिन नियमित मूल्यांकन करें। लक्ष्य प्राप्ति के लिए खुद को प्रेरित रखें। आयुर्वेद और अपने विषय से जुड़े मोटिवेशनल वीडियो, किताबें और सफल चिकित्सकों की जीवनी को पढ़ें। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक है। योग, ध्यान और नियमित व्यायाम को अपने दिनचर्या में शामिल करें। लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प होना आवश्यक।

बीएएमएस विद्यार्थियों के लिए रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। जैसे आयुर्वेद चिकित्सक, पंचकर्म विशेषज्ञ, व्याख्याता या प्रोफेसर, शोध–अनुसंधान क्षेत्र, फार्मास्युटिकल क्षेत्र, स्वरोजगार, सरकारी नौकरी, रक्षा क्षेत्र आदि।

कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने किया। डॉ. गोपी कृष्ण आचार्य ने मुख्य वक्ता, सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम और डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. मिनी, बीएएमएस के सभी नव प्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

दीक्षारम्भ

अतिथि व्याख्यान | **गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज**

बीएएमएस विद्यार्थियों को लिंग संवेदनशीलता और बाल उत्पीड़न विषय पर सम्बोधित करती श्रीमती शीलम बाजपेई

दिनांक 12 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम सोनबरसा गोरखपुर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित बीएएमएस के पंचदशदिवसीय दीक्षारम्भ पाठ्यक्रम के सप्तम दिवस के प्रथम सत्र में औषधीय पौधों की खेती और विपणन विषय पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए डॉ. विमल दूबे अधिष्ठाता कृषि विज्ञान संकाय महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पौधों पर आधारित है। कृषि मूलं जगत सर्वम। सुक्ष्म से लेकर स्थूल तक पूरा वैश्विक जगत आहार पर आधारित है। आहार को स्वयं औषधि कहा गया है। आज उन्नति कृषि विज्ञान के कारण भारत देश अतिरिक्त पैदावार कर रहा है। बीएएमएस विद्यार्थियों को औषधि पौधों का पहचान करने आना चाहिए। इसके लिए क्लास रूम से बाहर निकलना पड़ेगा। कृषि और औषधि विज्ञान के बारे में ऋषि मुनियों को हजारों वर्ष पहले से पता था। आज तीन हजार औषधि पौधों में से केवल नौ सो पौधों का ही पैदावार हो रहा है। बीएएमएस विद्यार्थियों के लिए हर्बल इंडस्ट्री में बहुत अधिक अवसर है। बिना औषधि पौधों के चिकित्सा व्यवस्था संभव नहीं अतः इनके पैदावार और इन पर अनुसंधान की आवश्यकता है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शोध क्षेत्र में नित प्रयासरत है।

द्वितीय सत्र में **'चुप्पी तोड़ हल्ला बोल'** लिंग संवेदनशीलता और बाल उत्पीड़न विषय पर चर्चा करते हुए डॉ. शीलम बाजपेई ने कहा कि लिंग संवेदनशीलता का तात्पर्य लिंग के आधार पर किसी व्यक्ति के प्रति होने वाले पूर्वाग्रहों को समझने, उन्हें पहचानने और उनके प्रति जागरूकता बढ़ाने से है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि हर व्यक्ति चाहे वह स्त्री हो, पुरुष हो, या अन्य लिंग का, समान गरिमा और सम्मान का अधिकारी है। लिंग संवेदनशीलता समाज में लैंगिक समानता की नींव रखती है। इसके तहत शिक्षा, कार्यक्षेत्र, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में लिंग के आधार पर होने वाले भेदभाव को कम करना शामिल है। लिंग संवेदनशीलता का विकास केवल कानूनों द्वारा ही नहीं, बल्कि शिक्षा, जागरूकता और सोच में बदलाव से भी होता है।

बाल उत्पीड़न एक गंभीर समस्या है, जिसमें बच्चों के साथ शारीरिक, मानसिक या भावनात्मक रूप से दुर्व्यवहार किया जाता है। यह उत्पीड़न परिवार, स्कूल या किसी अन्य स्थान पर हो सकता है और इसके कारण बच्चे के मानसिक और शारीरिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बाल उत्पीड़न के मुख्य प्रकार शारीरिक हिंसा, यौन उत्पीड़न, भावनात्मक दुर्व्यवहार और उपेक्षा हैं। यह समस्या बच्चों में आत्म–सम्मान की कमी, अवसाद, डर और शिक्षा में रुकावट जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म देती है। बच्चों की सुरक्षा के लिए जागरूकता, संवाद और कानूनी उपायों को लागू करना आवश्यक है, ताकि उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिल सके। बाल उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई में समाज, परिवार और शिक्षा प्रणाली की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। किसी भी ग़लत स्पर्श और हरकत के विरुद्ध हमें चुप्पी तोडी कर हल्ला बोलना पड़ेगा।

तृतीय सत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई ने बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन और इंसेफेलाइटिस की यात्रा विषय पर व्याख्यान में कहा कि गोरखपुर, उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण शहर है, यहां कुछ वर्ष पहले बच्चों में इंसिफ्लाइटिस (दिमागी बुखार) के कारण बड़े पैमाने पर मौतें हुई थीं। यह रोग, मुख्यतः बच्चों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को प्रभावित करता है और इसमें मस्तिष्क में सूजन आ जाती है। इस रोग के फैलने के पीछे गंदगी, स्वच्छता की कमी, मच्छरों का प्रकोप और जलवायु संबंधी कारण माने जाते हैं। परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी, जो गोरखपुर के सांसद भी रह चुके हैं और अब उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री हैं, ने इस बीमारी को नियंत्रित करने के लिए विशेष प्रयास किए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, अस्पतालों में ज़रूरी उपकरणों की व्यवस्था, स्वच्छता अभियान और जागरूकता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। उनके प्रयासों से गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में इंसिफ्लाइटिस के मामलों में कमी आई है। बीएएमएस के विद्यार्थियों को ऐसे संक्रमण रोगों के रोकथाम के लिए चिकित्सा ज्ञान के साथ शोध के दिशा में भी कार्य करने चाहिए और समाज को जागरूक करना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्रा श्रेया सिंह ने किया। डॉ. गोपीकृष्ण आचार्य ने मुख्य वक्ता, माननीय कुलपति जी, सभी प्राध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम और डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, बीएएमएस के सभी नव प्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

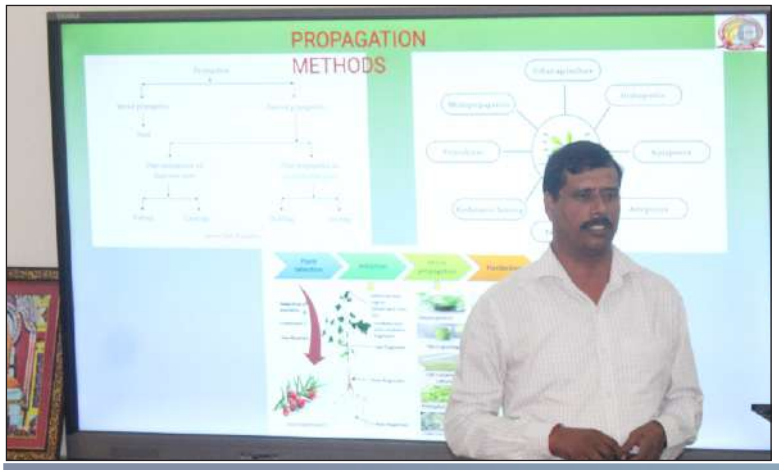

बीएएमएस विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. विमल कुमार दूबे एवं माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई

पोषण कार्यक्रम

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

पोषण कार्यक्रम में खाद्य सामाग्रियाँ बनाती एएनएम प्रथम वर्ष की छात्राएं

दिनांक 13 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंर्तगत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में ए.एन.एम. प्रथम वर्ष में अध्ययनरत कुल 100 छात्राओं ने उपस्थिति सभी शिक्षिकाओं की मार्गदर्शन में संगठित पोषण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम 5–5 सदस्यों के 20 समूहों में आयोजित किया गया। जिसमें उन्होंने विभिन्न आहार पर आधारित जैसे (डैश आहार, प्रोटीन युक्त, आयरन युक्त, विटामिन युक्त आहार आदि) पर अलग–अलग प्रकार के खाद्य पदार्थ (गाजर का हलवा, हैदराबादी मिश्रण, ओरियो शेक, गाजर का हलवा) आदि तैयार किए गए। अंत में उन्होंने ए.वी.एड्स की सहायता से सभी पोषक मूल्यो, विभिन्न स्रोतों और हमारे स्वास्थ्य के लिए इसके महत्व के बारे में भी बताया।

दीक्षारम्भ

व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

बीएएमएस विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. शशिकांत सिंह एवं डॉ. सुनील कुमार सिंह

दिनांक 13 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम सोनबरसा गोरखपुर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के नवप्रवेशित बीएएमएस के पंचदशदिवसीय दीक्षारम्भ पाठ्यक्रम के अष्टम दिवस पर आयुर्वेद में उन्नत दवा प्रौद्योगिकी एक सरल अवलोकन विषय पर विचार व्यक्त करते हुए डॉ. शशिकांत सिंह प्राचार्य फार्मेसी संकाय ने कहा कि आधुनिक दवा प्रोद्योगिकी के माध्यम से हम दवा को बच्चों और वृद्धों के लिए ग्रहण करने योग्य बना सकते हैं। इसके लिए विभिन्न तकनीकी का प्रयोग करते हैं जैसे नैनो. फॉर्मूलेशन हल्दी जैसी आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों के छोटे आकार के (करक्यूमिन) स्वरूप जो शरीर को उन्हें बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद करते हैं और उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं। आधुनिक उपकरणों के द्वारा हम सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक आयुर्वेदिक दवा में सक्रिय तत्वों की सही मात्रा हो, जिससे वे अधिक विश्वसनीय बन जाए। डॉ. सिंह ने नियंत्रित–रिलीज़ सिस्टम, बेहतर जड़ी–बूटियों के लिए बॉयोटेक विधियां, गुणवत्ता परीक्षण जैसे तकनिकों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान किए। जिससे आयुर्वेदिक औषधियां हितकारी और चिकित्सीय प्रयोग हेतु बनती हैं।

द्वितीय व्याख्यान में पादप. आधारित बॉयोफार्मास्युटिकल–हर्बल दवाओं की अगली पीढ़ी विषय पर व्याख्यान देते हुए डॉ. सुनील कुमार सिंह अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्यने कहा कि आयुर्वेद विश्व की सबसे प्राचीन चिकित्सा व्यवस्था है। बॉयोफार्मास्युटिकल चिकित्सा के लिए उत्पाद है। जिन्हें हम जैविक स्रोतों से प्राप्त करते हैं। पादप विज्ञान और इंजीनियरिंग के द्वारा हम पौधों से ऐन्टीबॉडी, हार्मोन, एंजाइम इत्यादि प्राप्त करते हैं। ये विभिन्न रोगों के चिकित्सीय उपचारों में प्रयोग लाए जाते हैं। बीएएमएस छात्रों के शोध कार्यों के लिए अपार संभावनाएं हैं। सुश्रुत आदि संहिताओं में बताए औषधियों पर शोध कर के आधुनिक तकनिकों से प्रमाणिक और वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना चाहिए। डॉ. सुनील, पौधों में किए जाने वाले अनुवांशिकी तकनीकी के बारे में विस्तार से विद्यार्थियों को बताए। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्रा प्रांज्जल ने किया।

डॉ. गोपी कृष्ण आचार्य ने मुख्य वक्ता, सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम और डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. देवी और डॉ. प्रिया और बीएएमएस के सभी नव प्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

डॉ. शशिकांत सिंह जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए डॉ. नवीन के. एवं डॉ. सुनील कुमार सिंह जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए डॉ. गिरीधर वेदांतम

परिचय

दिनांक 14 नवम्बर, 2024 को जेएसएस एएचईआर (जेएसएस एकेडमी ऑफ हॉयर एजुकेशन एंड रिसर्च) मैसूर, कर्नाटक के पूर्व कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के नए कुलपति होंगे। उनका चयन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है। डॉ. सिंह, वर्तमान कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई का स्थान लेंगे जिनका उपलब्धियों भरा कार्यकाल 14 नवंबर को पूरा गया।

एमबीबीएस और एमडी डिग्रीधारी डॉ. सुरिंदर सिंह जेएसएस एएचईआर मैसूर में कुलपति पद का कार्यकाल 4 नवंबर को पूर्ण कर चुके हैं। साथ ही भारत सरकार के औषधि महानियंत्रक भी रह चुके हैं। वह केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के

प्रो. (डॉ.) सुरिंदर सिंह

नेशनल इंस्टिटच्यूट ऑफ बॉयोलॉजिकल के निदेशक, रीजनल ड्रग टेस्टिंग लैब के निदेशक, सेंट्रल ड्रग लैब में अपर निदेशक, सेंट्रल रिसर्च इंस्टिट्यूट में माइक्रोबायोलॉजी के सहायक निदेशक, सरदार पटेल राजकीय मेडिकल कॉलेज बीकानेर में माइक्रोबायोलॉजी के सहायक प्रोफेसर, एम्स नई दिल्ली में माइक्रोबायोलॉजी के सीनियर डेमोंस्ट्रेटर के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके नेतृत्व में जेएसएस एएचईआर मैसूर ने देश के 25 टॉप यूनिवर्सिटी में अपना स्थान बनाया है। साथ ही जेएसएस एएचईआर को पांच सालों में 55 करोड़ रुपये का शोध अनुदान दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

डॉ. सुरिंदर सिंह की सेवाओं को देखते हुए ग्लोबल फार्मा इंडस्ट्री के क्षेत्र में लगातार तीन साल विश्व के सर्वाधिक प्रभावी लोगों (मोस्ट इंफ्लुएंशील पीपल) में शामिल किया जा चुका है। वह फार्मा बॉयो वर्ल्ड अवार्ड 2011, डॉ. बीसी राय मेमोरियल अवार्ड 2014, इनोवेशन लीडरशिप अवार्ड, वर्ष 2022 में टॉप 20 वाइस चांसलर ऑफ इंडिया अवार्ड समेत अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। उनके नेतृत्व में स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

वर्कशॉप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफल आयोजन भी हो चुका है।

अपना कार्यकाल पूर्ण करने वाले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई ने नए कुलपति के रूप में डॉ. सुरिंदर सिंह का चयन करने पर कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ जी आभार जताते हुए कहा है कि डॉ. सुरिंदर सिंह के सुदीर्घ अनुभव से विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों को छुएगा।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई के कार्यकाल में अनेक उपलब्धियां हासिल हुई हैं। उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने बीएएमएस, एमबीबीएस समेत रोजगारपरक अनेक पाठ्यक्रमों की शुरुआत की तो करीब तीन दर्जन ख्यातिलब्ध संस्थाओं से एमओयू किया गया।

नवागत कुलपति : संवाद

सम्मान एवं स्वागत समारोह

सम्बोधित करते हुए नवागत कुलपति प्रो. (डॉ.) सुरिंदर सिंह एवं उन्हें स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी

दिनांक 14 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में वर्तमान कुलपति सम्मान समारोह एवं आगामी कुलपति स्वागत समारोह, पंचकर्म हॉल में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न गणमान्य व्यक्ति पधारे जैसे डॉ. सुनील सिंह (स्वास्थ्य विज्ञान संकाय), डॉ. विमल कुमार दुबे (कृषि संकाय), डॉ. गिरधर वेदांतम (प्राचार्य, आयुर्वेद संकाय), करनल (डॉ.) राजेश बहल (निदेशक चिकित्सालय), डॉ. अरविन्द कुशवाह, (प्राचार्य मेडिकल कॉलेज), डॉ. डी. एस. अजीथा (प्रिंसिपल, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय), डॉ. प्रदीप कुमार राव (कुलसचिव), मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई (वर्तमान कुलपति), नवनियुक्त कुलपति, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. जी. एन. सिंह (पूर्व औषधि

महानियंत्रक, भारत सरकार) इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद डॉ. प्रदीप राव और डॉ. डी. एस. अजीथा द्वारा स्मृति चिन्ह मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई (वर्तमान कुलपति) को प्रदान किया गया। अनुभव साझा के साथ कार्यक्रम को आये हुए विभिन्न गणमान्य व्यक्ति द्वारा आगे बढ़ाया गया।

उन्होंने बताया किए उन्होंने बहुत वर्षों तक उनसे अनुभव प्राप्त किया, वह विभिन्न परिस्थितियों में मेरे जीवन के विभिन्न चरणों में मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की। उन्होंने माननीय निदेशक महोदय, को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हम सबके लिए एक भावुक क्षण है, क्योंकि आज हम अपने प्रिय निदेशक महोदय को इस कॉलेज से विदा कर रहे हैं। आपके साथ बिताए गए हर पल, हर अनुभव और आपके द्वारा सिखाई गई हर बात हमारे दिलों में सदा अंकित रहेंगी।

आप न केवल एक अद्वितीय निर्देशक रहे हैं, बल्कि एक सच्चे मार्गदर्शक भी। आपकी बुद्धिमानी और नेतृत्व की कुशलता से हमने न सिर्फ अपनी शैक्षणिक क्षमताओं को निखारा, बल्कि एक बेहतर व्यक्ति बनने की भी प्रेरणा पाई। आपने हमें निडरता से चुनौतियों का सामना करना और हर परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना सिखाया।

आपका हमारे प्रति प्रेम और सरोकार एक अभिभावक की तरह रहा है। आप हमेशा हमें एक संरक्षक की तरह साथ खड़े होकर हमें मार्गदर्शन करते रहे हैं। आपने हमें न केवल शिक्षा में उत्कृष्टता की ओर अग्रसर किया, बल्कि हमारे चरित्र निर्माण में भी अहम भूमिका निभाई। आपके बिना यह कॉलेज और यहां का वातावरण अधूरा सा लगेगा। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और जानते हैं कि आप जहां भी जाएंगेए वहां अपनी विद्वता और नेतृत्व के प्रकाश से दूसरों का मार्गदर्शन करेंगे। आपके स्नेह, सहयोग और प्रेरणा के लिए हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। हम सभी आपके प्रति सदा आदर और प्रेम बनाए रखेंगे।

डॉ. सुरेन्द्र सिंह (नवनियुक्त कुलपति) ने बताया कि इस पीढ़ी के बच्चों में ज्ञानए साहस और बुद्धिमत्ता का स्तर बहुत अच्छा है, इसलिए उन्हें अच्छी दिशा देकर हम भविष्य को बदल सकते हैं और विश्वविद्यालय को नए रूप में विकसित कर सकते हैं, नये भवन का विकास करना बहुत कठिन है, अतः हमारे वर्तमान कुलपति ने इसे विकसित करने के लिए बहुत मेहनत की है। उन्होंने बताया कि विकसित विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए तीन बातों का हमेशा ध्यान रखना आवश्यक है, पहला सही समय, स्थान और व्यक्ति, दूसरा उच्च गति, समय और गुणवत्ता के साथ काम करना और अंतिम एक है उन सभी उच्च स्तरीय लोगों से मिलना जिन्हें हम टेलीविजन पर देखते है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक कार्य करना आसान है और यह आप सभी के द्वारा ही किया जाएगा, इसलिए आइए हम अपने आदरणीय पूर्व कुलपति महोदय द्वारा दी गई इस विरासत को आगे बढ़ाएं, हम यह भी जानते हैं कि प्रत्येक संगठन की अलग–अलग प्रकार की संस्कृति होती है जिसका वे पालन करते हैं और यह यहां भी है इसलिए हम एक अद्भुत टीम के रूप में कार्य करेंगे और पूरी तरह से आगे बढ़ेंगे। अंत में धन्यवाद भाषण दिया गया।

स्वास्थ्य शिक्षा जागरूकता

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को जागरूक करती हुई नर्सिंग की छात्राएं

दिनांक 14 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में बेसिक बीएससी नर्सिंग पांचवी सेमेस्टर में अध्ययनरत कुल 30 छात्राओं ने दो शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में सोनबरसा गांव में उपस्थित प्राथमिक विद्यालय में दंत स्वच्छता पर स्कूल स्वास्थ्य एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 8 तक के विद्यार्थी उपस्थित थे नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं द्वारा बच्चों को नुक्कड़ नाटक व चार्ट प्रस्तुति की मदद से दंत समस्याओं के सामान्य कारण व जोखिम कारक इसके प्रबंधन और रोकथाम पर स्वास्थ्य शिक्षा प्रस्तुत कर जागरूक किया।

दीक्षारम्भ

अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

नवप्रवेशित बीएएमएस विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. दिनेश कुमार सिंह एवं डॉ. श्वेता सिंह

दिनांक 15 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम, सोनबरसा गोरखपुर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज के नवप्रवेशित बीएएमएस के पंचदशदिवसीय दीक्षारम्भ पाठ्यक्रम के दसवें दिवस पर आयुर्वेद आधारित उत्पादों में उद्यमिता विषय पर डॉ. श्वेता सिंह वैज्ञानिक गृह विज्ञान कृषि विज्ञान केन्द्र पीपीगंज गोरखपुर ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा रोगों को जड़ से ठीक करती है। सहजन, करी पत्ते, हल्दी आदि हम घरों में रोज प्रयोग करते हैं। हमें भोजन में आयुर्वेद का प्रवेश कराना चाहिए। पारंपरिक रूप से पहले ये विद्यमान था। अब कम हो रहा है। आहार स्वयं में औषधि है यदि इसे ठीक करते हैं तो हम स्वस्थ रहेंगे। मोटे अनाज को आहार में शामिल करें। दवाएं ही नहीं प्रतिदिन आहार में लिए जाने वाले आयुर्वेदिक उत्पाद बनाकर हम उद्यम के ओर बढ़ सकते हैं। इसके लिए आयुर्वेद का ज्ञान आवश्यक है। हमें शोध पर भी ध्यान देना होगा। हमारे प्रयास के कारण भारत का आयात बढ़ सकता है। हमें स्वदेशी उत्पादों को ग्रहण करना और बढ़ावा देना चाहिए।

द्वितीय अतिथि व्याख्यान

आयुर्वेद स्वास्थ्य अधिकारी और स्वास्थ्य देखभाल में उनकी भूमिका विषय पर व्याख्यान देते हुए डॉ. दिनेश कुमार सिंह चिकित्सा अधिकारी गोरखपुर ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में प्रकृति, देश, ऋतु काल के अनुसार सही औषधि सही मात्रा में सही समय पर दी जाती है जिसका प्रभाव कारगर होता है। आयुर्वेद विद्यार्थियों को बहुत परिश्रम करना होगा। डॉ. सिंह ने बीएएमएस विद्यार्थियों को चिकित्सा के गुणों के साथ चिकित्सक, परिचारक, औषधि के भी चार गुणों, सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता, आयुर्वेद चिकित्सा करने के दौरान होने वाली चुनौतियों एवं सम्बन्धित नियमावली आदि के बारे में संहिता के संदर्भों के साथ अपने अनुभवों को साझा किया। विभिन्न प्रकार के क्लिष्ट रोगों के बारे में की गई चिकित्सा के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के द्वारा चिकित्सा बहुत प्रभावी है। आवश्यकता है अध्ययन और प्रायोगिक अनुभवों की। डॉ. विनम्र शर्मा ने अतिथि के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि सफलता के लिए परिश्रम आवश्यक है। इससे कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्रा श्रेया सिंह ने किया। डॉ. यास्मीन ने मुख्य वक्ता, सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. देवी, डॉ. प्रिया एवं बीएएमएस के सभी नव प्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

दीक्षारम्भ

अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

बीएएमएस विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. सरीन एन.एस.

दिनांक 16 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम सोनबरसा गोरखपुर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज् आयुर्वेद कालेज के नवप्रवेशित बीएएमएस के पंचदशदिवसीय दीक्षारम्भ पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्थिति, लक्ष्य और नीतियाँ विषय पर व्याख्यान देते हुए डॉ. सरीन एन. एस. परामर्श चिकित्सक रिसर्च एंड इनफार्मेशन सिस्टम फार डेवलपमेंट कंट्री ने कहा कि भारत सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधार के लिए सतत प्रयासरत है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्थिति के तहत देश ने संक्रामक और गैर–संक्रामक रोगों की चुनौतियों का सामना करते हुए कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। हालांकि, कुपोषण, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर और ग्रामीण–शहरी स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता अभी भी प्रमुख मुद्दे हैं।

वर्तमान राष्ट्रीय लक्ष्य 2030 तक मातृ मृत्यु दर को 70 प्रति लाख जीवित जन्मों से नीचे लाना। सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना। कुपोषण और गंभीर बीमारियों का उन्मूलन करना है।आयुष्मान भारत योजना 10 करोड़ से अधिक परिवारों को 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य बीमा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 जैसी नीतियां लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोग कर रही हैं।

कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्रा श्रेया सिंह ने किया। डॉ. गोपी कृष्ण ने मुख्य वक्ता सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. देवी, डॉ. प्रिया और बीएएमएस के सभी नव प्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

अतिथि व्याख्यान

कृषि संकाय

'प्राकृतिक खेती'' विषय पर विद्यार्थियों से परिचर्चा करते हुए प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार त्रिपाठी व उन्हें स्मृति चिन्ह् भेंट करते डॉ. विमल कुमार दूबे

दिनांक 16 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार त्रिपाठी पूर्व अधिष्ठाता केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल व पूर्व निदेशक अटारी जोन 6 ने ''गौ आधारित प्राकृतिक खेती'' विषयक पर विद्यार्थियों से विस्तृत परिचर्चा की। डॉ. त्रिपाठी ने गाय को भारतीय कृषि प्रणाली का आधार बताते हुए कहा कि हमारे पूर्वज वर्षों पूर्व भी समकालीन कृषि के उन्नत विधाओं की जानकारी रखते थे व उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से कृषि का परिचालन करते थे, जिसमें बीजामृत, जीवामृत, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र व अग्निस्त्र जैसी विधियों से बीज शोधन, कीट प्रबन्ध व मृदा संरक्षण इत्यादि किया जाता था जो प्रकृति के अनुकूल था।

वर्तमान की आवश्यकता को समझते हुए भारत सरकार प्राकृतिक खेती को किसनों के मध्य प्रोत्साहित कर रही है, वर्तमान में भारत खद्यान के मामले में आत्मनिर्भर होने के साथ–साथ अन्य देशों को अनाज निर्यात कर रहा है। सरकार द्वारा वर्ष 2024–25 में एक करोड़

किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिए जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे किसान प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक प्रणाली को अपना सकें व जनमानस तक स्वस्थ आहार उपलब्ध करा सकें। व्याख्यान के दौरान अधिष्ठाता कृषि डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ, सरस्वती प्रेम कुमारी, डॉ. नवनीत सिंह, डॉ. कुलदीप सिंह व डॉ. विकास यादव तथा समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहें।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

ग्राम सोनबरसा में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण करती नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

दिनांक 16 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंर्तगत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में बेसिक बी.एस.सी. नर्सिंग पांचवी सेमेस्टर में अध्ययनरत कुल 60 छात्राओं ने तीन शिक्षिकाओ (नैन्शी) निधि मिश्रा एवं दीपांजलि के मार्गदर्शन में सोनबरसा गांव (गोरखपुर) में विभिन्न आयु वर्ग के ;पांच वर्ष से कम, वयस्क, बुजुर्ग, प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर माता के लिए विभिन्न क्लीनिक का आयोजन किया।

इसमें कुल आयु वर्ग में लगभग 30.35 लोग उपस्थित थे।

जिसमें उन्होंने पांच वर्ष से कम आयु में (मानवमितीय माप के लिए), वयस्कों और बड़े में (शारीरिक परीक्षण), गर्भवती महिलाओं में (प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर परीक्षण) के लिए मूल्यांकन किया साथ ही पर्याप्त आहार पद्धति, जीवनशैली में बदलाव और व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा भी दी।

अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

दीक्षारंभ के दौरान नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. जी.एस. तोमर जी एवं डॉ. संजय माहेश्वरी जी

दिनांक 18 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम सोनबरसा गोरखपुर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज् आयुर्वेद कालेज के नवप्रवेशित बीएएमएस विद्यार्थियों के पंचदशदिवसीय दीक्षारम्भ पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम में एकीकृत स्वास्थ्य पर बीएएमएस और एमबीबीएस विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जी. एस. तोमर ने कहा कि आप सब सौभाग्यशाली हैं कि आप महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर को चुने हैं। यह संस्थान नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हमारा उद्देश्य स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य का रक्षण करना और रोगी को स्वस्थ करना होना चाहिए। आयुर्वेद और एलोपैथ दोनों इस दिशा में मिलकर बहुत अच्छा कर सकते हैं। ऐसा कोई वनस्पति नहीं है जिससे औषधि न बनाया जा सके। आप सभी भाग्यशाली हैं कि आपको चिकित्सा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। चिकित्सा कभी निष्फल नहीं

होती है। यह आपको यश, धन, अनुभव, आशीर्वाद सब प्राप्त कराता है। सभी विधाओं का सम्मान करना चाहिए, हमें प्रतिद्वंद्वी नहीं परस्पर सहयोगी बनना चाहिए। हमारी संस्कृति पूरे विश्व को परिवार मानती है। इसीलिए पूरे वैश्विक स्तर पर हमें मोटे अनाज को अपनाना चाहिए और प्रचार–प्रसार करना चाहिए। जो पहले से हमारे वहां प्रयोग होता रहा है।

विश्व में वेद सर्वप्रथम ज्ञान विज्ञान के स्रोत हैं। अथर्ववेद का उपवेद आयुर्वेद है। यह प्राचीन चिकित्सा पद्धति आज भी प्रमाणिक और प्रसिद्ध है। आयुर्वेद में प्रत्येक व्यक्ति के प्रकृति के अनुसार अलग–अलग चिकित्सा पद्धति है इसी को तो वर्तमान में जीनोम थ्योरी कहते हैं। हजारों प्रकार के रसायनों के बारे में आयुर्वेद में बताया गया है जो स्वस्थ व्यक्ति को स्वस्थ रखता है। डॉ. तोमर ने अपने शोध अनुभवों और इतिहास से विषकन्या का उदाहरण देकर बताया कि विष जैसी चीजों को हम थोड़े–थोड़े मात्रा देने से वह सात्म्य बन जाता है तो एलर्जी को हम क्यों नहीं ठीक कर सकते हैं।

विशिष्ट अतिथि एम पी बिड़ला ग्रुप आफ हॉस्पीटल के निदेशक और प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि आज भी सर्जरी में आयुर्वेद विधा क्षार सूत्र का प्रयोग करता हूं। रक्त चिकित्सा में आदिकाल से लीच अर्थात जोंक का प्रयोग आयुर्वेद में किया जाता है।

आयुर्वेद और एलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान दोनों का उद्देश्य स्वास्थ्य है। हमें एक होकर चिकित्सा के दिशा में बढ़ना होगा। शिक्षण संस्थान सन्तों के ही भूमि पर बनते हैं। इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को बहुत बहुत धन्यवाद है।

कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्रा श्रेया सिंह ने किया। डॉ. गिरिधर वेदांतम ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. अरविन्द कुशवाह, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. राजेश बहल, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. देवी एबीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नव प्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

मिशन शक्ति चरण–5 के अंतर्गत आयोजित सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में छात्राओं को सम्बोधित करती एसआई ब्यूटी सिंह

दिनांक 18 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंर्तगत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में मिशन शक्ति चरण–5 के अंतर्गत महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसमें मुख्य अतिथि एसआई ब्यूटी सिंह, सोनी कुमारी और अजय वर्मा, तथा नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीता, सभी संकाय सदस्य एवं जीएनएम प्रथम वर्ष के सभी छात्राएं वहां उपस्थित थी।

इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई तथा कार्यक्रम में उपस्थित माननीय मुख्य अतिथियों ने कुछ महत्वपूर्ण जानकारी के बारे में बताया जिसमें उन्होंने छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और हेल्पलाइन नंबर के बारे में बताया।

थाना चिलुवाताल की एसआई ब्यूटी सिंह जी ने कहा मिशन शक्ति महिलाओ और बालिकाओ के लिए सुरक्षा, संरक्षण और शशक्तिकरण के लिए भारत सरकार की एक योजना है जो हिंसा से प्रभावित महिलाओ और संकटग्रसत महिलाओ को तत्काल और व्यापक निरंतर देखभाल, समर्थन वह मदद प्रदान करती है।

एसआई सोनी कुमारी ने छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबर (1090 एवं 112) के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने महिला सुरक्षा जागरूकता के बारे में यह भी बताया कि कोई भी खतरा होने पर हमें नजदीकी पुलिस स्टेशन में इसकी रिपोर्ट करनी चाहिए और किसी भी साइबर धोखाधड़ी कॉल पर तुरंत पुलिस स्टेशन मे आवेदन प्रस्तुत करना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि ऑनलाइन शॉपिंग केवल विश्वसनीय साइट से ही करें अथवा व्हाट्सएप पर उपलब्ध किसी भी लिंक का अनुसरण न करें क्योंकि वे आपके फोन और गतिविधि को हैक कर सकते है। इस कार्यक्रम के अंत में उन्होंने छात्रों द्वारा उत्पन्न शंकाओं का उत्तर दिया।

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

'उड़ान' कैरियर विकास और महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

छात्राओं को महिला स्वास्थ्य जागरूकता के बारे में बताती डॉ. अंजलि

दिनांक 18 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंर्तगत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में दैनिक जागरण द्वारा 'उड़ान' करियर विकास और महिला स्वास्थ् जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. अंजलि (प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग), डॉ. डी.एस. अजीथा (जीएसजीएसएन) के प्रिंसिपल, नर्सिंग कॉलेज के सभी संकाय सदस्य एवं एएनएम प्रथम वर्ष के सभी छात्राएं वहां उपस्थित थी।

इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई तथा कार्यक्रम में उपस्थित माननीय मुख्य अतिथि डॉ. अंजलि ने भाषण दिया जिसमें उन्होंने छात्राओं को उनके करियर की आकांक्षाओं और मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता के महत्व को समझाया। उन्होंने मासिक धर्म चक्र, मेनार्चेऔर रजोनिवृत्ति के बारे मेंबताया।

मासिक धर्म स्वच्छता का मतलब है कि इस समय शरीर और आसपास के माहौल को साफ–सुथरा रखना। मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक न होने के कारण कई लड़कियां गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझती हैं, जैसे कि संक्रमण, त्वचा की एलर्जी और अन्य बीमारियां। मासिक धर्म के दौरान अनुचित स्वच्छता के कारण होने वाली बीमारी, महिलाओं के स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव, इलाज और रोकथाम के बारे में भी बताया।

न्होंने स्वच्छ सैनिटरी उत्पादों का उपयोग करें, पैड, टैम्पून, या कप का सही उपयोग और नियमित रूप से बदलाव बहुत जरूरी है। हाथ व शरीर की सफाई, हर बार पैड बदलने से पहले व बाद में हाथ धोना, शुद्ध पानी व साबुन का इस्तेमाल, साफ पानी से नियमित स्नान व सफाई बनाए रखना चाहिए। कचरा प्रबंधन, उपयोग हुए पैड को सही तरीके से फेंकें। इधर–उधर न फेकने पर चर्चा की।

'स्वस्थ जीवनशैली' : अतिथि व्याख्यान

फार्मास्युटिकल साइंस संकाय

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. जी.एस. तोमर

दिनांक 18 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंस संकाय में 'स्वस्थ जीवनशैली' पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. जी. एस. तोमर ने जीवनशैली से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार साझा किए। उन्होंने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, मानसिक तनाव प्रबंधन और पर्याप्त नींद के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने यह भी बताया कि एक स्वस्थ जीवनशैली न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है बल्कि मानसिक सुदृढ़ता भी प्रदान करती है।

कार्यक्रम के अंत में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय की सुश्री जूही तिवारी ने डॉ. जी. एस. तोमर का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके विचार छात्रों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देने के लिए डॉ. तोमर के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम में फार्मास्युटिकल साइंस संकाय के सभी शिक्षक उपस्थित थे, जिनमें सुश्री पूजा जायसवाल, सुश्री जूही तिवारी, सुश्री श्रेया मद्धेशिया, सुश्री नंदिनी , श्री प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, श्री दिलीप मिश्रा, श्री पीयूष आनंद और श्री दीपक कुमार शामिल थे। सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने डॉ. तोमर द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संदेश की सराहना की और इसे अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

आभासीय अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

आभासीय माध्यम से नवप्रवेशित बीएएमएस विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल दुष्यन्त सिंह जी

दिनांक 19 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम सोनबरसा गोरखपुर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद कालेज के नवप्रवेशित बीएएमएस विद्यार्थियों के पंचदशदिवसीय दीक्षारम्भ के अन्तर्गत आज नवप्रवेशित बीएएमएस विद्यार्थियों का असिस्टेंट प्रोफेसर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय द्वारा शिष्योपनयन कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

जिसमें माननीय कुलपति प्रो. डॉ. सुरिंदर सिंह ने स्वयं विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए धन्वन्तरि पूजन और यज्ञ संपन्न कराया। माननीय कुलपति महोदय ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि हमें संस्कृति और विज्ञान को आगे बढ़ाना है। हमें हमारी संस्कृति और धर्म कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने की आज्ञा प्रदान करता है। धन्वंतरि यज्ञ में उपस्थित बतौर विशिष्ट अतिथि एम पी बिड़ला ग्रुप आफ हॉस्पीटल और विख्यात कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि यज्ञ और देव पूजन हमें अपने कर्तव्यों को निर्वहन करने के लिए आत्मबल प्रदान करते हैं। शिष्योपनयन कार्यक्रम हमारे देश की आद्य परंपरा है। यहां के आचार्य साधुवाद के पात्र हैं जो इसे आज भी जीवित रखें हैं। शिष्योपनयन कार्यक्रम में माननीय कुलपति, विशिष्ट अतिथि, विद्यार्थियों और शिक्षकों और चिकित्सकों ने पूजन हवन कर प्रसाद ग्रहण किया।

दूसरे सत्र में संचार कौशल और आलोचनात्मक सोच विषय पर लेफ्टिनेंट जनरल दुष्यन्त सिंह ने अपने आनलाइन व्याख्यान में कहा कि संचार कौशल व्यक्ति की वह क्षमता है जिससे वह अपने विचारों, भावनाओं और जानकारी को प्रभावी ढंग से दूसरों तक पहुंचा सकता है। यह कौशल जीवन के हर पहलू में सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

आलोचनात्मक सोच एक ऐसी मानसिक प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति तथ्यों, सूचनाओं और परिस्थितियों का गहन विश्लेषण करके तार्किक और संतुलित निष्कर्ष पर पहुंचता है। यह कौशल निर्णय लेने और समस्याओं को हल करने के लिए अत्यधिक उपयोगी है। प्रभावी संचार के लिए आलोचनात्मक सोच आवश्यक है। किसी समस्या का विश्लेषण करने के बाद उसे प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना संचार कौशल पर निर्भर करता है। दोनों कौशल एक दूसरे को मजबूत करते हैं और जीवन के व्यावसायिक और व्यक्तिगत दोनों क्षेत्रों में सफलता की कुंजी हैं। ये कौशल व्यक्ति को आत्मनिर्भर और सफल बनाने में सहायक होते हैं।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. देवी नायर ने किया। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्रा श्रेया सिंह ने किया। डॉ. गिरिधर वेदांतम ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. अरविन्द कुशवाह, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. राजेश बहल, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. देवी एबीएएमएस व एमबीबीएस के नव प्रवेशित विद्यार्थी रहें।

शिष्योपनयन कार्यक्रम में हवन पूजन करते हुए माननीय कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह, प्राचार्य डॉ. गिरीधर वेदांतम, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी

पाकविधि कार्यक्रम

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

छात्राओं द्वारा बनाए गए पौष्टिक आहार

दिनांक 20 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंर्तगत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में बेसिक बीएससी नर्सिंग पांचवी सेमेस्टर में अध्ययनरत कुल 60 छात्राओं ने दो शिक्षकों (मिस श्रद्धा, मि. केशव अधिकारी) के मार्गदर्शन में गोरखपुर मे स्थित सोनबरसा गांव में चयनित लाभार्थी जैसे विभिन्न आयु वर्ग के (पांच वर्ष से कम, वयस्क, बुजुर्ग, प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर माता) एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए खाद्य निर्माण प्रदर्शन का आयोजन किया।

उन्होंने विभिन्न आहार पर आधारित जैसे (डैश आहार, प्रोटीन युक्त, आयरन युक्त, विटामिन युक्त आहार आदि) पर कई प्रकार के खाद्य पदार्थ (पालक पराठा, ओट, सहजन की पत्ती और पालक पकौड़ा, बेसन चिल्ला आदि) तैयार किए। उन्होंने एवीएड्स की सहायता से सभी पोषक मूल्यों, विभिन्न स्रोतों और हमारे स्वास्थ्य के लिए इसके महत्व के बारे में भी बताया। इस कार्यक्रम से प्रभावित सोनबरसा ग्रामीणों ने छात्राओं के के इस प्रयास को सराहा।

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत महाराणा प्रताप गर्ल्स इंटर कॉलेज में विभिन्न माध्यमों से जागरूक करती छात्राएं

दिनांक 20 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंर्तगत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग द्वितीया वर्ष में अध्ययनरत कुल 11 छात्राओं ने नर्सिंग कॉलेज की शिक्षिका (मिस प्रिया सिंह) के मार्गदर्शन में सिविल लाइन्स, गोरखपुर में उपस्थित महाराणा प्रताप गर्ल्स इंटर कॉलेज मे मासिक धर्म स्वच्छता पर स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया।

इसमें कक्षा 12 तक की छात्राएं उपस्थित थी जिसमें रोल प्ले, पी पीटी और चार्ट प्रस्तुति की मदद से उन्होंने छात्राओं को उनके करियर की आकांक्षाओं और मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता के महत्व को समझाया।

उन्होंने मासिक धर्म चक्र, मेनार्चे और रजोनिवृत्ति के बारे में बताया प् मासिक धर्म के दौरान अनुचित स्वच्छता के कारण होने वाली बीमारी, महिलाओं के स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव, इलाज और रोकथाम के बारे में भी बताया।

अंत में उन्होंने कुछ मुख्य बिंदु को भी बताया जैसा की (स्वच्छ सैनिटरी उत्पादों का उपयोग, हाथ और शरीर की सफाई, शुद्ध पानी और साबुन का इस्तेमाल, कचरा प्रबंधन) के बारे में विस्तान से बताया।

अतिथि व्याख्यान : समापन समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

पंचदशदिवसीय दीक्षारम्भ पाठ्यचर्या के समापन समारोह में डॉ. रेखा माहेश्वरी एवं डॉ. संजय माहेश्वरी द्वारा विद्यार्थियों को पाथेय प्रदान किया

दिनांक 20 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम सोनबरसा गोरखपुर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद कालेज के नवप्रवेशित बीएएमएस विद्यार्थियों के पंचदशदिवसीय दीक्षारम्भ पाठ्यचर्या के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि आपका चिकित्सा विज्ञान में स्वागत है। आपको बहुत पढ़ना पड़ेगा, दीक्षा पाठ्यचर्या के दौरान विभिन्न अतिथि व्याख्यान ने आपके शैक्षणिक यात्रा में एक अच्छी नींव रखने का कार्य किया है। भगवान कि सबसे अच्छी रचना मनुष्य है। आपको ईश्वर के उस सबसे अच्छी कृति के चिकित्सा सेवा के लिए चुना गया है। आज नवप्रवेशित विद्यार्थियों द्वारा दीप प्रज्जवलन अपने अन्तर्मन को प्रज्ज्वलित करने जैसा है। यह आपके जीवन को प्रकाशित करेगा।

कैंसर सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने सभी विद्यार्थियों को चिकित्सा क्षेत्र में चयनित होने के लिए बधाई और आशीर्वाद प्रदान किया।

मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई ने कहा कि आपको ईश्वर ने एक विशिष्ट कार्य के लिए चुना है। जिसे मानवता की सेवा कहते हैं। चिकित्सा सबसे बड़ा सेवा धर्म है। ऐसी आशा है कि आप आरोग्य धाम में चिकित्सा ज्ञान प्राप्त करके पूरे विश्व को आरोग्य धाम बनाएंगे। आप को आत्मनिर्भर बन कर रोजगार प्रदान करने वाला बनना होगा। एलन मस्क का उदाहरण देते हुए कहा कि आपको नए टेक्नोलॉजी को सीखते हुए अपनी स्वयं कि एक नई विधा बनानी होगी। तभी आप दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना पाएंगे।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) सुरिन्दर सिंह ने कहा कि बीएएमएस और एमबीबीएस विद्यार्थियों को मिलकर कार्य करना होगा। आपको केवल चिकित्सकीय प्रमाण पत्रों के लिए ही नहीं ज्ञान के लिए पढ़ना होगा। आप सभी भविष्य में देश के नेतृत्वकर्ता हैं। आपको गुणवत्ता युक्त चिकित्सीय ज्ञान प्राप्त करना होगा। अपने अध्ययन के दौरान शोध और अनुसंधान को भी बढ़ावा देना होगा। पन्द्रह दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या एक बड़े अध्याय का आरंभ है। सफल होने का एकमात्र तरीका समग्र दृष्टिकोण है। आप आरोग्य धाम में हैं। आरोग्य प्रदान करने के लिए स्व जीवन समर्पित करना होगा। यही राष्ट्र की सच्ची सेवा होगी।

कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्रा कोमल और नितेश ने किया। कुलगीत गायन आशीष चौधरी ने किया। आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, एमबीबीएस के प्राचार्य डॉ. अरविन्द कुशवाह ने सभी अतिथियों और कुलपति जी का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. देवी नायर ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव सहित डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. राजेश बहल, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. मिनी, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नव प्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

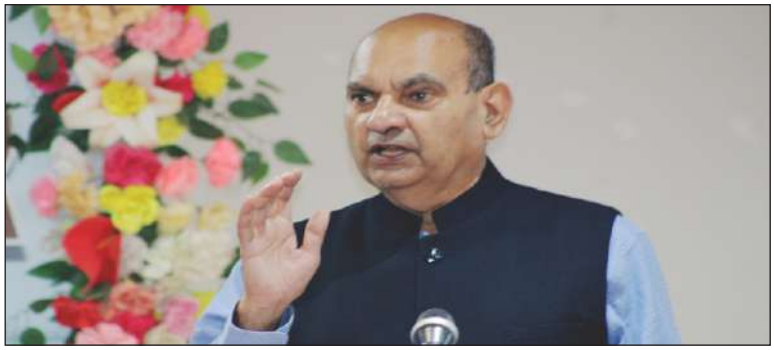

अतिथि व्याख्यान

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. देव बी. पांडेय

दिनांक 21 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के ऑप्टोमेट्री विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ।

व्याख्यान कार्यक्रम में सबसे पहले स्वागत भाषण संस्थाध्यक्ष श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव जी द्वारा दी गई। संकाय में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. देव बी. पांडेय (सीनियर ऑप्टोमेट्रिस्ट–आर्थोपटिस्ट) ने व्याख्यान कार्यक्रम के मुख्य विषय–'रिफ्रैक्टिव अन्नोमालिस इन पीडियाट्रिक्स' पर व्याख्यान दिया। उनके द्वारा बच्चों को 'ऑप्टोमेट्री इन न्यूरोलॉजी 'विषय के बारे में वह एब्जॉरप्टिव लेंसेस सहित रिफ्रेक्टिव एरर्स से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गई।

पैरामेडिकल संकाय के विभागाध्यक्ष श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव जी ने कहा कि अगर ईश्वर द्वारा हमें आंखें नहीं दी जाती तो हम अपने आसपास मौजूद खूबसूरत तत्वों को देखने से वंचित रह जाते अतः इसकी देखभाल हमें अपने जीवनशैली से जोड़नी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन ऑप्टोमेट्री विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर कुंवर अभिनव सिंह राठौर द्वारा दी गई। कार्यक्रम में ऑप्टोमेट्री विभाग के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्र एवं छात्राएं मौजूद रहें।

मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी (एमआरएम) सर्जरी

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

ऑपरेशन के दौरान डॉ. संजय माहेश्वरी, डॉ. रेखा माहेश्वरी एवं ओटी स्टॉफ

दिनांक 21 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज देश के उन चुनिंदा इस्टिट्यूट में शामिल हो गया है, जहां कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी (एमआरएम) सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। यहीं नहीं, इस इंस्टिट्यूट में कैंसर की एमआरएम सर्जरी के साथ विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी द्वारा एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए एनाटोमी की लाइव क्लास भी चलाई गई ओर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। जटिल सर्जरी के साथ एनाटोमी की लाइव क्लास का संचालन विश्व में संभवतः पहली बार किया गया। एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर और दुनिया के जाने–माने कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी और उनकी पत्नी कैंसर सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी की चिकित्सकीय सेवाएं गुरू गोरक्षनाथ इस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के जरिये प्रतिमाह पूर्वी उत्तर प्रदेश के कैंसर रोगियों को मिलने लगी है।

गत दिवस डॉ. संजय माहेश्वरी और रेखा माहेश्वरी ने इस इस्टिट्यूट में रोगियों की जांच और परामर्श देने के साथ एक 52 वर्षीय पीड़ित महिला की सफल मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी की। यह सर्जरी तीन घंटे से अधिक समय तक चली। डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी में स्तन का पूरा भाग जिसमें एरियल (निप्पल के चारों तरफ की डार्क त्वचा), निप्पल नोड एवं अंडर आर्म की नीचे के कुछ हिस्सों को काट कर निकाला जाता है। यह पद्धति कैंसर के व्यापक चिकित्सकीय प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह विधि क्लासिकल रेडिकल मास्टेक्टॉमी, जिसे कभी कैंसर का इलाज माना जाता था की तुलना में कम कैठोर ऑपरेशन है। सर्जरी के बाद मरीज को दो–तीन दिन तक दर्द या बांह के नीचे खिचांव व उस क्षेत्र में झुनझुनी की शिकायत रहती है। यह दिक्कत कुछ दिनों में ठीक हो जाती है।

डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरू गोरक्षनाथ इस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते उन्होंने एमबीबीएस फर्स्ट बैच के विद्यार्थियों के लिए एनाटोमी की लाइव क्लास कैंसर की इस तरह की सर्जरी के साथ चलाई गई है। इस दौरान एमबीबीएस फर्स्ट बैच के विद्यार्थियों को कैंसर प्रभावित अंग की संरचना की बारीकियों को समझाया गया और पढ़ाई के शुरूआती दौर में ही उन्हें सर्जरी से जुड़ी गहन जानकारी भी दी गई।

डॉ. माहेश्वरी सर्जरी करने के दौरान विद्यार्थियों से लगातार संवाद करते रहे और उनकी सभी सवालों का भी जवाब दिया।

अतिथि व्याख्यान

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में विद्यार्थियों को 'स्क्लेरल कॉन्टैक्ट लेंसेस' विषय पर सम्बोधित करते हुए मोहम्मद तहसीन रजा खान

दिनांक 22 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के ऑप्टोमेट्री विभाग में व्यावहारिक प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। संकाय में मुख्य प्रशिक्षक के तौर पर 'मोहम्मद तहसीन रजा खान' (कंसल्टेंट ऑप्टोमेट्रिस्ट एवं कॉन्टैक्ट लेंस प्रैक्टिशनर, दिल्ली) उपस्थित रहें। उनके द्वारा 'स्क्लेरल कॉन्टैक्ट लेंसेस' विषय पर गहन चर्चा की गई। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस संगोष्ठी में स्क्लेरल कॉन्टैक्ट लेंसेस के विशेषज्ञ ने मरीजों के दृष्टि संबंधित विकारों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। उनके द्वारा नेत्र संबंधित बीमारियां जैसे कैरेटोकोनस, स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम, पोस्ट आर. के इकटसिया, पोस्ट इंटेक्स, हिल्ड कॉर्नियल परफोरेशन इत्यादि बीमारियों के कारणवश होने वाली दृश्य तीक्ष्णता के बारे में जानकारी साझा की वह साथ ही यह भी बताया कि स्क्लेरल कॉन्टैक्ट लेंसेस को उपचारात्मक प्रयोजन वह साथ ही विजन रिहैबिलिटेशन के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। उनके द्वारा विद्यार्थियों को ऐसे कई उदाहरण दिए गए जिसमें कीरेटोकोनस (कॉर्निया का शंकवाकार आकार होना) होने के कारणवश विजुअल एक्यूटी CF/1metre हो गई थी परन्तु स्क्लेरल कॉन्टैक्ट लेंस के उपचार से उस मरीज की विजुअल एक्यूटी 6/18P तक बढ़ी।

कार्यक्रम में कुल 63 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के उपरांत ऑप्टोमेट्री विभाग के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर कुंवर अभिनव सिंह राठौड़ ने स्क्लेरल कॉन्टैक्ट लेंस के प्रशिक्षक द्वारा विद्यार्थियों से अपनी आंखों पर कॉन्टैक्ट लेंस लगाने का प्रशिक्षण दिलवाया।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण संस्थाध्यक्ष श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव जी द्वारा दिया गया व धन्यवाद ज्ञापन ऑप्टोमेट्री विभाग की प्रवक्ता सुश्री सुप्रिया गुप्ता द्वारा दिया गया।

प्रकृति परीक्षण अभियान : उद्घाटन समारोह

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

संकाय एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. गिरिधर वेदान्तम

दिनांक 26 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) पंचकर्म सभागार में देश का प्रकृति परीक्षण अभियान का आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य और प्राध्यापकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके उद्घाटन किया गया। प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि आज 26 नवम्बर 2024 से 25 दिसम्बर 2024 तक देश के सभी नागरिकों का आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा प्रकृति परीक्षण किया जाएगा। इस अभियान में हमारे आयुर्वेद कॉलेज के चिकित्सकों और बीएएमएस विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए सभी पांच ग्रामों में चिकित्सा शिविर लगाकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण के साथ प्रकृति परीक्षण किया जाएगा। ज्ञात हो कि आयुर्वेद चिकित्सा व्यक्ति प्रकृति के अनुसार कार्य करती है सभी की प्रकृति में भिन्नता होती है। जैसे वात, कफ, पित्त प्रकृति आदि प्रकृति परीक्षण अभियान के द्वारा पूरे देश के नागरिकों का प्रकृति परीक्षण करके चिकित्सा हेतु आंकड़े संग्रहित किए जाएंगे।

मैंने किया है संकल्प स्वास्थ्य का, जिसका है आधार आयुर्वेद का यह इस कार्यक्रम का ध्येय वाक्य लिया गया है। आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा इसका उद्घाटन किया गया है। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्रा मुस्कान ने किया। कार्यक्रम में प्राचार्य सहित आयुर्वेद कॉलेज के सभी प्राध्यापक, चिकित्सक और सभी बीएएमएस विद्यार्थी उपस्थित रहें।

अतिथि व्याख्यान

श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर

अतिथि व्याख्यान के दौरान जूम मीटिंग के माध्यम से सम्बोधित करते हुए डॉ. विजय तिवारी

दिनांक 27 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ व्याख्यान के लिए डॉ. विजय तिवारी सर जूम मीटिंग के द्वारा उपस्थित थे व्याख्यान का विषय ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड predictive एनालिटिक पद medicine महोदय ने अपने व्याख्यान में AI के बारे में बताया कि कैसे हम AI की मदद से मेडिकल फील्ड मे अपना निर्णय ले सकते है AI की उपयोगिता बताते हुए सर ने बताया कि कैसे AI early case diagnosis, अच्छे चिकित्सा परिणाम एवं चिकित्सा बता सकता है। सैकडो Data को analyse करके उसके परिणाम बता सकती है। व्याख्यान में सर ने Advanced alert monitoring (AAM) system के बारे मे बताया वैद्यकीय छात्रों को AI के साथ काम सीखना होगा ताकि उनका भविष्य उज्जवल सर ने बताया कि विदेशों मे AI का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है।

AI की मदद से हम मरीजों को अच्छी चिकित्सा प्रदान कर सकते है। व्याख्यान के समय विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय छात्र–छात्राएं एवं शिक्षणगण उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के कुलपति, रजिस्ट्रार एवं विभिन्न संकाय प्रमुख भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पूजा ने किया।

माननीय कुलाधिपति एवं एमबीबीएस विद्यार्थियों के मध्य संवाद

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ महाराज जी नवप्रवेशित एमबीबीएस विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए

दिनांक 30 नवम्बर, 2024। मुख्यमंत्री एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आने वाले समय में भारत दुनिया में मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा है। मेडिकल टूरिज्म, अन्य प्रकार के टूरिज्म की तुलना में अधिक व्यापक और महत्वपूर्ण होगा। इसके लिए अभी से तैयारी शुरू करनी होगी। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि साधना से ही सिद्धि मिलती है इसलिए साधनापरक जीवन अपनाना होगा।

सीएम योगी शनिवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम में श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच के विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। सभी विद्यार्थियों से सहजता से परिचय प्राप्त करने के बाद मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रेष्ठ चिकित्सक बनने का आशीर्वाद देते हुए कहा कि 140 करोड़

भारतवासियों के स्वास्थ्य रक्षा के लिए हमें किसी पर निर्भर न रहना पड़े, इसके लिए बनाई जा रही व्यवस्था के आप सभी नींव बनें। इसके लिए सरकार और संस्थाएं बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर तो दे देंगी लेकिन ईमानदारी से परिश्रम आपको ही करना होगा। सफलता के लिए शॉर्टकट न अपनाएं। यह ध्यान रखें कि परिश्रम, निष्ठा और अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वयं के करियर के साथ सेवा भाव से जुड़े रहने की भी सीख दी।

शिक्षा और स्वास्थ्य को सरल बनाने के लिए सरकार ने खोल दिए हैं सभी दरवाजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने कारोबारी और निवेश सुगमता के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य को सरल बनाने के लिए सरकार ने सभी दरवाजे खोल दिए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि 2014 के बाद बदले भारत के आप सभी भावी कर्णधार हैं। ऐसे में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को अपनाकर भारत की गौरवशाली स्वास्थ्य परंपरा के निर्वाहक बनें।

शिक्षा और स्वास्थ्य में दुनिया का नेतृत्व करता रहा है भारत : सीएम योगी ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत की मजबूत विरासत से विद्यार्थियों को परिचित कराते हुए कहा कि यह भी जानें कि दुनिया को सबसे पहला विश्वविद्यालय हमनें दिया था। दुनिया की पहली सर्जरी महर्षि सुश्रुत ने की थी। दुनिया के सबसे पहले कानूनविद मनु थे। शिक्षा, स्वास्थ्य, ज्योतिष और गणित के क्षेत्र में भारत दुनिया का नेतृत्व करता रहा है। इस पीढ़ी कि यह जिम्मेदारी है कि वह आधुनिक परिवेश में अत्याधुनिक तकनीकी से जुड़कर इस परंपरा को आगे बढ़ाए।

मेडिकल एजुकेशन को टेक्नोलॉजी से जोड़ना समय की मांग : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मेडिकल एजुकेशन को टेक्नोलॉजी से जोड़ना समय की मांग है। यदि हमनें इसे नजरअंदाज किया तो हम पीछे रह जाएंगे। आज जरूरी है कि हर डॉक्टर रिसर्चर भी बने। टेक्नोलॉजी और अनुभव के आधार पर स्वास्थ्य सेवा को और भी उत्कृष्ट बनाया जा सकता है।

दवा देने के साथ मरीजों की दुआ भी लें : संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को भविष्य में उत्कृष्ट चिकित्सक बनने के मंत्र भी दिए। उन्होंने कहा कि दवा देने के साथ आप सभी को मरीजों की दुआ भी लेनी चाहिए। इसके लिए मरीजों से अच्छा व्यवहार करें। धैर्य कभी न छोड़ें। अभी से तनावमुक्त वातावरण में रहें।

नई भारतीय चिकित्सा पद्धति का स्वरूप तय करें : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप सभी भविष्य के चिकित्सक हैं। आप एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्धा, योग आदि सभी विधाओं को मिलाकर नई भारतीय चिकित्सा पद्धति का स्वरूप तय करें।

लघु भारत में गोरक्षपीठ के गुरुकुल के परिवारमयी सदस्य बनें विद्यार्थी : मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में देश के 18 प्रांतों के विद्यार्थी लघु भारत का दृश्य प्रस्तुत कर रहे हैं। आप सभी गोरक्षपीठ के इस गुरुकुल के परिवारमयी सदस्य बनकर लंबी यात्रा की तैयारी करें। उन्होंने कहा कि माता पिता की परिश्रम की कमाई के बल पर भोगवादी जीवन से बचें। सहज और सरल जीवन व्यतीत करते हुए हर चुनौती का सामना करने को तैयार रहें। कार्य कोई भी हो, उसे चुनौती के रूप में लें।

संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कई विद्यार्थियों की विभिन्न विषयों पर जिज्ञासाओं का भी समाधान किया।

चिकित्सालय का सीएम योगी ने किया निरीक्षण : एमबीबीएस प्रथम बैच के विद्यार्थियों से संवाद करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित चिकित्सालय का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय के इंफ्रास्ट्रक्चर और यहां मरीजों के लिए उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं की जानकारी ली और मरीजों की उत्कृष्ट सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम, चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल, आईसीयू प्रभारी डॉ. राजीव श्रीवास्तव आदि मौजूद रहें।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति माननीय योगी आदित्यनाथ महराज जी ने चिकित्सालय भ्रमण के दौरान मरीज एवं तीमारदारों से कुलशक्षेम पूछा

नवम्बर माह की मुख्य बैठकें

16 नवम्बर 2024 योगीराज बाबा गंभीरनाथ अतिथि गृह के कार्यालय में आयोजित सभी डीन/प्राचार्य/विभागाध्यक्षों की बैठक का कार्यवृत्त।

माननीय कुलपति महोदय द्वारा सभी सदस्यों का स्वागत किया गया तथा उसके पश्चात बैठक की शुरुआत निम्नलिखित 05 एजेंडा मदों के साथ की गई।

कार्यावली–प्रथम निर्णय

शैक्षणिक, शोध एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए महाविद्यालयों, संकायों एवं विभागों की कार्ययोजना पर विचार।

कार्यावली–द्वितीय निर्णय

प्रत्येक महाविद्यालय, संकाय एवं विभाग को अपने–अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक कार्यक्रमों पाठ्यक्रम डिजाइन का ब्लू प्रिंट तैयार कर प्रस्तुत करना चाहिए।

शोध गतिविधियों के अंतर्गत प्रकाशन, पेटेंट, प्रशस्ति पत्र, अन्य प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं के साथ शोध सहयोग तथा डीएसटी, सीएसआईआर, डीबीटी आदि विभिन्न सरकारी एजेंसियों को शोध अनुदान के लिए आवेदन भेजना।

विद्यार्थियों के कौशल विकास एवं कौशल संवर्धन के संबंध में प्रत्येक महाविद्यालय/संकायध्विभाग कौशल विकास पर एक प्रस्तुति तैयार कर प्रस्तुत करें।

एनएएसी मान्यता की तैयारी से संबंधित गतिविधियां शुरू करने पर विचार।

कार्यावली–तृतीय निर्णय

आयुर्वेद महाविद्यालय में पंचकर्म चिकित्सा हेतु निर्मित 12 कक्षों के संचालन पर विचार।

कार्यावली– चतुर्थ

माननीय कुलपति महोदय ने प्राचार्य, जीजीआईएमएस (आयुर्वेद महाविद्यालय) से अनुरोध किया कि उपरोक्त के संचालन हेतु कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुतीकरण दें।

संस्थागत विकास योजना (आईडीपी)

कार्यावली–पंचम निर्णय

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी नैक बाइनरी एक्रीडिटेशन फ्रेमवर्क एवं संस्थागत विकास योजना के दिशा–निर्देशों के अनुसार 30 दिवस के भीतर संस्थागत विकास योजना तैयार कर प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया है। प्रस्तुतीकरण की तिथियां पृथक से घोषित की जाएंगी।

अगले दो वर्षों के लिए प्रत्येक महाविद्यालयए संकाय एवं विभाग की योजनाओं के प्रस्तुतीकरण हेतु कार्यक्रम का निर्धारण।

अगले दो वर्षों के लिए प्रत्येक महाविद्यालयए संकाय एवं विभाग की योजनाओं के प्रस्तुतीकरण हेतु माननीय कुलपति महोदय द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम निर्धारित किया गया।

कॉलेज/संकाय/विभाग का नाम	प्रशासनिक अधिकारी (रजिस्ट्रार)	परीक्षा अनुभाग	एमबीए विभाग
आईटी सेल	महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल विभाग	फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय	फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय कृषि

कॉलेज/संकाय/विभाग का नाम | प्रशासनिक अधिकारी (रजिस्ट्रार) | परीक्षा अनुभाग | एमबीए विभाग
आईटी सेल | महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल विभाग | फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय | फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय कृषि
आयुर्वेद कॉलेज | श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज अस्पताल और अनुसंधान केंद्र | गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग विभाग
संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय | एनएसएस एवं एसीसी | वित्त विभाग

23 नवम्बर 2024 — योगीराज बाबा गंभीरनाथ अतिथि गृह में नर्सिंग और पैरामेडिकल संकाय के एचओडी, पैरामेडिकल द्वारा दी गई बैठक/पीपीटी प्रस्तुति का विवरण।

कार्यावली–प्रथम

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के पैरामेडिकल विभाग के प्रस्तुतीकरण पर विचार।

निर्णय

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के पैरामेडिकल विभाग की गतिविधियों पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रस्तुतीकरण पर माननीय कुलपति द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिए गए।

पैरामेडिकल के अन्य पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए जेएसएस मैसूर की वेबसाइट देखकर कार्ययोजना तैयार की जाए।

पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष का पाठ्यक्रमवार डाटा तैयार किया जाए।

गोरखपुर क्षेत्र के अलावा प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के अभ्यर्थियों को पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने की अनुमति दी जाए।

20 नवम्बर 2024 — योगीराज बाबा गम्भीरनाथ अतिथि गृह में परीक्षा नियंत्रक द्वारा दी गई बैठक/पीपीटी प्रस्तुति का कार्यवृत्त।

कार्यावली–प्रथम

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के पैरामेडिकल विभाग के प्रस्तुतीकरण पर विचार।

निर्णय

परीक्षा नियंत्रक के प्रस्तुतीकरण पर विचार।

परीक्षा नियंत्रक ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा से संबंधित गतिविधियों पर प्रस्तुतीकरण दिया। प्रस्तुतीकरण पर माननीय कुलपति द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिए गए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का यथासंभव उपयोग किया जाए।

प्रवेश के समय छात्रों और उनके अभिभावकों के मोबाइल फोन नंबर पर परीक्षा कार्यक्रम भेजने की व्यवस्था की जाए।

प्रवेश लेते समय प्रवेश की जानकारी के साथ–साथ ये सभी महत्वपूर्ण जानकारी छात्रों और उनके अभिभावकों के मोबाइल फोन पर भेजी जाए।

परीक्षकों के भुगतान को पोर्टल पर उसी दिन स्वतः जनरेट तरीके से उनके खातों में भेजने की व्यवस्था की जाए।

विश्वविद्यालय बनने के बाद प्रवेश के लिए कितने आवेदन प्राप्त हुए तथा उसके बाद के वर्षों में आवेदनों की संख्या कितनी रही, इसका डाटा तैयार किया जाए।

दोहरी मूल्यांकन प्रक्रिया अपनाई जाए।

दोहरी मूल्यांकन प्रक्रिया अपनाई जाए।

विद्यार्थियों के कौशल विकास एवं कौशल संवर्धन के संबंध में प्रत्येक महाविद्यालय/संकाय/विभाग कौशल विकास पर एक प्रस्तुति तैयार कर प्रस्तुत करें।

कार्यावली–द्वितीय

एनएएसी मान्यता की तैयारी से संबंधित गतिविधियां शुरू करने पर विचार।

निर्णय

माननीय कुलपति ने सभी प्राचार्यों, डीन एवं विभागाध्यक्षों से अनुरोध किया कि प्रत्येक महाविद्यालय, संकाय एवं विभाग एनएएसी बाइनरी एक्रीडिटेशन फ्रेमवर्क के दिशा–निर्देशों में उल्लिखित क्षेत्रों की तर्ज पर एक प्रस्तुति तैयार करें। विचार–विमर्श के बाद निर्णय लिया गया कि प्रत्येक महाविद्यालय, संकाय एवं विभाग अपनी–अपनी प्रस्तुति तैयार करें।

कार्यावली–तृतीय

आयुर्वेद महाविद्यालय में पंचकर्म चिकित्सा हेतु निर्मित 12 कक्षों के संचालन पर विचार।

माननीय कुलपति महोदय ने प्राचार्य, जीजीआईएमएस (आयुर्वेद महाविद्यालय) से अनुरोध किया कि उपरोक्त के संचालन हेतु कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुतीकरण दें।

कार्यावली–चतुर्थ

संस्थागत विकास योजना (आईडीपी)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी नैक बाइनरी प्रत्यायन रूपरेखा एवं संस्थागत विकास योजना के दिशा–निर्देशों के अनुसार 30 दिवस के भीतर संस्थागत विकास योजना तैयार कर प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया है। प्रस्तुतीकरण की तिथियां पृथक से घोषित की जाएंगी।

कार्यावली–पंचम

अगले दो वर्षों के लिए प्रत्येक महाविद्यालय, संकाय एवं विभाग की योजनाओं के प्रस्तुतीकरण हेतु कार्यक्रम का निर्धारण।

अगले दो वर्षों के लिए प्रत्येक महाविद्यालयए संकाय एवं विभाग की योजनाओं के प्रस्तुतीकरण हेतु माननीय कुलपति महोदय द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम निर्धारित किया गया।

22 नवम्बर 2024 योगीराज बाबा गंभीरनाथ अतिथि गृह में आईटी सेल द्वारा दी गई बैठकध्पीपीटी प्रस्तुति का विवरण।

कार्यावली–प्रथम निर्णय

विश्व के अन्य संस्थानों की वेबसाइट देखी जानी चाहिए और उसमें से अच्छे संस्थानों की सूची तैयार की जानी चाहिए और उसके अनुसार हमें खुद को तैयार करना चाहिए।

चिकित्सा और आयुर्वेद के क्षेत्र में विश्व स्तर पर क्या विकास हो रहा है, इसका अध्ययन किया जाना चाहिए और उसके अनुसार अपने कौशल को बढ़ाया जाना चाहिए।

मुख्य आईटी सेल डॉ. सुमित कुमार एम. को दो महीने के बाद शिक्षण के लिए मुक्त रखा जाना चाहिए।

एसेट मैनेजमेंट बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए एसेट मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए और इसकी सूची बनाई जानी चाहिए।

सभी प्राचार्य, डीन और विभागाध्यक्ष अपनी–अपनी वेबसाइट की ठीक से जांच कर लें और यदि उसमें कोई त्रुटि हो तो उसे 30 नवंबर 2024 तक सुधार लें

वेबसाइट के लिए दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई और मुंबई से विशेषज्ञ बुलाए जाएं।

दिसम्बर, 2024 की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

विभागीय आयोजन

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

08 दिसम्बर, 2024	अतिथि व्याख्यान
09 दिसम्बर, 2024 से	डेयरी विजिट, जल स्वच्छता सुविधाओं का दौरा, अस्पताल का दौरा
30 दिसम्बर, 03 जनवरी 2024	आवधिक मूल्यांकन

श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर

10 से 11 दिसम्बर, 2024	प्रथम लिखित एवं मौखिक परीक्षा

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

16 से 25 दिसम्बर, 2024	एंड सेमेस्टर परीक्षा
26 से 31 दिसम्बर, 2024	एंड सेमेस्टर प्रैक्टिकल परीक्षा

कृषि संकाय

05 से 12 दिसम्बर, 2024	प्रयोगात्मक परीक्षा
16 से 30 दिसम्बर, 2024	सेमेस्टर परीक्षा

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

04 से 10 दिसम्बर, 2024	संस्थापक सप्ताह समारोह

फॉर्मेसी संकाय

16 से 23 दिसम्बर, 2024	सेमेस्टर परीक्षा
24 से 28 दिसम्बर, 2024	प्रयोगात्मक परीक्षा

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

12 दिसम्बर, 2024	अंतर्राष्ट्रीय सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस

समाचार दर्पण

रोगी का यकीन ही डॉक्टर की सफलता का मानक

समारोह को संबोधित करते कैंसर सर्जन डॉ.संजय माहेश्वरी ।

- महायोगी गोरखनाथ विवि में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ समारोह
- डॉ. संजय माहेश्वरी ने आधुनिक चिकित्सा के बारे दी विस्तार से जानकारी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर एवं कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि मरीज का विश्वास जीतना ही किसी भी चिकित्सक की सफलता का मानक होता है। डॉ. माहेश्वरी मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। डॉ. माहेश्वरी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को पारंपरिक अध्ययन के महत्व के साथ आधुनिक शोध, अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के आधुनिक चिकित्सा में उपयोगों के बारे में भी विस्तार से बताया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि हम सभी को एक साथ मिलकर स्वास्थ्य शिक्षा को आगे ले जाने की आवश्यकता है। डॉ. देवी नायर ने विद्यार्थियों को चिकित्सा सेवा के प्रति निष्ठा के लिए चरक शपथ दिलाई। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राय, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. दीपू मनोहर सहित कई शिक्षक, नवीन विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित रहे।

विवि का प्रमुख उद्देश्य लोक कल्याण : कुलपति

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य लोक कल्याण है। यही इसका ध्येय भी है। एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने कहा कि कहा कि अनुशासन का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। इससे ही आपकी दिशा और भविष्य का निर्धारण होगा। गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र को धारण करने का अर्थ है कर्तव्य के प्रति आजीवन प्रतिबद्ध रहना।

रोगी का विश्वास ही चिकित्सक की सफलता का मानक : डॉ. माहेश्वरी

- महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ समारोह
- चिकित्सा और शिक्षा के जरिये लोक कल्याण ही महायोगी गोरखनाथ विवि का ध्येय : डॉ. वाजपेयी

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर एवं विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि रोगी का विश्वास जीतना ही किसी भी चिकित्सक की सफलता का मानक होता है। रोगी चिकित्सक को भगवान मानता है। उसकी मनःस्थिति बन्दर के उस बच्चे की तरह होती है जो चिकित्सक के सानिध्य में अपनी मां के अंकपाश की भाँति खुद को सुरक्षित सोचता है। ऐसे में रोगी के इस विश्वास की रक्षा की जिम्मेदारी चिकित्सक की होती है।

डॉ. माहेश्वरी मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों को पारंपरिक अध्ययन के महत्व के साथ आधुनिक शोध, अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के आधुनिक चिकित्सा में उपयोगों के बारे में भी विस्तार से बताया।

दीक्षारंभ समारोह की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य लोक कल्याण है। यही इसका ध्येय भी है। हम इसको केंद्र में रखकर ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि पूरी उम्मीद है कि आप सभी भी इस ध्येय को अंगीकार करेंगे। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद लोक कल्याण की भावना लेकर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा और शिक्षा सेवाओं को उपलब्ध करा रहा है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने छात्रों को अनुशासन का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में बहुत महत्व है। इससे ही आपकी दिशा और भविष्य का निर्धारण होगा। अपने दायित्वों और कार्यों को भार की तरह न लें। इन्हें आप अपनी पसंद बनाएं इससे कोई भी कार्य भार नहीं लगेगा। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उम्मीद है आप भविष्य में बहुत ही कुशल चिकित्सक बनेंगे।

स्वागत संबोधन श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र को धारण करने का अर्थ है कर्तव्य के प्रति आजीवन प्रतिबद्ध रहना। चिकित्सा दवा की पर्ची लिखने की कला मात्र नहीं है बल्कि यह समाज को एक सुखद एवं स्वस्थ्य जीवन देने की कला है। इस अवसर पर गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि हम सभी को एक साथ मिलकर स्वास्थ्य शिक्षा को आगे ले जाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राय, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ. प्रिया, डॉ. साध्वीनन्दन पाण्डेय सहित कई शिक्षक, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नवीन विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित रहे।

दीक्षारंभ समारोह के उद्घाटन सत्र के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कुलसचिव ने विद्यार्थियों के अभिभावकों के साथ संवाद कर उन्हें मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं, परिसर संस्कृति, अनुशासन के सभी पहलुओं से अवगत कराया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। 6 से 9 नवंबर तक प्रतिदिन अलग-अलग सत्रों में एमबीबीएस के नवीन विद्यार्थियों का विविध विषयों पर मार्गदर्शन किया जाएगा। जबकि बीएएमएस के नवीन विद्यार्थियों के लिए यह आयोजन पंद्रह दिन का होगा।

रोगी का विश्वास ही चिकित्सक की सफलता का मानक : डॉ. माहेश्वरी

- ☐महायोगी गोरक्षनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ समारोह
- ☐चिकित्सा एवं शिक्षा के जरिये लोक कल्याण ही महायोगी गोरक्षनाथ विवि का ध्येय : डॉ. वाजपेयी

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर एवं विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि रोगी का विश्वास जीतना ही किसी भी चिकित्सक की सफलता का मानक होता है। रोगी चिकित्सक को भगवान मानता है। उसकी मन:स्थिति बन्दर के उस बच्चे की तरह होती है जो चिकित्सक के सानिध्य में अपनी मां के अंकपाश की भाँति खुद को सुरक्षित सोचता है। ऐसे में रोगी के इस विश्वास की रक्षा की जिम्मेदारी चिकित्सक की होती है।

डॉ. माहेश्वरी मंगलवार को महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्रीगोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आप सभी विद्यार्थियों पर गुरु गोरक्षनाथ की कृपा है कि आप इस विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने जा रहे हैं। अपने चिकित्सकीय जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए डॉ. माहेश्वरी ने कहा कि चिकित्सक को रोगी के विश्वास को बनाए रखने के लिए अध्ययन और चिकित्सकीय अनुभवों के बल पर उसे भरोसा दिलाना चाहिए कि तुम सुरक्षित हो। तुम्हें कुछ नहीं होगा, सबकुछ ठीक हो जाएगा। इसके लिए अथक परिश्रम करते हुए प्रयासरत रहना होगा।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद लोक कल्याण की भावना लेकर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा और शिक्षा सेवाओं को उपलब्ध करा रहा है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने छात्रों को अनुशासन का मंत्र दिया।

उन्होंने कहा कि कहा कि अनुशासन का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। इससे ही आपकी दिशा और भविष्य का निर्धारण होगा। अपने दायित्वों और कार्यों को भार की तरह न लें। इन्हें आप अपनी पसंद बनाएं इससे कोई भी कार्य भार नहीं लगेगा। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उम्मीद है आप भविष्य में बहुत ही कुशल चिकित्सक बनेंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन से हुआ। आभार ज्ञापन आयुर्वेद कालेज के डॉ. शांतिभूषण और संचालन आशीष और नितेश ने किया। 6 से 9 नवंबर तक प्रतिदिन अलग-अलग सत्रों में एमबीबीएस के नवीन विद्यार्थियों का विविध विषयों पर मार्गदर्शन किया जाएगा। जबकि बीएएमएस के नवीन विद्यार्थियों के लिए यह आयोजन पंद्रह दिन का होगा।

समाचार दर्पण

रोगी का विश्वास ही डॉक्टर की सफलता का मानक : डा. माहेश्वरी

गोरखपुर (एसएनबी)। एमपी बिरला ग्रुप आफ हास्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर एवं विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डा. संजय माहेश्वरी ने कहा कि रोगी का विश्वास जीतना ही किसी भी डाक्टर की सफलता का मानक होता है। रोगी डाक्टर को भगवान मानता है और उसकी मनःस्थिति वानर के उस बच्चे की तरह होती है जो डाक्टर के सानिध्य में अपनी मां के अंकपाश की भांति खुद को सुरक्षित सोचता है। ऐसे में रोगी के इस विश्वास की रक्षा की जिम्मेदारी डाक्टर की होती है।

डा. माहेश्वरी मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के नवप्रवेशित छात्रों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आप सभी छात्रों पर गुरु गोरखनाथ की महिमा है कि आप इस विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने जा रहे हैं। अपने चिकित्सकीय जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए डा. माहेश्वरी ने कहा कि डाक्टर को रोगी के विश्वास को बनाए रखने के लिए अपने अध्ययन और अनुभवों के बल पर उसे भरोसा दिलाना चाहिए कि तुम सुरक्षित हो। तुम्हें कुछ नहीं होगा, सब कुछ ठीक हो जाएगा। इसके लिए अथक परिश्रम करते हुए प्रयासरत रहना होगा। दीक्षारंभ समारोह की अध्यक्षता करते हुए गोरखनाथ विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य लोक कल्याण है। यही इसका ध्येय भी है। हम इसको केंद्र में रखकर ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने छात्रों का आह्वान करते हुए कहा कि पूरी उम्मीद है कि आप सभी भी इस ध्येय को अंगीकार करेंगे।

■ महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित छात्रों का दीक्षारंभ समारोह

विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं एमपी बिरला ग्रुप आफ हास्पिटल्स की सर्जन डा. रेखा माहेश्वरी ने छात्रों को अनुशासन का मंत्र दिया तथा कहा कि अनुशासन का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। इससे ही आपकी दिशा और भविष्य का निर्धारण होगा। अपने दायित्वों और कार्यों को भार की तरह न लें। इन्हें आप अपनी पसंद बनाएं इससे कोई भी कार्य भार नहीं लगेगा। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उम्मीद है आप भविष्य में बहुत ही कुशल डाक्टर बनेंगे। प्रिंसिपल डा. अरविंद कुशवाहा ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र को धारण करने का अर्थ है कर्तव्य के प्रति आजीवन प्रतिबद्ध रहना। चिकित्सा दवा की पर्ची लिखने की कला मात्र नहीं है बल्कि यह समाज को एक सुखद एवं स्वस्थ्य जीवन देने की कला है। आयुर्वेद कालेज के प्रिंसिपल डा. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि हम सभी को एक साथ मिलकर स्वास्थ्य शिक्षा को आगे ले जाने की आवश्यकता है। यही आज के युग की मांग है। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, डा. गोपी कृष्ण, डा. दीपू मनोहर, डा. प्रियंका, डा. प्रिया, डा. साध्वीनन्दन पाण्डेय सहित कई शिक्षक, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नवीन छात्र और अभिभावक मौजूद रहे।

अभिभावकों के साथ किया संवाद : दीक्षारंभ समारोह के उद्घाटन सत्र के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कुलसचिव ने छात्रों के अभिभावकों के साथ संवाद कर उन्हें मेडिकल कालेज की व्यवस्थाओं, परिसर संस्कृति, अनुशासन के सभी पहलुओं से अवगत कराया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। 6 से 9 नवंबर तक प्रतिदिन अलग-अलग सत्रों में एमबीबीएस के नवीन छात्रों का विविध विषयों पर मार्गदर्शन किया जाएगा। जबकि बीएएमएस के नवीन छात्रों के लिए यह आयोजन पंद्रह दिन का होगा।

रोगी का विश्वास ही चिकित्सक की सफलता का मानक : डॉ. माहेश्वरी

नाटकर ब्यूरो

● महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस व बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों का पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह का शुभारंभ

गोरखपुर। एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर एवं विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि रोगी का विश्वास जीतना ही किसी भी चिकित्सक की सफलता का मानक होता है। रोगी चिकित्सक को भगवान मानता है। उसकी मनःस्थिति वानर के उस बच्चे की तरह होती है जो चिकित्सक के सानिध्य में अपनी मां के अंकपाश की भांति खुद को सुरक्षित सोचता है। ऐसे में रोगी के इस विश्वास की रक्षा की जिम्मेदारी चिकित्सक की होती है।

डॉ. माहेश्वरी मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आप सभी विद्यार्थियों पर गुरु गोरखनाथ की महिमा है कि आप इस विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने जा रहे हैं। अपने चिकित्सकीय जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए डॉ. माहेश्वरी ने कहा कि चिकित्सक को रोगी के विश्वास को बनाए रखने के लिए अपने अध्ययन और चिकित्सकीय अनुभवों के बल पर उसे भरोसा दिलाना चाहिए कि तुम सुरक्षित हो। तुम्हें कुछ नहीं होगा, सबकुछ ठीक हो जाएगा। इसके लिए अथक परिश्रम करते हुए प्रयासरत रहना होगा।

दीक्षारंभ समारोह की अध्यक्षता करते हुए गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य लोक कल्याण है। यही इसका ध्येय भी है। हम इसको केंद्र में रखकर ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने छात्रों को अनुशासन का मंत्र दिया उन्होंने कहा कि कहा कि अनुशासन का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। इससे ही आपकी दिशा और भविष्य का निर्धारण होगा। अपने दायित्वों और कार्यों को भार की तरह न लें।

स्वागत संबोधन श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र को धारण करने का अर्थ है कर्तव्य के प्रति आजीवन प्रतिबद्ध रहना। चिकित्सा दवा की पर्ची लिखने की कला मात्र नहीं है बल्कि यह समाज को एक सुखद एवं स्वस्थ्य जीवन देने की कला है। इस अवसर पर गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि हम सभी को एक साथ मिलकर स्वास्थ्य शिक्षा को आगे ले जाने की आवश्यकता है। यही आज के युग की मांग है। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ. प्रिया, डॉ. साध्वीनन्दन पाण्डेय सहित कई शिक्षक, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नवीन विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित रहे।

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

समाचार दर्पण

मरीज का विश्वास ही चिकित्सक की सफलता का मानक

अमर उजाला ब्यूरो

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को डॉ. देवी नायर ने चिकित्सा सेवा के प्रति निष्ठा के लिए चरक शपथ दिलाई। विज्ञप्ति

गोरखपुर। एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संजय महेश्वरी ने कहा कि मरीज का विश्वास जीतना किसी भी चिकित्सक की सफलता का मानक होता है। इसके लिए अथक परिश्रम करते हुए प्रयासरत रहना होगा।

डॉ. माहेश्वरी मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्रीगोरक्षनाथ मेडिकल कॉलिज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को पारंपरिक अध्ययन के महत्व के साथ आधुनिक शोध, अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के आधुनिक चिकित्सा में उपयोगों के बारे में भी विस्तार से बताया। विशिष्ट अतिथि एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने कहा कि अनुशासन से ही दिशा और भविष्य का निर्धारण होगा।।

गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा ने अतिथियों का स्वागत किया। अध्यक्षता गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने की। आभार ज्ञापन आयुर्वेद कालेज के डॉ. शांतिभूषण और संचालन आशीष और नितेश ने किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ. प्रिया, डॉ. साध्वीनंदन पांडेय आदि मौजूद रहे।

रोगी का विश्वास ही चिकित्सक की सफलता का मानकः डॉ. माहेश्वरी

महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस व बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ समारोह

गोरखपुर ,05 नवम्बर (तरूणमित्र)। एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर एवं विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि रोगी का विश्वास जीतना ही किसी भी चिकित्सक की सफलता का मानक होता है। रोगी चिकित्सक को भगवान मानता है। उसकी मनःस्थिति बालक के उस बच्चे की तरह होती है जो चिकित्सक के सानिध्य में अपनी माँ के अंकपाश की भांति खुद को सुरक्षित सोचता है। ऐसे में रोगी के इस विश्वास की रक्षा की जिम्मेदारी चिकित्सक की होती है। डॉ. माहेश्वरी मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आप सभी विद्यार्थियों पर गुरु गोरखनाथ की महिमा है कि आप इस विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने जा रहे हैं। अपने चिकित्सकीय जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए डॉ. माहेश्वरी ने कहा कि चिकित्सक को रोगी के विश्वास को बनाए रखने के लिए अपने अध्ययन और चिकित्सकीय अनुभवों के बल पर उसे भरोसा दिलाना चाहिए कि तुम सुरक्षित हो। तुम्हें कुछ नहीं होगा, सबकुछ ठीक हो जाएगा। इसके लिए अथक परिश्रम करते हुए प्रयासरत रहना होगा। डॉ माहेश्वरी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को पारंपरिक अध्ययन के महत्व के साथ आधुनिक शोध, अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के आधुनिक चिकित्सा में उपयोगों के बारे में भी विस्तार से बताया। दीक्षारंभ समारोह की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य लोक कल्याण है। वही इसका ध्येय भी है। हम इसको केंद्र में रखकर ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि पूरी उम्मीद है कि आप सभी भी इस ध्येय को अंगीकार करेंगे। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद लोक कल्याण की भावना लेकर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा और शिक्षा सेवाओं को उपलब्ध करा रहा है विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने छात्रों को अनुशासन का मंत्र दिया उन्होंने कहा कि कहा कि अनुशासन का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। इससे ही आपकी दिशा और भविष्य का निर्धारण होगा। अपने दायित्वों और कार्यों को भार की तरह न लें। इन्हें आप अपनी पसंद बनाएं इससे कोई भी कार्य भार नहीं लगेगा। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए।

रोगी का विश्वास ही चिकित्सक की सफलता का मानक : डा. माहेश्वरी

- महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ समारोह
- चिकित्सा और शिक्षा के जरिये लोक कल्याण ही महायोगी गोरखनाथ विवि का ध्येय : डॉ. वाजपेयी

रोगी का विश्वास ही चिकित्सक की सफलता का मानकः डॉ. माहेश्वरी

- महायोगी गोरखनाथ विवि मे एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियो का दीक्षारंभ समारोह
- चिकित्सा और शिक्षा के जरिये लोक कल्याण ही महायोगी गोरखनाथ विवि का ध्येय : डॉ. वाजपेयी

पेशा नहीं बल्कि महान सेवा है चिकित्सा : माहेश्वरी

महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस व बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का दूसरा दिन

गोरखपुर,06 नवम्बर (तरूणमित्र)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के दूसरे दिन बुधवार को एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर एवं विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी का व्याख्यान हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चिकित्सा पेशा नहीं बल्कि सेवा है। यह सेवा एक महान धर्म के समान है।डॉ. माहेश्वरी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपका महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से जुड़ना एक असाधारण और ऐतिहासिक घटना है। आप चिकित्सक बनने आएं हैं और आप एक अच्छे चिकित्सक बनेंगे भी लेकिन अपने इस कार्य को हमेशा सेवा धर्म मानिए। उन्होंने कहा कि आपको चिकित्सक बनाने में माता-पिता के साथ आपके गुरुजनों का अहम योगदान होगा इनका सदा सम्मान करें। उन्होंने कहा कि कैडेवर (मृत शरीर), जिससे आप बहुत कुछ सीखेंगे, का आप सदा सम्मान करें। वह गुरु समान है। डॉ. माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को चिकित्सा में एआई, रोबोट आदि की उपयोगिता के बारे में बताते हुए चिकित्सा में शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी, श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. राजेश बहल, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ प्रिया समेत कई शिक्षक, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

बस्ती ,06 नवम्बर (तरूणमित्र)। राजकीय इंटर कॉलेज में जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देशन में जनपद स्तरीय डॉ. संपूर्णानंद एवं महीयसी महादेवी वर्मा वाद-विवाद प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया गया। उक्त जानकारी देते हुए राजकीय इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य डा0 विजय प्रकाश वर्मा ने बताया कि डॉ. संपूर्णानंद वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, द्वितीय बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज तथा तृतीय राजकीय इंटर कॉलेज बस्ती रहा, जबकि महीयसी महादेवी वर्मा वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर राजकीय कन्या इंटर कालेज रहा।

पेशा नहीं बल्कि महान सेवा है चिकित्सा : डॉ. संजय

महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का दूसरा दिन

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के दूसरे दिन बुधवार को एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर एवं विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय महेश्वरी का व्याख्यान हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चिकित्सा पेशा नहीं बल्कि सेवा है। यह सेवा एक महान धर्म के समान है।

डॉ. महेश्वरी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपका महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से जुड़ना एक असाधारण और ऐतिहासिक घटना है। आप चिकित्सक बनने आएं है और आप एक अच्छे चिकित्सक बनेंगे भी लेकिन अपने इस कार्य को हमेशा सेवा धर्म मानिए। उन्होंने कहा कि आपको चिकित्सक बनाने में माता-पिता के साथ आपके गुरुजनों का अहम योगदान होगा इनका सदा सम्मान करें। उन्होंने कहा कि कैडेवर (मृत शरीर), जिससे आप बहुत कुछ सीखेंगे, का आप सदा सम्मान करें। वह गुरु समान है। डॉ. महेश्वरी ने विद्यार्थियों को चिकित्सा में एआइ, रोबोट आदि की उपयोगिता के बारे में बताते हुए चिकित्सा में शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा महेश्वरी, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. राजेश बहल, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. शन्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ प्रिया समेत कई शिक्षक, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय और आभार ज्ञापन डॉ. देवी नायर ने किया।

समाचार दर्पण

पेशा नहीं बल्कि महान सेवा है चिकित्साः डॉ. संजय माहेश्वरी

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

➤ महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का दूसरा दिन

गोरखपुर,। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के दूसरे दिन बुधवार को एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर एवं विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी का व्याख्यान हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चिकित्सा पेशा नहीं बल्कि सेवा है। यह सेवा एक महान धर्म के समान है। डॉ. माहेश्वरी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपका महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से जुड़ना एक असाधारण और ऐतिहासिक घटना है। आप चिकित्सक बनने आएं हैं और आप एक अच्छे चिकित्सक बनेंगे भी लेकिन अपने इस कार्य को हमेशा सेवा धर्म मानिए। उन्होंने कहा कि आपको चिकित्सक बनाने में माता-पिता के साथ आपके गुरुजनों का अहम योगदान होगा इनका सदा सम्मान करें। उन्होंने कहा कि कैडेवर (मृत शरीर), जिससे आप बहुत कुछ सीखेंगे, का आप सदा सम्मान करें। वह गुरु समान है। डॉ. माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को चिकित्सा में एआई, रोबोट आदि की उपयोगिता के बारे में बताते हुए चिकित्सा में शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. राजेश बहल, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ प्रिया समेत कई शिक्षक, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय और आभार ज्ञापन डॉ. देवी नायर ने किया।

पेशा नहीं बल्कि महान सेवा है चिकित्साः डॉ. संजय माहेश्वरी

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

➤ महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का दूसरा दिन

गोरखपुर,। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के दूसरे दिन बुधवार को एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर एवं विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी का व्याख्यान हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चिकित्सा पेशा नहीं बल्कि सेवा है। यह सेवा एक महान धर्म के समान है। डॉ. माहेश्वरी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपका महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से जुड़ना एक असाधारण और ऐतिहासिक घटना है। आप चिकित्सक बनने आएं हैं और आप एक अच्छे चिकित्सक बनेंगे भी लेकिन अपने इस कार्य को हमेशा सेवा धर्म मानिए। उन्होंने कहा कि आपको चिकित्सक बनाने में माता-पिता के साथ आपके गुरुजनों का अहम योगदान होगा इनका सदा सम्मान करें। उन्होंने कहा कि कैडेवर (मृत शरीर), जिससे आप बहुत कुछ सीखेंगे, का आप सदा सम्मान करें। वह गुरु समान है। डॉ. माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को चिकित्सा में एआई, रोबोट आदि की उपयोगिता के बारे में बताते हुए चिकित्सा में शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. राजेश बहल, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ प्रिया समेत कई शिक्षक, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय और आभार ज्ञापन डॉ. देवी नायर ने किया।

पेशा नहीं, महान धर्म के समान सेवा है चिकित्सा

जासं, गोरखपुर : चिकित्सा पेशा नहीं, सेवा है। यह सेवा एक महान धर्म के समान है। यह बातें एमपी बिरला ग्रुप आफ हास्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर डा. संजय माहेश्वरी ने कहीं। वह बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विवि के एमबीबीएस व बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

डा. माहेश्वरी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप चिकित्सक बनने आएं हैं और आप एक अच्छे चिकित्सक बनेंगे भी। लेकिन अपने इस कार्य को हमेशा सेवा धर्म मानिए। आपको चिकित्सक बनाने में माता-पिता के साथ आपके गुरुजनों का अहम योगदान होगा, इनका सदा सम्मान करें। उन्होंने कहा कि कैडेवर (मृत शरीर), जिससे आप बहुत कुछ सीखेंगे, उसका भी सदा सम्मान करें। वह गुरु समान है। डा. माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को चिकित्सा में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोट आदि की उपयोगिता भी बताई। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, एमपी बिरला ग्रुप आफ हास्पिटल्स की सर्जन डा. रेखा माहेश्वरी, श्रीगोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डा. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम उपस्थित थे। विज्ञप्ति।

समाचार दर्पण

पेशा नहीं बल्कि महान सेवा है चिकित्सा :डॉ. संजय माहेश्वरी'

'महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का दूसरा दिन'

संवाददाता

गोरखपुर, 6 नवंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के दूसरे दिन बुधवार को एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर एवं विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी का व्याख्यान हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चिकित्सा पेशा नहीं बल्कि सेवा है। यह सेवा एक महान धर्म के समान है।

डॉ. माहेश्वरी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपका महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से जुड़ना एक असाधारण और ऐतिहासिक घटना है। आप चिकित्सक बनने आएं हैं और आप एक अच्छे चिकित्सक बनेंगे भी लेकिन अपने इस कार्य को हमेशा सेवा धर्म मानिए। उन्होंने कहा कि आपको चिकित्सक बनाने में माता–पिता के साथ आपके गुरुजनों का अहम योगदान होगा इनका सदा सम्मान करें। उन्होंने कहा कि कैडेवर (मृत शरीर), जिससे आप बहुत कुछ सीखेंगे, का आप सदा सम्मान करें। वह गुरु समान है। डॉ. माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को चिकित्सा में एआई, रोबोट आदि की उपयोगिता के बारे में बताते हुए चिकित्सा में शोध को बढावा देने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. राजेश बहल, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ प्रिया समेत कई शिक्षक, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय और आभार ज्ञापन डॉ. देवी नायर ने किया।

पेशा नहीं सेवा है चिकित्सा: डा. संजय

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के नवप्रवेशित छात्रों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के दूसरे दिन बुधवार को एमपी बिरला ग्रुप आफ हास्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर एवं विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डा. संजय माहेश्वरी का व्याख्यान हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चिकित्सा पेशा नहीं बल्कि सेवा है।

■ महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित छात्रों के दीक्षारंभ समारोह का दूसरा दिन

यह सेवा एक महान धर्म के समान है।डा.माहेश्वरी ने नवप्रवेशित छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपका महायोगी गोरखनाथ विवि से जुड़ना एक असाधारण और ऐतिहासिक घटना है। आप चिकित्सक बनने आएं हैं और आप एक अच्छे चिकित्सक बनेंगे भी लेकिन अपने इस कार्य को हमेशा सेवा धर्म मानिए। उन्होंने कहा कि आपको चिकित्सक बनाने में माता-पिता के साथ आपके गुरुजनों का अहम योगदान होगा इनका सदा सम्मान करें। उन्होंने कहा कि कैडेवर (मृत शरीर) जिससे आप बहुत कुछ सीखेंगे, का आप सदा सम्मान करें। वह गुरु समान है। विश्व के जाने-माने कैंसर सर्जन डा. माहेश्वरी ने छात्रों को चिकित्सा में एआई और रोबोट आदि की उपयोगिता के बारे में बताते हुए चिकित्सा में शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, एमपी बिरला ग्रुप आफ हास्पिटल्स की सर्जन डा. रेखा माहेश्वरी, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डा. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के प्रिंसिपल डा. गिरिधर वेदांतम, डा. राजेश बहल, डा. गोपी कृष्ण, डा. शान्तिभूषण, डा. दीपू मनोहर, डा. प्रियंका एवं डा. प्रिया समेत कई शिक्षक, एमबीबीएस और बीएएमएस के सभी नवप्रवेशित छात्र उपस्थित रहे। संचालन आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय और आभार ज्ञापन डा. देवी नायर ने किया।

पेशा नहीं बल्कि महान सेवा है चिकित्सा : डॉ. माहेश्वरी

महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का दूसरा दिन

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के दूसरे दिन बुधवार को एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर एवं विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी का व्याख्यान हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चिकित्सा पेशा नहीं बल्कि सेवा है। यह सेवा एक महान धर्म के समान है। डॉ. माहेश्वरी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपका महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से जुड़ना एक असाधारण और ऐतिहासिक घटना है। आप चिकित्सक बनने आएं हैं और आप एक अच्छे चिकित्सक बनेंगे भी लेकिन अपने इस कार्य को हमेशा सेवा धर्म मानिए। उन्होंने कहा कि आपको चिकित्सक बनाने में माता-पिता के साथ आपके गुरुजनों का अहम योगदान होगा इनका सदा सम्मान करें। उन्होंने कहा कि कैडेवर मृत शरीर जिससे आप बहुत कुछ सीखेंगे, का आप सदा सम्मान करें। वह गुरु समान है। डॉण् माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को चिकित्सा में एआईए रोबोट आदि की उपयोगिता के बारे में बताते हुए चिकित्सा में शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डा. रेखा माहेश्वरी, गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. राजेश बहल, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ प्रिया समेत कई शिक्षक, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय और आभार ज्ञापन डा. देवी नायर ने किया।

पेशा नहीं बल्कि महान सेवा है चिकित्सा : डॉ. संजय माहेश्वरी

व्याख्यान में बोलते एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर व कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी। विज्ञप्ति

अमर उजाला ब्यूरो

महायोगी गोरखनाथ विवि में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का दूसरा दिन

गोरखपुर। चिकित्सा कार्य पेशा नहीं बल्कि महान सेवा है। चिकित्सक बनाने में माता-पिता के साथ गुरुजनों का अहम योगदान होगा। कक्षा शिक्षक के साथ-साथ कैडेवर (मृत शरीर) भी डॉक्टर की पढ़ाई के लिए गुरु समान है।

ये बातें बुधवार को एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहीं। वह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के 15 दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के दूसरे दिन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को चिकित्सा में एआई, रोबोट आदि की उपयोगिता के बारे में बताते हुए शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम व नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन आचार्य साध्वी नंदन पांडेय और आभार ज्ञापन डॉ. देवी नायर ने किया।

समाचार दर्पण

मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है सोशल मीडिया का नशा : डॉ. अपर्णा'

'महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का चौथा दिन'

संवाददाता

गोरखपुर। सोशल मीडिया का नशा मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। यह नशा परिवार और समाज से जोड़ने की बजाय एकांतिक जीवन की ओर ले जा रहा है। इसे हमें स्वनियंत्रण में रखना होगा। हमें अपने स्वास्थ्य समस्याओं के लिए गूगल पर आश्रित न होकर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य की मजबूती के लिए अहंकार को त्यागना जरूरी है। साथ ही तनाव और अवसाद से बचने के लिए चिंता की बजाय चिंतन करना चाहिए। यह बातें दयानंद एंग्लो वैदिक कालेज सिवान (बिहार) की मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अपर्णा पाठक ने कहीं। डॉ. अपर्णा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के चौथे दिन शुक्रवार को 'किशोरावस्था में मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर व्याख्यान दे रहीं थीं। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ–साथ हमें मानसिक स्वास्थ्य की भी आवश्यकता है। तभी हम अपने कार्यों और दायित्वों का निर्वहन कर सकते हैं। उन्होंने समझाया कि चिंतन हमें सकारात्मक बल देता है और चिंता हमें अस्वस्थ करता है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमें योग, श्रम, साकारात्मक सोच, साहस को जीवन में धारण करना चाहिए। डॉ. पाठक ने कहा कि किशोरावस्था में बहुत से हार्मोनल बदलाव के कारण शारीरिक और मानसिक बदलाव होते हैं। कई मानसिक व्याधियां इन बदलावों के कारण होती हैं इसलिए परिवार के बड़े लोगों, शिक्षकों और डॉक्टरों से इन बदलावों को समझना आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. देवी नायर ने किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. किरण रेड्डी, डॉ. राजेश बहल, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ. प्रिया समेत कई शिक्षक, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक है इंटरनेट मीडिया का नशा

तनाव से बचने के लिए चिंता की बजाय चिंतन करना चाहिए

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ समारोह आयोजित
- गूगल पर आश्रित न होकर स्वास्थ्य समस्याओं के लिए विशेषज्ञों से लें परामर्श : पाठक

जासं, गोरखपुर : इंटरनेट मीडिया का नशा मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। यह नशा परिवार और समाज से जोड़ने की बजाय एकांतिक जीवन की ओर ले जा रहा है। इसे हमें स्वनियंत्रण में रखना होगा। ये बातें दयानंद एंग्लो वैदिक कालेज सिवान (बिहार) की मानसिक रोग विशेषज्ञ डा. अपर्णा पाठक ने कहीं। वह शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एमबीबीएस व बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं।

'किशोरावस्था में मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर डा. पाठक ने कहा कि हमें अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए गूगल पर आश्रित न होकर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य की मजबूती के लिए, अहंकार को त्यागना जरूरी है। साथ ही तनाव और अवसाद से बचने के लिए चिंता की बजाय चिंतन करना चाहिए। शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ हमें मानसिक स्वास्थ्य की भी आवश्यकता है। तभी हम अपने कार्यों और दायित्वों का निर्वहन कर सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमें योग, श्रम, सकारात्मक सोच, साहस को जीवन में धारण करना चाहिए।

किशोरावस्था में बहुत से हार्मोनल बदलाव के कारण शारीरिक और मानसिक बदलाव होते हैं। कई मानसिक व्याधियां इन बदलावों के कारण होती हैं। इसलिए परिवार के बड़े लोगों, शिक्षकों और डाक्टरों से इन बदलावों को समझना आवश्यक है।

संचालन आचार्य साध्वीनंदन पांडेय व आभार ज्ञापन डा. देवी नायर ने किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, डा. किरण रेड्डी, डा. राजेश बहल, श्रीगोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डा. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, डा. गोपी कृष्ण, डा. शांतिभूषण, डा. दीपू मनोहर, डा. प्रियंका, डा. प्रिया उपस्थित थीं।– विज्ञप्ति।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय मे विद्यार्थियों को संबोधित करती डा. अपर्णा

मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है सोशल मीडिया का नशा

दीक्षारंभ समारोह

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। [illegible]

मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अपर्णा।

- एमबीबीएस-बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ का चौथा दिन

[illegible]

गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस व बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का चौथा दिन

मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है सोशल मीडिया का नशा : डॉ. अपर्णा

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। सोशल मीडिया का नशा मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। यह नशा परिवार और समाज से जोड़ने की बजाय एकांतिक जीवन की ओर ले जा रहा है। इसे हमें स्वनियंत्रण में रखना होगा। हमें अपने स्वास्थ्य समस्याओं के लिए गूगल पर आश्रित न होकर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य की मजबूती के लिए अहंकार को त्यागना जरूरी है। साथ ही तनाव और अवसाद से बचने के लिए चिंता की बजाय चिंतन करना चाहिए।

यह बातें दयानंद एंग्लो वैदिक कालेज सिवान (बिहार) की मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अपर्णा पाठक ने कहीं। डॉ. अपर्णा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के चौथे दिन शुक्रवार को 'किशोरावस्था में मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर व्याख्यान दे रहीं थीं। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ हमें मानसिक स्वास्थ्य की भी आवश्यकता है। तभी हम अपने कार्यों और दायित्वों का निर्वहन कर सकते हैं। उन्होंने समझाया कि चिंतन हमें सकारात्मक बल देता है और चिंता हमें अस्वस्थ करता है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमें योग, श्रम, साकारात्मक सोच, साहस को जीवन में धारण करना चाहिए।

डॉ. पाठक ने कहा कि किशोरावस्था मे बहुत से हार्मोनल बदलाव के कारण शारीरिक और मानसिक बदलाव होते हैं। कई मानसिक व्याधियां इन बदलावों के कारण होती है इसलिए परिवार के बड़े लोगों, शिक्षकों और डॉक्टरों से इन बदलावों को समझना आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. देवी नायर ने किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. किरण रेड्डी, डॉ. राजेश बहल, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. प्रियंका, डॉ. प्रिया समेत कई शिक्षक, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है सोशल मीडिया का नशा'

महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ समारोह

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। सोशल मीडिया का नशा मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। यह नशा परिवार और समाज से जोड़ने की बजाय एकांतिक जीवन की ओर ले जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य की मजबूती के लिए अहंकार को त्यागना जरूरी है। साथ ही तनाव और अवसाद से बचने के लिए चिंता की बजाय चिंतन करना चाहिए।

ये बातें दयानंद एंग्लो वैदिक कॉलेज सिवान (बिहार) की मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अपर्णा पाठक ने कहीं। डॉ. अपर्णा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के चौथे दिन शुक्रवार को 'किशोरावस्था में मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर व्याख्यान दे रहीं थीं।

उन्होंने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ हमें मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना चाहिए, तभी हम अपने कार्यों और दायित्वों का निर्वहन कर सकते हैं। उन्होंने समझाया कि चिंतन हमें सकारात्मक बल देता है और चिंता हमें अस्वस्थ करता है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमें योग, श्रम, सकारात्मक सोच, साहस को जीवन में धारण करना चाहिए। डॉ. पाठक ने कहा कि किशोरावस्था में बहुत से हार्मोनल बदलाव के कारण शारीरिक और मानसिक बदलाव होते हैं। कई मानसिक व्याधियां इन बदलावों के कारण होती हैं।

संचालन आचार्य साध्वी नंदन पांडेय ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. देवी नायर ने किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. किरण रेड्डी, डॉ. राजेश बहल, श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम आदि उपस्थित रहे।संवाद

'किशोरावस्था में मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर व्याख्यान देतीं मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अपर्णा पाठक। स्रोत-गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

समाचार दर्पण

प्रतिस्पर्धी दौर में लक्ष्य निर्धारित करें छात्र

गोरखनाथ विवि

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में चल रहे दीक्षारंभ समारोह के सोमवार को संबोधित करते डॉक्टर राजेंद्र। ● हिन्दुस्तान

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। बदलते और प्रतिस्पर्धी दौर में आवश्यक है कि विद्यार्थी स्मार्ट लक्ष्य निर्धारित करें। करियर से जुड़ा लक्ष्य स्पष्ट, सटीक और यथार्थवादी होने के साथ मापन योग्य भी होना चाहिए। लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रतिदिन का एक अध्ययन कार्यक्रम तैयार कर नियमित मूल्यांकन भी बहुत जरूरी है।

यह कहना है बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में काय-चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. राजेंद्र प्रसाद का। वह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के छठवें दिन विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीएएमएस के विद्यार्थियों को सबसे पहले अपना उद्देश्य तय करना चाहिए। यह जानना आवश्यक है कि वे आयुर्वेद के किस क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करना चाहते हैं, जैसे कि रोग निदान या अनुसंधान। उन्होंने कहा कि छात्र आयुर्वेद और अपने विषय से जुड़े मोटिवेशनल वीडियो, किताबें, और सफल चिकित्सकों की जीवनी को पढ़ें।

शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक है इसलिए योग, ध्यान और नियमित व्यायाम को अपने दिनचर्या में शामिल करें। संचालन आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय तथा आभार ज्ञापन डॉ. गोपी कृष्ण ने कहा किया। इस अवसर पर कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. शांतिभूषण, डॉ. मिनी आदि विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में स्मार्ट लक्ष्य निर्धारित करें छात्र : डॉ. राजेंद्र

गोरखपुर (एसएनबी)। बदलते और प्रतिस्पर्धी दौर में आवश्यक है कि छात्र स्मार्ट लक्ष्य निर्धारित करें। करियर से जुड़ा लक्ष्य स्पष्ट, सटीक और यथार्थवादी होने के साथ मापन योग्य भी होना चाहिए। लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रतिदिन का एक अध्ययन कार्यक्रम तैयार कर अपना नियमित मूल्यांकन भी बहुत जरूरी है ताकि अपनी कमियों को मजबूती में बदला जा सके।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आयोजित कार्यक्रम मे संबोधित करते प्रो राजेन्द्र प्रसाद।

उक्त बातें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में काय चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कही। डॉ. राजेंद्र महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित छात्रों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के छठवें दिन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीएएमएस के छात्रों को सबसे पहले अपना स्पष्ट उद्देश्य तय करना चाहिए। यह जानना आवश्यक है कि वे आयुर्वेद के किस क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करना चाहते हैं, जैसे कि रोग निदान या अनुसंधान। उन्होंने कहा कि छात्र आयुर्वेद और अपने विषय से जुड़े मोटिवेशनल वीडियो, किताबें, और सफल चिकित्सकों की जीवनी को पढ़ें। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक है इसलिए योग, ध्यान और नियमित व्यायाम को अपने दिनचर्या में शामिल करें। डॉ. राजेंद्र ने कहा कि बीएएमएस छात्रों के लिए रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। कार्यक्रम का संचालन आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. गोपीकृष्ण ने कहा किया।

■ महायोगी गोरखनाथ विवि में बीएएमएस के नवप्रवेशित छात्रों के दीक्षारंभ समारोह का छठवां दिन

वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में स्मार्ट लक्ष्य निर्धारित करें विद्यार्थी : डॉ. राजेंद्र

गोरखपुर। प्रतिस्पर्धी दौर में आवश्यक है कि विद्यार्थी स्मार्ट लक्ष्य निर्धारित करें। कॅरियर से जुड़ा लक्ष्य स्पष्ट, सटीक और यथार्थवादी होने के साथ मापन योग्य भी होना चाहिए।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रतिदिन का कार्यक्रम तैयार कर अपना नियमित मूल्यांकन भी बहुत जरूरी है ताकि अपनी कमियों को मजबूती में बदला जा सके। ये बातें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहीं। वे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के छठवें दिन विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीएएमएस के विद्यार्थियों को यह जानना आवश्यक है कि वे आयुर्वेद के किस क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करना चाहते हैं, जैसे कि रोग निदान या अनुसंधान। ब्यूरो

सटीक व यथार्थवादी होना चाहिए लक्ष्य

दीक्षारंभ समारोह को संबोधित करते डा. राजेंद्र प्रसाद ● सौ. विश्वविद्यालय

गोरखपुर : प्रतिस्पर्धी दौर में आवश्यक है कि विद्यार्थी स्मार्ट लक्ष्य निर्धारित करें। करियर से जुड़ा लक्ष्य स्पष्ट, सटीक और यथार्थवादी होने के साथ मापन योग्य भी होना चाहिए। यह बातें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में काय चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डा. राजेंद्र प्रसाद ने कही। वह सोमवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एमबीबीएस व बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

डा. प्रसाद ने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रतिदिन का एक अध्ययन कार्यक्रम तैयार करना व अपना नियमित मूल्यांकन बहुत जरूरी है, ताकि अपनी कमियों को मजबूती में बदला जा सके। विद्यार्थियों को सबसे पहले अपना स्पष्ट उद्देश्य तय करना चाहिए। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी लक्ष्य प्राप्त करने में सहायक है।

संचालन आचार्य साध्वीनंदन पांडेय व आभार ज्ञापन डा. गोपी कृष्ण ने किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, डा. शांतिभूषण, डा. मिनी उपस्थित रहीं। विज्ञप्ति ।

समाचार दर्पण

सीएम के प्रयासों से नियंत्रण में है इंसेफेलाइटिस : डॉ. वाजपेयी

महायोगी विवि

कुलपति डॉ. अतुल वाजपेयी।

- बीएएमएस के नवप्रवेशित छात्रों के दीक्षारंभ समारोह का सातवां दिन
- इंसेफेलाइटिस की यात्रा विषय पर विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने दिया व्याख्यान

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह चल रहा है। मंगलवार को इसका सातवां दिन है। एक विशिष्ट सत्र में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन और इंसेफेलाइटिस की यात्रा विषय पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने व्याख्यान दिया।

कुलपति ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश का यह क्षेत्र दशकों तक इंसेफेलाइटिस की चपेट में रहा लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से किए गए गंभीर प्रयासों से इंसेफेलाइटिस अब नियंत्रण में है। कुछ वर्ष पहले तक बच्चों में इंसेफेलाइटिस के कारण बड़े पैमाने पर मौतें होती थीं। यह रोग बच्चों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को प्रभावित करता है।

इस रोग के फैलने के पीछे गंदगी, स्वच्छता की कमी, मच्छरों का प्रकोप और जलवायु संबंधी कारण माने जाते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, अस्पतालों में जरूरी उपकरणों की व्यवस्था, स्वच्छता अभियान और जागरूकता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाकर इंसेफेलाइटिस को नियंत्रण में ला दिया है।

औषधीय पौधों की पहचान आवश्यक: विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल दूबे ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पौधों पर आधारित है। आहार को स्वयं औषधि कहा गया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को औषधीय पौधों का पहचान करने आना चाहिए। औषधि विज्ञान के बारे में ऋषि मुनियों को हजारों वर्ष पहले से पता था। आज तीन हजार औषधीय पौधों में से केवल 900 पौधों का ही पैदावार हो रहा है।

लैंगिक संवेदनशीलता जरूरी: लैंगिक संवेदनशीलता और बाल उत्पीड़न विषय पर चर्चा करते हुए समाधान अभियान की निदेशक डॉ. शीलम वाजपेयी ने कहा कि यह समझना महत्वपूर्ण है कि हर व्यक्ति चाहे वह स्त्री हो, पुरुष हो, या अन्य लिंग का, समान गरिमा और सम्मान का अधिकारी है।

लैंगिक संवेदनशीलता के तहत शिक्षा, कार्यक्षेत्र, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में लिंग के आधार पर होने वाले भेदभाव को कम करना शामिल है। उन्होंने कहा कि आज भी बाल उत्पीड़न एक गंभीर समस्या है। जिसमें बच्चों के साथ शारीरिक, मानसिक या भावनात्मक रूप से दुर्व्यवहार किया जाता है। यह उत्पीड़न परिवार, स्कूल या किसी अन्य स्थान पर हो सकता है और इसके कारण बच्चे के मानसिक और शारीरिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बाल उत्पीड़न रोकने के लिए जरूरी उपायों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन श्रेया सिंह व आभार ज्ञापन डॉ. गोपीकृष्ण ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर समेत कई शिक्षक और बीएएमएस के छात्र मौजूद रहे।

इंसेफेलाइटिस व अन्य बीमारियों पर शोध करें छात्र

महायोगी गोरखनाथ विवि में दीक्षारंभ समारोह में कुलपति ने किया आह्वान

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के 15 दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के सातवें दिन मंगलवार को 'बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन और इंसेफेलाइटिस की यात्रा' विषय पर चर्चा की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने इंसेफेलाइटिस की चर्चा करते हुए मेडिकल छात्रों से इस पर शोध कार्य करने का आग्रह किया।

कुलपति ने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक बच्चों में इंसेफेलाइटिस के कारण बड़े पैमाने पर मौतें होती थीं। यह रोग, मुख्यतः बच्चों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को प्रभावित करता था, जिससे मस्तिष्क में सृजन आ जाता था। इस रोग के फैलने के पीछे गंदगी, स्वच्छता की कमी, मच्छरों का प्रकोप और जलवायु संबंधी कारण माने जाते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, अस्पतालों में जरूरी उपकरणों की व्यवस्था, स्वच्छता अभियान और जागरूकता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाकर इंसेफेलाइटिस को नियंत्रण में ला दिया है।

सीएम के प्रयासों से इंसेफेलाइटिस नियंत्रण में

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि के तहत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के नवप्रवेशित छात्रों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के सातवें दिन एक विशिष्ट सत्र में 'बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन और इंसेफेलाइटिस की यात्रा' विषय पर व्याख्यान देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश का यह क्षेत्र दशकों तक इंसेफेलाइटिस की चपेट में रहा लेकिन वर्तमान योगी आदित्यनाथ की तरफ से किए गए गंभीर प्रयासों से इंसेफेलाइटिस अब नियंत्रण में है।

डॉ. वाजपेयी ने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक बच्चों में इंसेफेलाइटिस के कारण बड़े पैमाने पर मौतें होती थीं। यह रोग, मुख्यतः बच्चों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को प्रभावित करता है और इसमें मस्तिष्क में सृजन आ जाता है। इस रोग के फैलने के पीछे गंदगी, स्वच्छता की कमी, मच्छरों का प्रकोप और जलवायु संबंधी कारण माने जाते हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, अस्पतालों में जरूरी उपकरणों की व्यवस्था, स्वच्छता अभियान और जागरूकता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाकर इंसेफेलाइटिस को नियंत्रण में ला दिया है।

औषधीय पौधों की पहचान आवश्यक: विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल दूबे ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पौधों पर आधारित है। आहार को स्वयं औषधि कहा गया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को औषधीय पौधों का पहचान करने आना चाहिए। औषधि विज्ञान के बारे में ऋषि मुनियों को हजारों वर्ष पहले से पता था। आज तीन हजार औषधीय पौधों में से केवल 900 पौधों का ही पैदावार हो रहा है।

लैंगिक संवेदनशीलता जरूरी: लैंगिक संवेदनशीलता और बाल उत्पीड़न विषय पर चर्चा करते हुए समाधान अभियान की निदेशक डॉ. शीलम वाजपेयी ने कहा कि यह समझना महत्वपूर्ण है कि हर व्यक्ति चाहे वह स्त्री हो, पुरुष हो, या अन्य लिंग का, समान गरिमा और सम्मान का अधिकारी है।

लैंगिक संवेदनशीलता के तहत शिक्षा, कार्यक्षेत्र, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में लिंग के आधार पर होने वाले भेदभाव को कम करना शामिल है। उन्होंने कहा कि आज भी बाल उत्पीड़न एक गंभीर समस्या है। जिसमें बच्चों के साथ शारीरिक, मानसिक या भावनात्मक रूप से दुर्व्यवहार किया जाता है। यह उत्पीड़न परिवार, स्कूल या किसी अन्य स्थान पर हो सकता है और इसके कारण बच्चे के मानसिक और शारीरिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बाल उत्पीड़न रोकने के लिए जरूरी उपायों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन श्रेया सिंह व आभार ज्ञापन डॉ. गोपीकृष्ण ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डा. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर समेत कई शिक्षक और बीएएमएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

> **महायोगी गोरखनाथ विवि में बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का सातवां दिन**

'सीएम योगी के प्रयासों से इंसेफेलाइटिस नियंत्रण में : डॉ. वाजपेयी

'महायोगी गोरखनाथ विवि में बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का सातवां दिन'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के सातवें दिन मंगलवार को एक विशिष्ट सत्र में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन और इंसेफेलाइटिस की यात्रा विषय पर व्याख्यान देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश का यह क्षेत्र दशकों तक इंसेफेलाइटिस की चपेट में रहा लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से किए गए गंभीर प्रयासों से इंसेफेलाइटिस अब नियंत्रण में है।

डॉ. वाजपेयी ने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक बच्चों में इंसेफेलाइटिस के कारण बड़े पैमाने पर मौतें होती थीं। यह रोग, मुख्यतः बच्चों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को प्रभावित करता है और इसमें मस्तिष्क में सृजन आ जाता है। इस रोग के फैलने के पीछे गंदगी, स्वच्छता की कमी, मच्छरों का प्रकोप और जलवायु संबंधी कारण माने जाते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, अस्पतालों में जरूरी उपकरणों की व्यवस्था, स्वच्छता अभियान और जागरूकता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाकर इंसेफेलाइटिस को नियंत्रण में ला दिया है। कुलपति ने बीएएमएस के विद्यार्थियों को इंसेफेलाइटिस और ऐसे अन्य रोगों पर शोध के लिए प्रेरित किया।

सातवें दिन के प्रथम सत्र में व्याख्यान देते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल दूबे ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पौधों पर आधारित है। आहार को स्वयं औषधि कहा गया है। डॉ. दूबे ने कहा कि सूक्ष्म से लेकर स्थूल तक पूरा वैश्विक जगत आहार पर आधारित है। आज उन्नत कृषि विज्ञान के कारण भारत अतिरिक्त पैदावार कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीएएमएस विद्यार्थियों को औषधीय पौधों का पहचान करने आना चाहिए। आहार को स्वयं औषधि कहा गया है। डॉ. दूबे ने कहा कि सूक्ष्म से लेकर स्थूल तक पूरा वैश्विक जगत आहार पर आधारित है। आज उन्नत कृषि विज्ञान के कारण भारत अतिरिक्त पैदावार कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीएएमएस विद्यार्थियों को औषधीय पौधों का पहचान करने आना चाहिए। औषधि विज्ञान के बारे में ऋषि मुनियों को हजारों वर्ष पहले से पता था। आज तीन हजार औषधीय पौधों में से केवल नौ सौ पौधों का ही पैदावार हो रहा है। ऐसे में बीएएमएस विद्यार्थियों के लिए हर्बल इंडस्ट्री में बहुत अधिक अवसर है।

दूसरे सत्र में लैंगिक संवेदनशीलता और बाल उत्पीड़न विषय पर चर्चा करते हुए समाधान अभियान की निदेशक डॉ. शीलम वाजपेयी ने कहा कि यह समझना महत्वपूर्ण है कि हर व्यक्ति चाहे वह स्त्री हो, पुरुष हो, या अन्य लिंग का, समान गरिमा और सम्मान का अधिकारी है। लैंगिक संवेदनशीलता के तहत शिक्षा, कार्यक्षेत्र, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में लिंग के आधार पर होने वाले भेदभाव को कम करना शामिल है। उन्होंने कहा कि आज भी बाल उत्पीड़न एक गंभीर समस्या है, जिसमें बच्चों के साथ शारीरिक, मानसिक या भावनात्मक रूप से दुर्व्यवहार किया जाता है। यह उत्पीड़न परिवार, स्कूल या किसी अन्य स्थान पर हो सकता है और इसके कारण बच्चे के मानसिक और शारीरिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बाल उत्पीड़न रोकने के लिए जरूरी उपायों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन श्रेया सिंह व आभार ज्ञापन डॉ. गोपीकृष्ण ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डा. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर समेत कई शिक्षक और बीएएमएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सीएम योगी के प्रयासों से इंसेफेलाइटिस नियंत्रण में : डॉ. वाजपेयी

महायोगी गोरखनाथ विवि में बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का सातवां दिन

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के सातवें दिन मंगलवार को एक विशिष्ट सत्र में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन और इंसेफेलाइटिस की यात्रा विषय पर व्याख्यान देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश का यह क्षेत्र दशकों तक इंसेफेलाइटिस की चपेट में रहा लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से किए गए गंभीर प्रयासों से इंसेफेलाइटिस अब नियंत्रण में है।

डॉ. वाजपेयी ने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक बच्चों में इंसेफेलाइटिस के कारण बड़े पैमाने पर मौतें होती थीं। यह रोग, मुख्यतः बच्चों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को प्रभावित करता है और इसमें मस्तिष्क में सृजन आ जाता है। इस रोग के फैलने के पीछे गंदगी, स्वच्छता की कमी, मच्छरों का प्रकोप और जलवायु संबंधी कारण माने जाते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, अस्पतालों में जरूरी उपकरणों की व्यवस्था, स्वच्छता अभियान और जागरूकता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाकर इंसेफेलाइटिस को नियंत्रण में ला दिया है। कुलपति ने बीएएमएस के विद्यार्थियों इंसेफेलाइटिस और ऐसे अन्य रोगों पर शोध के लिए प्रेरित किया।

सातवें दिन के प्रथम सत्र में व्याख्यान देते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल दूबे ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पौधों पर आधारित है। आहार को स्वयं औषधि कहा गया है। डॉ. दूबे ने कहा कि सूक्ष्म से लेकर स्थूल तक पूरा वैश्विक जगत आहार पर आधारित है। आज उन्नत कृषि विज्ञान के कारण भारत अतिरिक्त पैदावार कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीएएमएस विद्यार्थियों को औषधीय पौधों का पहचान करने आना चाहिए। औषधि विज्ञान के बारे में ऋषि मुनियों को हजारों वर्ष पहले से पता था। आज तीन हजार औषधीय पौधों में से केवल नौ सौ पौधों का ही पैदावार हो रहा है। ऐसे में बीएएमएस विद्यार्थियों के लिए हर्बल इंडस्ट्री में बहुत अधिक अवसर है।

दूसरे सत्र में लैंगिक संवेदनशीलता और बाल उत्पीड़न विषय पर चर्चा करते हुए समाधान अभियान की निदेशक डॉ. शीलम वाजपेयी ने कहा कि यह समझना महत्वपूर्ण है कि हर व्यक्ति चाहे वह स्त्री हो, पुरुष हो, या अन्य लिंग का, समान गरिमा और सम्मान का अधिकारी है। लैंगिक संवेदनशीलता के तहत शिक्षा, कार्यक्षेत्र, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में लिंग के आधार पर होने वाले भेदभाव को कम करना शामिल है। उन्होंने कहा कि आज भी बाल उत्पीड़न एक गंभीर समस्या है, जिसमें बच्चों के साथ शारीरिक, मानसिक या भावनात्मक रूप से दुर्व्यवहार किया जाता है। यह उत्पीड़न परिवार, स्कूल या किसी अन्य स्थान पर हो सकता है और इसके कारण बच्चे के मानसिक और शारीरिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बाल उत्पीड़न रोकने के लिए जरूरी उपायों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन श्रेया सिंह व आभार ज्ञापन डॉ. गोपीकृष्ण ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डा. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर समेत कई शिक्षक और बीएएमएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

प्रौद्योगिकी से सेवन योग्य बनती हैं दवाएं

दीक्षारंभ समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते डा. शशिकांत सिंह। सौ. विश्वविद्यालय

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ समारोह आयोजित है। बुधवार को 'आयुर्वेद में उन्नत दवा प्रौद्योगिकी : एक सरल अवलोकन' विषय पर विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डा. शशिकांत सिंह ने व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक दवा प्रौद्योगिकी के माध्यम से हम दवाओं को बच्चों और वृद्धों के लिए ग्रहण करने योग्य बना सकते हैं। इसके लिए विभिन्न तकनीकी का प्रयोग किया जाता है।

डा. शशिकांत ने कहा कि आज नैनो फार्मूलेशन में हल्दी जैसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के छोटे आकार (करक्यूमिन) के स्वरूप को विकसित किया गया है। नैनो फार्मूलेशन शरीर को दवाओं को बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद करते हैं और उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं। आधुनिक उपकरणों के द्वारा हम सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक आयुर्वेदिक दवा में सक्रिय तत्वों की सही मात्रा हो, जिससे वे अधिक विश्वसनीय बन जाएं।

दूसरे सत्र में 'पादप आधारित बायोफार्मास्युटिकल: हर्बल दवाओं की अगली पीढ़ी' विषय पर स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डा. सुनील कुमार सिंह ने व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि पादप विज्ञान और इंजीनियरिंग के द्वारा हम पौधों से एंटीबाडी, हार्मोन, एंजाइम प्राप्त करते हैं। ये विभिन्न रोगों के उपचारों में प्रयोग किए जाते हैं। बीएएमएस छात्रों के शोध कार्यों के लिए अपार संभावनाएं हैं। सुश्रुत आदि संहिताओं में बताई गई औषधियों पर शोध कर आधुनिक तकनीकों से प्रमाणित करना होगा। संचालन प्रांजल व आभार ज्ञापन डा. गोपीकृष्ण ने किया। कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, डा. साध्वी नंदन पांडेय, डा. शांतिभूषण, डा. दीपू मनोहर, डा. देवी, डा. विनम्र शर्मा, डा. प्रिया उपस्थित रहीं। (विज्ञप्ति)

प्रौद्योगिकी से सेवन योग्य बनती हैं दवाएं

गोरखनाथ विवि

गोरखनाथ विवि में दीक्षारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते डॉक्टर शशिकांत।

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह बुधवार को जारी रहा। बुधवार को इसका आठवां दिन रहा।

बुधवार को आयुर्वेद में उन्नत दवा प्रौद्योगिकी : एक सरल अवलोकन विषय पर व्याख्यान देते हुए विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह ने कहा कि आधुनिक दवा प्रौद्योगिकी से हम दवा को बच्चों और वृद्धों के लिए ग्रहण करने योग्य बना सकते हैं। इसके लिए विभिन्न तकनीकी का प्रयोग किया जाता है।

डॉ. शशिकांत ने कहा कि आज नैनो फार्मूलेशन में हल्दी जैसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के छोटे आकार के (करक्यूमिन) स्वरूप को विकसित किया गया है। नैनो फार्मूलेशन शरीर को दवाओं को बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद करते हैं और उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि पादप विज्ञान और इंजीनियरिंग के द्वारा हम पौधों से एंटीबॉडी, हार्मोन, एंजाइम आदि प्राप्त करते हैं। ये विभिन्न रोगों के उपचारों में प्रयोग लाए जाते हैं। संचालन प्रांजल व आभार ज्ञापन डॉ. गोपीकृष्ण ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. देवी, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. प्रिया आदि बीएएमएस के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रौद्योगिकी से बच्चों और बुजुर्गों के सेवन योग्य बनती हैं दवाएं : डॉ. शशिकांत

महायोगी गोरखनाथ विवि में बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का आठवां दिन

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद कॉलेज के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के आठवें दिन आज ह्नआयुर्वेद में उन्नत दवा प्रौद्योगिकी एक सरल अवलोकन्ह विषय पर व्याख्यान देते हुए विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह ने कहा कि आधुनिक दवा प्रोद्योगिकी के माध्यम से हम दवा को बच्चों और वृद्धों के लिए ग्रहण करने योग्य बना सकते हैं। इसके लिए विभिन्न तकनीकी का प्रयोग किया जाता है।

उन्होंने कहा कि आज नैनो फॉमूर्लेशन में हल्दी जैसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के छोटे आकार के (करक्युमिन) स्वरूप को विकसित किया गया है। नैनो फॉमूर्लेशन शरीर को दवाओं को बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद करते हैं और उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं। डॉ शशिकांत ने बताया कि आधुनिक उपकरणों के द्वारा हम सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक आयुर्वेदिक दवा में सक्रिय तत्वों की सही मात्रा हो, जिससे वे अधिक विश्वसनीय बन जाए।

उन बॉयोटेक विधियों की विस्तार से जानकारी दी जिससे आयुर्वेदिक औषधियां हितकारी और चिकित्सीय प्रयोग हेतु बनती हैं। दूसरे सत्र में पादप आधारित बायोफार्मास्युटिकल: हर्बल दवाओं की अगली पीढीह्न विषय पर व्याख्यान देते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि पादप विज्ञान और इंजीनियरिंग के द्वारा हम पौधों से एंटीबॉडी, हार्मोन, एंजाइम आदि प्राप्त करते हैं। ये विभिन्न रोगों के उपचारों में प्रयोग लाए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि बीएएमएस छात्रों के शोध कार्यों के लिए अपार संभावनाएं हैं। सुश्रुत आदि संहिताओं में बताए औषधियों पर शोध कर आधुनिक तकनिकों से प्रमाणिक और वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रांजल व आभार ज्ञापन डॉ. गोपीकृष्ण ने किया।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. देवी, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. प्रिया समेत कई शिक्षक और बीएएमएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रौद्योगिकी से बच्चों और बुजुर्गों के सेवन योग्य बनती हैं दवाएं

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के नवप्रवेशित छात्रों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के आठवें दिन बुधवार को 'आयुर्वेद में उन्नत दवा प्रौद्योगिकी एक सरल अवलोकन' विषय पर व्याख्यान देते हुए विवविद्यालय के फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डा. शशिकांत सिंह ने कहा कि आधुनिक दवा प्रोद्योगिकी के माध्यम से हम दवा को बच्चों और वृद्धों के लिए ग्रहण करने योग्य बना सकते हैं। इसके लिए विभिन्न तकनीकी का प्रयोग किया जाता है।

महायोगी गोरखनाथ विवि में बीएएमएस के नवप्रवेशित छात्रों के दीक्षारंभ समारोह का आठवां दिन

डा. सिंह ने कहा कि आज नैनो फर्मूलेशन में हल्दी जैसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के छोटे आकार के स्वस्प को विकसित किया गया है। नैनो फर्मूलेशन शरीर को दवाओं को बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद करते हैं और उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं। उन्होंने बताया कि आधुनिक उपकरणों के द्वारा हम सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक आयुर्वेदिक दवा में सक्रिय तत्वों की सही मात्रा हो, जिससे वे अधिक विश्वसनीय बन जाए। डा. सिंह ने उन बायोटेक विधियों की विस्तार से जानकारी दी जिससे आयुर्वेदिक औषधियां हितकारी और चिकित्सीय प्रयोग हेतु बनती हैं।

दूसरे सत्र में 'पादप आधारित बायोफार्मास्युटिकल हर्बल दवाओं की अगली पीढ़ी' विषय पर व्याख्यान देते हुए महायोगी गोरखनाथ विवविद्यालय में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डा. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि पादप विज्ञान और इंजीनियरिंग के द्वारा हम पौधों से एंटीबडी, हार्मोन, एंजाइम आदि प्राप्त करते हैं। ये विभिन्न रोगों के उपचारों में प्रयोग लाए जाते हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रांजल व आभार ज्ञापन डा. गोपीकृष्ण ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, डा. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डा. शन्तिभूषण, डा. दीपू मनोहर, डा. देवी, डा. विनम्र शर्मा एवं डा. प्रिया समेत कई शिक्षक और बीएएमएस के छात्र उपस्थित रहे।

प्रौद्योगिकी से बच्चों और बुजुर्गों के सेवन योग्य बनती हैं दवाएं-डॉ. शशिकांत

गोरखपुर, 13 नवंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के आठवें दिन बुधवार को 'आयुर्वेद में उन्नत दवा प्रौद्योगिकी एक सरल अवलोकन' विषय पर व्याख्यान देते हुए विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह ने कहा कि आधुनिक दवा प्रोद्योगिकी के माध्यम से हम दवा को बच्चों और वृद्धों के लिए ग्रहण करने योग्य बना सकते हैं। इसके लिए विभिन्न तकनीकी का प्रयोग किया जाता है। डॉ. शशिकांत ने कहा कि आज नैनो फ़ॉर्मूलेशन में हल्दी जैसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के छोटे आकार के (करक्यूमिन) स्वरूप को विकसित किया गया है। नैनो फ़ॉर्मूलेशन शरीर को दवाओं को बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद करते हैं और उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं। उन्होंने बताया कि आधुनिक उपकरणों के द्वारा हम सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक आयुर्वेदिक दवा में सक्रिय तत्वों की सही मात्रा हो, जिससे वे अधिक विश्वसनीय बन जाए। डॉ सिंह ने उन बॉयोटेक विधियों की विस्तार से जानकारी दी जिससे आयुर्वेदिक औषधियां हितकारी और चिकित्सीय प्रयोग हेतु बनती हैं दूसरे सत्र में 'पादप आधारित बायोफार्मास्युटिकल- हर्बल दवाओं की अगली पीढ़ी' विषय पर व्याख्यान देते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि पादप विज्ञान और इंजीनियरिंग के द्वारा हम पौधों से एंटीबॉडी, हार्मोन, एंजाइम आदि प्राप्त करते हैं। ये विभिन्न रोगों के उपचारों में प्रयोग लाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि बीएएमएस छात्रों के शोध कार्यों के लिए अपार संभावनाएं हैं। सुश्रुत आदि संहिताओं में बताए औषधियों पर शोध कर आधुनिक तकनिकों से प्रमाणिक और वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रांजल व आभार ज्ञापन डॉ. गोपीकृष्ण ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. देवी, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. प्रिया समेत कई शिक्षक और बीएएमएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय को पहुंचाएंगे नई ऊंचाइयों पर : डॉ. सुरिंदर

- नवागत कुलपति का स्वागत, कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति का हुआ विदाई समारोह
- बेहद ऊजार्वान है इस विश्वविद्यालय की पूरी टीम : डॉ. अतुल वाजपेयी

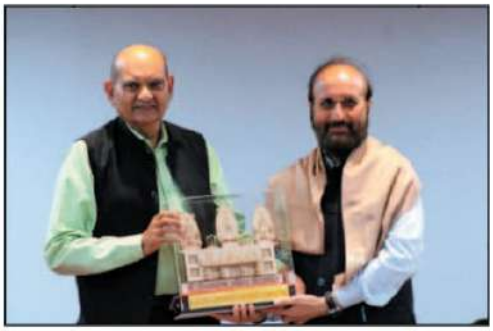

स्वतंत्र वेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय के नवागत कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने शुक्रवार को अपना पदभार ग्रहण किया। इसके पहले गुरुवार देर शाम विश्वविद्यालय में एक समारोह का आयोजन कर नवागत कुलपति का स्वागत किया गया और कुलपति के रूप में सफल कार्यकाल पूर्ण करने वाले मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी को विदाई दी गई। स्वागत एवं विदाई समारोह में नए कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय ने बहुत ही कम समय में जो उपलब्धियां हासिल की है वह सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए प्रेरक हैं। इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यहां के कुलपति का दायित्व मिलना हमारे लिए गर्व की बात है। हमारी पूरी कोशिश होगी कि टीम भावना से इस विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सके। कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि इस पीढ़ी के बच्चों में ज्ञान, साहस और बुद्धिमत्ता का स्तर बहुत अच्छा है, इसलिए उन्हें अच्छी दिशा देकर हम भविष्य को बदल सकते हैं और विश्वविद्यालय को नए रूप में विकसित कर सकते हैंकइसके लिए तीन बातों का हमेशा ध्यान रखना आवश्यक है। पहला सही समय, स्थान और व्यक्ति, दूसरा उच्च गति, समय और गुणवत्ता के साथ काम करना और अंतिम एक है उन सभी उच्च स्तरीय लोगों से मिलना जिन्हें हम टेलीविजन पर देखते है'कार्यक्रम में मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने नए कुलपति का स्वागत करने के साथ अपने कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय की पूरी टीम बहुत ही ऊजार्वान है। आज विश्वविद्यालय जहां भी पहुंचा है वह समवेत प्रयास का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस संकल्प के साथ इस विश्वविद्यालय की स्थापना की है, उनको सिद्ध करने की दिशा में यह तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, महायोगी गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अरविन्द सिंह कुशवाहा, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील सिंह, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे, उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

'टीम भावना से गोरखनाथ विवि को पहुंचाएंगे नई ऊंचाइयों पर'

नए कुलपति का स्वागत और कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति को दी गई विदाई

अमर उजाला ब्यूरो

नए कुलपति का स्वागत किया गया। स्रोत- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण कर लिया। इसके पहले बृहस्पतिवार देर शाम विश्वविद्यालय में एक समारोह में नवनियुक्त कुलपति का स्वागत किया गया। कुलपति के रूप में कार्यकाल पूर्ण करने वाले मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी को विदाई दी गई।

नए कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ ने बहुत ही कम समय में जो उपलब्धियां हासिल की हैं वह सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए प्रेरक हैं। उनकी पूरी कोशिश होगी कि टीम भावना से विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सके। विश्वविद्यालय को विकसित करने के लिए तीन काम करना होगा। पहला सही समय, स्थान व दूसरा उच्च गति, समय और गुणवत्ता के साथ काम करना और तीसरा उच्च स्तरीय लोगों से मिलना जिन्हें हम टेलीविजन पर देखते हैं।

भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव आदि रहे।

टीम भावना से महायोगी गोरखनाथ विवि को पहुंचाएंगे नई ऊंचाइयों पर -डॉ. सुरिंदर सिंह

कार्यालय प्रतिनिधि

गोरखपुर, 15 नवंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर के नवनियुक्त कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने शुक्रवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। इसके पहले गुरुवार देर शाम विश्वविद्यालय में एक समारोह का आयोजन कर नवनियुक्त कुलपति का स्वागत किया गया और कुलपति के रूप में सफल कार्यकाल पूर्ण करने वाले मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी को विदाई दी गई।

स्वागत एवं विदाई समारोह में नए कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने बहुत ही कम समय में जो उपलब्धियां हासिल की है वह सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए प्रेरक हैं। इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यहां के कुलपति का दायित्व मिलना उनके लिए गर्व की बात है। उनकी पूरी कोशिश होगी कि टीम भावना से इस विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सके। कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि इस पीढ़ी के बच्चों में ज्ञान, साहस और बुद्धिमत्ता का स्तर बहुत अच्छा है, इसलिए उन्हें अच्छी दिशा देकर हम भविष्य को बदल सकते हैं और विश्वविद्यालय को नए रूप में विकसित कर सकते हैं। कार्यक्रम में मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने नए कुलपति का स्वागत करने के साथ अपने कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय की पूरी टीम बहुत ही ऊजार्वान है। आज विश्वविद्यालय जहां भी पहुंचा है वह समवेत प्रयास का ही परिणाम है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार के वरिष्ठों ने नए कुलपति का अभिनंदन किया और कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति के साथ किए गए कार्यों से जुड़े संस्मरण साझा किए।

❖ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नए कुलपति का स्वागत और कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति का विदाई समारोह

इस अवसर पर भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अरविन्द सिंह कुशवाहा, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, आदि उपस्थित रहे।

टीम भावना से महायोगी गोरखनाथ विवि को पहुंचाएंगे नई ऊंचाइयों पर : डॉ. सुरिंदर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नए कुलपति का स्वागत और कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति का विदाई समारोह

गोरखपुर, 15 नवंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर के नवनियुक्त कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने शुक्रवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। इसके पहले गुरुवार देर शाम विश्वविद्यालय में एक समारोह का आयोजन कर नवनियुक्त कुलपति का स्वागत किया गया और कुलपति के रूप में सफल कार्यकाल पूर्ण करने वाले मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी को विदाई दी गई। स्वागत एवं विदाई समारोह में नए कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने बहुत ही कम समय में जो उपलब्धियां हासिल की हैं वह सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए प्रेरक हैं। इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यहां के कुलपति का दायित्व मिलना उनके लिए गर्व की बात है। उनकी पूरी कोशिश होगी कि टीम भावना से इस विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सके। कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि इस पीढ़ी के बच्चों में ज्ञान, साहस और बुद्धिमत्ता का स्तर बहुत अच्छा है, इसलिए उन्हें अच्छी दिशा देकर हम भविष्य को बदल सकते हैं और विश्वविद्यालय को नए रूप में विकसित कर सकते हैंक उन्होंने बताया कि विकसित

विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए तीन बातों का हमेशा ध्यान रखना आवश्यक है। पहला सही समय, स्थान और व्यक्ति, दूसरा उच्च गति, समय और गुणवत्ता के साथ काम करना और अंतिम एक है उन सभी उच्च स्तरीय लोगों से मिलना जिन्हें हम टेलीविजन पर देखते है कउन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक कार्य करना आसान है और यह टीम के साथ मिलजुलकर किया जाएगा।कार्यक्रम में मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने नए कुलपति का स्वागत करने के साथ अपने कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय की पूरी टीम बहुत ही ऊजार्वान है। आज विश्वविद्यालय जहां भी पहुंचा है वह समवेत प्रयास का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस संकल्प के साथ इस विश्वविद्यालय की स्थापना की है, उनको सिद्ध करने की दिशा में यह तेजी से आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार के वरिष्ठों ने नए कुलपति का अभिनंदन किया और कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति के साथ किए गए कार्यों से जुड़े संस्मरण साझा किए।इस अवसर पर भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अरविन्द सिंह कुशवाहा, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य नियंत्रक अमित कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

समाचार दर्पण

टीम भावना से गोरखनाथ विश्वविद्यालय को देंगे नई ऊंचाई : डा. सुरिंदर

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नए कुलपति डा. सुरिंदर सिंह ने शुक्रवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। इसके पहले गुरुवार देर शाम विश्वविद्यालय में एक समारोह का आयोजन कर नवनियुक्त कुलपति का स्वागत किया गया और कुलपति के रूप में सफल कार्यकाल पूर्ण करने वाले मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी को विदाई दी गई।

स्वागत एवं विदाई समारोह में नए कुलपति डा. सुरिंदर सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने बहुत ही कम समय में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वह सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए प्रेरक हैं। इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यहां के कुलपति का दायित्व मिलना उनके लिए गर्व की बात है। उनकी पूरी कोशिश होगी कि टीम भावना से इस विश्वविद्यालय को नई ऊंचाई दी जाए। कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए डा. सिंह ने कहा कि इस पीढ़ी के बच्चों में ज्ञान, साहस और बुद्धिमत्ता का स्तर बहुत अच्छा है, इसलिए उन्हें अच्छी दिशा देकर हम भविष्य को बदल सकते हैं। विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए तीन बातों का हमेशा ध्यान रखना आवश्यक है। पहला सही समय, स्थान और व्यक्ति, दूसरा उच्च गति, समय और गुणवत्ता के साथ काम करना और अंतिम उन सभी उच्च स्तरीय लोगों से मिलना जिन्हें हम टेलीविजन पर देखते हैं।

कार्यक्रम में पूर्व कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने नए कुलपति का स्वागत करने के साथ अपने कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय की पूरी टीम बहुत ही ऊर्जावान है। आज विश्वविद्यालय जहां भी पहुंचा है, वह समवेत प्रयास का ही परिणाम है।

टीम भावना से महायोगी गोरखनाथ विवि को पहुंचाएंगे नई ऊंचाइयों पर : डॉ. सुरिंदर सिंह

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नए कुलपति का स्वागत और कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति का विदाई समारोह
- बेहद ऊर्जावान है इस विश्वविद्यालय की पूरी टीम : डॉ. अतुल वाजपेयी

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर के नवनियुक्त कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने शुक्रवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। इसके पहले गुरुवार देर शाम विश्वविद्यालय में एक समारोह का आयोजन कर नवनियुक्त कुलपति का स्वागत किया गया और कुलपति के रूप में सफल कार्यकाल पूर्ण करने वाले मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी को विदाई दी गई। स्वागत एवं विदाई समारोह में नए कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने बहुत ही कम समय में जो उपलब्धियां हासिल की है वह सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए प्रेरक हैं। इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यहां के कुलपति का दायित्व मिलना उनके लिए गर्व की बात है। उनकी पूरी कोशिश होगी कि टीम भावना से इस विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सके। कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि इस पीढ़ी के बच्चों में ज्ञान, साहस और बुद्धिमत्ता का स्तर बहुत अच्छा है, इसलिए उन्हें अच्छी दिशा देकर हम भविष्य को बदल सकते हैं और विश्वविद्यालय को नए रूप में विकसित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि विकसित विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए तीन बातों का हमेशा ध्यान रखना आवश्यक है। पहला सही समय, स्थान और व्यक्ति, दूसरा उच्च गति, समय और गुणवत्ता के साथ काम करना और अंतिम एक है उन सभी उच्च स्तरीय लोगों से मिलना जिन्हें हम टेलीविजन पर देखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक कार्य करना आसान है और यह टीम के साथ मिलजुलकर किया जाएगा। कार्यक्रम में मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने नए कुलपति का स्वागत करने के साथ अपने कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय की पूरी टीम बहुत ही ऊर्जावान है। आज विश्वविद्यालय जहां भी पहुंचा है यह समवेत प्रयास का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस संकल्प के साथ इस विश्वविद्यालय की स्थापना की है, उनको सिद्ध करने की दिशा में यह तेजी से आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार के वरिष्ठों ने नए कुलपति का अभिनंदन किया और कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति के साथ किए गए कार्यों से जुड़े संस्मरण साझा किए। इस अवसर पर भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल, श्री गोरखनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अरविन्द सिंह कुशवाहा, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील सिंह, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल दुबे, उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

टीम भावना से विवि को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएंगे : डॉ. सुरिंदर सिंह

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नए कुलपति का हुआ स्वागत
- कार्यकाल पूरा करने वाले मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी को दी गई विदाई
- नवागत कुलपति ने डॉ. अतुल वाजपेयी की कार्यों की सराहना की

नए कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह का स्वागत करते पूर्व कुलपति डॉ. अतुल वाजपेयी।

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के नवागत कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने शुक्रवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। इसके पहले गुरुवार देर शाम विश्वविद्यालय में एक समारोह का आयोजन कर नवनियुक्त कुलपति का स्वागत किया गया और कुलपति के रूप में सफल कार्यकाल पूर्ण करने वाले मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी को विदाई दी गई।

नवागत कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने बहुत ही कम समय में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वह सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए प्रेरक हैं। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यहां के कुलपति का दायित्व मिलना उनके लिए गर्व की बात है। पूरी कोशिश होगी कि टीम भावना से इस विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सके। डॉ. सुरिंदर सिंह ने कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी के कार्यों की सराहना की।

मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने नए कुलपति का स्वागत कर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय की पूरी टीम बहुत ही ऊर्जावान है। आज विश्वविद्यालय जहां भी पहुंचा है, वह समवेत प्रयास का ही परिणाम है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार के वरिष्ठों ने नए कुलपति का अभिनंदन किया और मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी के साथ किए गए कार्यों से जुड़े संस्मरण साझा किए।

इस मौके पर भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल, श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अरविन्द सिंह कुशवाहा, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील सिंह, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल दुबे, उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

टीम भावना से गोरखनाथ विवि को पहुंचाएंगे नई ऊंचाइयों पर

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के नवनियुक्त कुलपति डा. सुरिंदर सिंह ने शुक्रवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। इसके पहले गुरुवार देर शाम विश्वविद्यालय में एक समारोह का आयोजन कर नवनियुक्त कुलपति का स्वागत किया गया और कुलपति के रूप में सफल कार्यकाल पूर्ण करने वाले मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी को विदाई दी गई।

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नए कुलपति डा. सुरिंदर सिंह का हुआ स्वागत, कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी की हुई विदाई

स्वागत एवं विदाई समारोह में नए कुलपति डा. सुरिंदर सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने बहुत ही कम समय में जो उपलब्धियां हासिल की हैं वह सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए प्रेरक हैं। इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यहां के कुलपति का दायित्व मिलना उनके लिए गर्व की बात है। उनकी पूरी कोशिश होगी कि टीम भावना से इस विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सके। कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए डा. सिंह ने कहा कि इस पीढ़ी के बच्चों में ज्ञान, साहस और बुद्धिमत्ता का स्तर बहुत अच्छा है, इसलिए उन्हें अच्छी दिशा देकर हम भविष्य को बदल सकते हैं और विश्वविद्यालय को नए रूप में विकसित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए तीन बातों का हमेशा ध्यान रखना आवश्यक है। पहला सही समय, स्थान और व्यक्ति, दूसरा उच्च गति, समय और गुणवत्ता के साथ काम करना और अंतिम एक है उन सभी उच्च स्तरीय लोगों से मिलना जिन्हें हम टेलीविजन पर देखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक कार्य करना आसान है और वह टीम के साथ मिलजुलकर किया जाएगा। कार्यक्रम में मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने नए कुलपति का स्वागत स्मृति चिन्ह देने के साथ अपने कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय की पूरी टीम बहुत ही ऊर्जावान है। आज विश्वविद्यालय जहां भी पहुंचा है वह समवेत प्रयास का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस संकल्प के साथ इस विश्वविद्यालय की स्थापना की है, उनको सिद्ध करने की दिशा में यह तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस दौरान विश्वविद्यालय परिवार के वरिष्ठों ने नए कुलपति डा. सिंह का अभिनंदन किया और कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति डा. वाजपेयी के साथ किए गए कार्यों से जुड़े संस्मरण साझा किए।

इस दौरान भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डा. राजेश बहल, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डा. अरविन्द सिंह कुशवाहा, नर्सिंग कालेज की प्राचार्या डा. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, फार्मेसी कालेज के प्राचार्य डा. शशिकांत सिंह, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डा. सुनील सिंह, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डा. विमल दुबे, उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकगण मौजूद रहे।

टीम भावना से महायोगी गोरखनाथ विवि को पहुंचाएंगे नई ऊंचाइयों पर : डॉ. सुरिंदर सिंह

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नए कुलपति का स्वागत और कार्यकाल पूर्ण करने वाले कुलपति का विदाई समारोह
- बेहद ऊर्जावान है इस विश्वविद्यालय की पूरी टीम : डॉ. अतुल वाजपेयी

समाचार दर्पण

गाय पारंपरिक भारतीय कृषि प्रणाली का आधार

गोरखपुर: केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व अधिष्ठाता प्रोफेसर डा.अनिल कुमार त्रिपाठी ने कहा कि गाय पारंपरिक भारतीय कृषि प्रणाली का आधार है। प्राकृतिक खेती की परिकल्पना ही गाय केंद्रित है। वो शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में शनिवार को आयोजित 'गो आधारित प्राकृतिक खेती' विषयक व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज वर्षों पूर्व भी समकालीन कृषि के उन्नत विधाओं की जानकारी रखते थे। वे उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से कृषि का परिचालन करते थे, जिसमें बीजामृत, जीवामृत, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र व अग्निस्त्र जैसी विधियों से बीज शोधन, कीट प्रबंधन व मृदा संरक्षण आदि कार्य किए जाते थे। यह सब कुछ प्रकृति के अनुकूल था।सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 में एक करोड़ किसनों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिए जाने का लक्ष्य रखा गया है, इस दौरान अधिष्ठाता कृषि संकाय डा.विमल कुमार दुबे, डा.सरस्वती प्रेम कुमारी, डा.नवनीत सिंह, डा.कुलदीप सिंह व डा. विकास यादव आदि मौजूद रहे।-विज्ञप्ति।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार को सरकार प्रयासरत

गोरखनाथ विवि

■ बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का 11वां दिन

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विवि के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के ग्यारहवें दिन 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्थिति, लक्ष्य और नीतियां' विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। रिसर्च एंड इनफार्मेशन सिस्टम फार डेवलपमेंट कंट्री के डॉ. सरीन एनएस ने कहा कि भारत सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधार के लिए सतत प्रयासरत है।इसके सुखद और सार्थक परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

कहा राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्थिति के तहत देश ने संक्रामक और गैर-संक्रामक रोगों की चुनौतियों का सामना करते हुए कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्तमान राष्ट्रीय लक्ष्य 2030 के तहत मातृ मृत्यु दर को 70 प्रति लाख जीवित जन्मों से नीचे लाना, सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना, कुपोषण और गंभीर बीमारियों का उन्मूलन करना शामिल है।

डॉ. सरीन ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना 10 करोड़ से अधिक परिवारों को 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य बीमा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 जैसी नीतियां लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोग कर रही हैं। कार्यक्रम का संचालन श्रेया सिंह व आभार ज्ञापन डॉ. गोपीकृष्ण ने किया। इस मौके पर डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. साध्वी नंदन पांडेय, डॉ. देवी, डॉ. विनम्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

गाय केंद्रित है प्राकृतिक खेती की परिकल्पना : डॉ. अनिल

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में शनिवार को आयोजित 'गो आधारित प्राकृतिक खेती' विषयक व्याख्यान में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार त्रिपाठी ने कहा कि गाय पारंपरिक भारतीय कृषि प्रणाली की आधार है। प्राकृतिक खेती की परिकल्पना ही गाय केंद्रित है।

डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि हमारे पूर्वज वर्षों पूर्व भी समकालीन कृषि के उन्नत विधाओं की जानकारी रखते थे। वे उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से कृषि का परिचालन करते थे, जिसमें बीजामृत, जीवामृत, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र व अग्निस्त्र जैसी विधियों से बीज शोधन, कीट प्रबंधन व मृदा संरक्षण आदि कार्य किए जाते थे। यह सब कुछ प्रकृति के अनुकूल था।

कहा कि सरकार ने वर्ष 2024-25 में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिए जाने का लक्ष्य रखा है, जिससे किसान प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक प्रणाली को अपना सकें व जनमानस तक स्वस्थ आहार उपलब्ध करा सकें। व्याख्यान के दौरान अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. सरस्वती प्रेम कुमारी, डॉ. नवनीत सिंह, डॉ. कुलदीप सिंह व डॉ. विकास यादव तथा समस्त विद्यार्थी मौजूद रहे।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ जीवन शैली जरूरी: डॉ. जीएस तोमर

महायोगी गोरखनाथ विवि में 'स्वस्थ जीवन शैली' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

रितेश मिश्रा,
विशेष संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंस संकाय में सोमवार को 'स्वस्थ जीवन शैली' विषय पर विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विश्व आयुर्वेद परिषद के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. जीएस तोमर ने जीवनशैली से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी।

डॉ. तोमर ने कहा कि एक स्वस्थ जीवन शैली न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है बल्कि मानसिक सुदृढ़ता भी प्रदान करती है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद सम्मत जीवनचर्या को आज पूरा विश्व अपना रहा है। कहा कि आयुर्वेद केवल रोग निदान के लिए ही नहीं है बल्कि सामान्य व्यक्ति के सम्पूर्ण आरोग्यता के लिए वरदान है। उन्होंने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, मानसिक तनाव प्रबंधन और पर्याप्त नींद के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। आभार ज्ञापन फार्मेसी संकाय की जूही तिवारी ने किया।

कार्यक्रम में पूजा जायसवाल, श्रेया मद्धेशिया, नंदिनी जायसवाल, प्रवीण कुमार सिंह, डॉ अभिषेक कुमार सिंह, दिलीप मिश्रा, पीयूष आनंद, दीपक कुमार सहित फार्मास्युटिकल साइंस संकाय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्राचीन और प्रामाणिक चिकित्सा पद्धति है आयुर्वेद : डॉ. तोमर

☞आयुर्वेद और एलोपैथ दोनों का उद्देश्य स्वास्थ्य रक्षण : डॉ. माहेश्वरी

☞महायोगी गोरखनाथ विवि में बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का बारहवां दिन

रितेश मिश्रा,
विशेष संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के बारहवें दिन सोमवार को 'एकीकृत स्वास्थ्य' विषय पर व्याख्यान देते हुए मुख्य वक्ता विश्व आयुर्वेद परिषद के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि किसी भी चिकित्सकीय पद्धति का उद्देश्य स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य का रक्षण करना और रोगी को स्वस्थ करना होना चाहिए। आयुर्वेद और एलोपैथ दोनों समग्र स्वास्थ्य प्राप्ति की दिशा में मिलकर बहुत अच्छा कर सकते हैं।

डॉ. तोमर ने कहा कि ऐसा कोई वनस्पति नहीं है जिससे औषधि न बनाया जा सके। विश्व में वेद सर्वप्रथम ज्ञान विज्ञान के स्रोत हैं। अथर्ववेद का उपवेद आयुर्वेद है। यह प्राचीन चिकित्सा पद्धति आज भी प्रामाणिक और प्रसिद्ध है। आयुर्वेद में प्रत्येक व्यक्ति के प्रकृति के अनुसार अलग-अलग चिकित्सा पद्धति है। इसी को तो वर्तमान में जीनोम थ्योरी कहते हैं। हजारों प्रकार के रसायनों के बारे में आयुर्वेद में बताया गया है जो स्वस्थ व्यक्ति को स्वस्थ रखता है।

डॉ. जीएस तोमर को स्मृति चिन्ह देते डॉ. संजय माहेश्वरी

डॉ. तोमर ने विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी भाग्यशाली हैं कि आपको महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से शिक्षित होकर चिकित्सा सेवा में जाने का अवसर प्राप्त होने वाला है। सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। चिकित्सा कभी निष्फल नहीं होती है। यह आपको यश,धन, अनुभव, आशीर्वाद सब प्राप्त कराता है।

उन्होंने कहा कि हमें सभी विधाओं का सम्मान करना चाहिए हमें प्रतिद्वंद्वी नहीं परस्पर सहयोगी बनना चाहिए। हमारी संस्कृति पूरे विश्व को परिवार मानती है। विशिष्ट वक्ता एमपी बिड़ला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक और प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि आज भी मैं सर्जरी में आयुर्वेद विधा, क्षार सूत्र का प्रयोग करता हूं। रक्त चिकित्सा में आदिकाल से लीच अर्थात जोंक का प्रयोग आयुर्वेद में किया जाता है। आयुर्वेद और एलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान दोनों का उद्देश्य स्वास्थ्य है। हमें एक होकर चिकित्सा के दिशा में बढ़ना होगा। कार्यक्रम का संचालन श्रेया सिंह व आभार ज्ञापन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने किया। इस अवसर पर डॉ. अरविंद कुशवाह, डॉ. राजेश बहल, डॉ. विन्म्र शर्मा, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. देवी समेत कई शिक्षक, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयुर्वेद व एलोपैथ दोनों का उद्देश्य स्वास्थ्य रक्षण : डॉ. माहेश्वरी

- प्राचीन और प्रामाणिक चिकित्सा पद्धति है आयुर्वेद : डॉ. जीएस तोमर
- महायोगी गोरखनाथ विवि में बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का बारहवां दिन

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज के नवप्रवेशित विद्यार्थियो के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के बारहवें दिन सोमवार को ह्यएकीकृत स्वास्थ्यह्न विषय पर व्याख्यान देते हुए मुख्य वक्ता विश्व आयुर्वेद परिषद के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि किसी भी चिकित्सकीय पद्धति का उद्देश्य स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य का रक्षण करना और रोगी को स्वस्थ करना होना चाहिए। आयुर्वेद और एलोपैथ दोनो समग्र स्वास्थ्य प्राप्ति की दिशा में मिलकर बहुत अच्छा कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसा कोई वनस्पति नहीं है जिससे औषधि न बनाया जा सके। विश्व में वेद सर्वप्रथम ज्ञान-विज्ञान के स्रोत हैं। अथर्ववेद का उपवेद आयुर्वेद है। यह प्राचीन चिकित्सा पद्धति आज भी प्रामाणिक और प्रसिद्ध है।

आयुर्वेद मे प्रत्येक व्यक्ति के प्रकृति के अनुसार अलग-अलग चिकित्सा पद्धति है।

इसी को तो वर्तमान में जीनोम थ्योरी कहते हैं। हजारो प्रकार के रसायनों के बारे मे आयुर्वेद में बताया गया है जो स्वस्थ व्यक्ति को स्वस्थ रखता है।

विशिष्ट वक्ता एमपी बिड़ला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक और प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि आज भी मैं सर्जरी में आयुर्वेद विधा, क्षार सूत्र का प्रयोग करता हूं।

रक्त चिकित्सा में आदिकाल से लीच अर्थात जोंक का प्रयोग आयुर्वेद में किया जाता है। आयुर्वेद और एलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान दोनो का उद्देश्य स्वास्थ्य है। हमें एक होकर चिकित्सा के दिशा में बढ़ना होगा। कार्यक्रम का संचालन श्रेया सिंह व आभार ज्ञापन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने किया।

इस अवसर पर डॉ. अरविंद कुशवाह, डॉ. राजेश बहल, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. देवी समेत कई शिक्षक, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

मुंबई -मंगलवार, 19 नवम्बर, 2024

देश/विदेश

मंत्र भारत

चिकित्सा की सभी विधाओं का उद्देश्य रोगी को रोग मुक्त करना है - प्रो.(डॉ) जी एस तोमर

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेज में एमबीबीएस एवं बीएएमएस के नवप्रवेशित छात्रों के ट्रांसीजनल क्यूरीक्युलम में प्रो.(डॉ.) जी एस तोमर ने स्पष्ट किया कि आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता के दृष्टिगत हमें वैश्विक परिदृश्य में अपनी बात को समझाने के लिए साक्ष्य आधारित शोध अत्यन्त आवश्यक है। यद्यपि आयुर्वेद एक टाइम टैस्टेड साइंस है। इसका प्रत्येक सिद्धांत गहन शोध एवं परीक्षण के बाद ही प्रतिष्ठापित हुआ है तथापि आज के प्रचलित वैज्ञानिक मापदंडों पर प्रमाणित कर के ही हम इसे लोक ग्राह्य बना सकेंगे। आयुर्वेद में चिकित्सक, औषधि, परिचारक एवं रोगी चिकित्सा के चार पाद बताए गए हैं। चिकित्सक को अपने विषय में दक्ष होना, विविध शास्त्रों का ज्ञान होना, प्रत्यक्ष कर्माभ्यास एवं बाह्य एवं आभ्यंतर पवित्रता होना इन चार गुणों से युक्त होना चाहिए। साथ ही साथ उसमें रोगी के साथ मित्रता, करुणा, ठीक होने वाले रोगियों के प्रति प्रीति एवं असाध्य रोगियों के प्रति उपेक्षा का भाव होना चाहिए।उन्होंने आगे कहा कि विश्व में चिकित्सा की अनेक विधाएँ प्रचलित हैं। इन सबका उद्देश्य रोगी

को रोग मुक्त करना है। इन सभी में कुछ अच्छाइयाँ एवं सीमाएँ भी रहती हैं। अतः हमें सभी विधाओं का सम्मान करना चाहिए तथा उन सभी चिकित्सकों को एक दूसरे का प्रतिस्पर्धी न मानकर सम्पूरक मानना चाहिए। डॉ तोमर ने नव प्रवेशित छात्रों को आयुर्वेद के वैशिष्ट्य को विस्तार से बताते हुए उन्हें लगन एवं परिश्रम के साथ अध्ययन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आयुष मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार इस वर्ष के राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का थीम 'वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार' निर्धारित किया गया। कोराना कालखण्ड में मिली अभूतपूर्व लोकप्रियता के दृष्टिगत आयुर्वेद आज भारत की चार दीवारी से निकल कर वैश्विक आकर्षण का केंद्र बन गया है। यही कारण है कि हमें अपनी विधा को नवाचार के माध्यम से वैश्विक आकांक्षाओं के अनुरूप प्रस्तुत करना होगा। स्वास्थ्य संरक्षण एवं उन्नयन के साथ साथ जीवनशैली जन्य रोगों, एण्टी माइक्रोबियल रजिस्टेंश, वार्धक्य जन्य रोग, स्त्री रोगों एवं मानसिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में आयुर्वेद का महत्वपूर्ण योगदान है। अतः हमें आहार, जीवनशैली, उद्यमिता, स्कूल स्वास्थ्य, कार्यस्थल पर स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों के लिए नवाचार स्थापित करने होगें। जिससे आयुर्वेद आज वैश्विक आकांक्षाओं पर खरा उतर सके।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य कर्नल (डॉ) अरविन्द सिंह कुशवाह ने स्वागत एवं अभिनंदन किया। अंत में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्त ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सुप्रसिद्ध कैन्सर सर्जन डॉ संजय महेश्वरी ने स्मृति चिन्ह एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर डॉ तोमर को सम्मानित किया। कार्यक्रम में आरोग्यधाम हॉस्पिटल के डायरेक्टर कर्नल राजेश बहल, प्रो नवीन कोठले, डॉ विनम्र शर्मा, डॉ पूजा, डॉ प्रियंका सहित मेडिकल एवं आयुर्वेद कॉलेज के कई प्राध्यापक भी उपस्थित रहे।

आरोग्यधाम महंत दिग्विजय नाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में मरीज़ों का निःशुल्क परीक्षण हुआ

निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर में डॉ जी एस तोमर ने गठिया, दमा, डायबिटीज़, हृदयरोग,त्वचा रोग आदि के सौ से अधिक रोगियों का परीक्षण कर चिकित्सा परामर्श प्रदान किया। इस शिविर में जीजीआईएमएस आयुर्वेद कॉलेज के छात्रों ने क्लिनिकल प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में स्वस्थ जीवनशैली पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। सोमवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंस संकाय में 'स्वस्थ जीवनशैली' पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध स्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. जी. एस. तोमर ने जीवनशैली से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार साझा किए। उन्होंने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, मानसिक तनाव प्रबंधन और पर्याप्त नींद के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने यह भी बताया कि एक स्वस्थ जीवनशैली न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है बल्कि मानसिक सुदृढ़ता भी प्रदान करती है। कार्यक्रम के अंत में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय की सुश्री जूही तिवारी ने डॉ. जी. एस. तोमर का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके विचार छात्रों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देने के लिए डॉ. तोमर के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में फार्मास्युटिकल साइंस संकाय के सभी शिक्षक उपस्थित थे, जिनमें सुश्री पूजा जायसवाल, सुश्री जूही तिवारी, सुश्री श्रेया मद्धेशिया, सुश्री नंदिनी जायसवाल, श्री प्रवीण कुमार सिंह, डॉ अभिषेक कुमार सिंह, श्री दिलीप मिश्रा, श्री पीयूष आनंद, और श्री दीपक कुमार शामिल थे। सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने डॉ. तोमर द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संदेश की सराहना की और इसे अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

महायोगी गोरखनाथ विवि में बीएएमएस के विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का 12वां दिन

आयुर्वेद को लोकप्रिय बनाने के लिए शोध जरूरी : डॉ. तोमर

दीक्षारंभ समारोह

- ऐसी कोई वनस्पति नहीं है, जिससे औषधि न बनाई जा सके : डॉ. तोमर
- डॉ. माहेश्वरी बोले-आयुर्वेद और एलोपैथ दोनों का उद्देश्य स्वास्थ्य रक्षण

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के बारहवें दिन सोमवार को 'एकीकृत स्वास्थ्य' विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता विश्व आयुर्वेद परिषद के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि किसी भी चिकित्सकीय पद्धति का उद्देश्य स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य का रक्षण करना और रोगी को स्वस्थ करना होना चाहिए। आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता के बीच वैश्विक स्तर पर अपनी बात को समझाने के लिए साक्ष्य आधारित शोध अत्यंत जरूरी है।

डॉ. तोमर ने कहा कि ऐसी कोई वनस्पति नहीं है, जिससे औषधि न बनाई जा सके। विश्व में वेद सर्वप्रथम ज्ञान विज्ञान के स्रोत हैं। अथर्ववेद का उपवेद आयुर्वेद है। यह प्राचीन चिकित्सा पद्धति आज भी प्रामाणिक और प्रसिद्ध है। आयुर्वेद में प्रत्येक व्यक्ति के प्रकृति के अनुसार अलग-अलग चिकित्सा पद्धति है। इसी को तो वर्तमान में जीनोम थ्योरी कहते हैं। कहा कि इस वर्ष के राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का थीम वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार निर्धारित किया गया। कोराना कालखण्ड में मिली अभूतपूर्व लोकप्रियता के दृष्टिगत आयुर्वेद आज भारत की चहारदीवारी से निकल कर वैश्विक आकर्षण का केंद्र बन गया है। विशिष्ट वक्ता एमपी बिड़ला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक और प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि आज भी मैं सर्जरी में आयुर्वेद विधा, क्षार सूत्र का प्रयोग करता हूं। रक्त चिकित्सा में आदिकाल से लीच अर्थात जोंक का प्रयोग आयुर्वेद में किया जाता है। आयुर्वेद और एलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान दोनों का उद्देश्य स्वास्थ्य है। संचालन श्रेया सिंह व आभार ज्ञापन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने किया। इस मौके पर डॉ. अरविंद कुशवाह, डॉ. राजेश बहल, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय उपस्थित रहे।

डॉ. जीएस तोमर को स्मृति चिह्न देते डॉ. संजय माहेश्वरी। ● हिन्दुस्तान

100 से अधिक मरीजों की निशुल्क जांच की गई

आरोग्यधाम महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में मरीजों का निशुल्क परीक्षण हुआ। शिविर में डॉ. जीएस तोमर ने गठिया, दमा, डायबिटीज, हृदय रोग, त्वचा रोग आदि के 100 रोगियों का परीक्षण कर परामर्श प्रदान किया। शिविर में जीजीआईएमएस आयुर्वेद कॉलेज के छात्रों ने क्लिनिकल प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ जीवन शैली जरूरी

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंस संकाय में सोमवार को 'स्वस्थ जीवन शैली' विषय पर विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता विश्व आयुर्वेद परिषद के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि स्वस्थ जीवन शैली न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है, बल्कि मानसिक सुदृढ़ता भी प्रदान करती है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद सम्मत जीवनचर्या को आज पूरा विश्व अपना रहा है। आभार ज्ञापन फार्मेसी संकाय की जूही तिवारी ने किया। कार्यक्रम में पूजा जायसवाल, श्रेया मद्धेशिया, नंदिनी जायसवाल, प्रवीण कुमार सिंह, डॉ अभिषेक कुमार सिंह, दिलीप मिश्रा, पीयूष आनंद, दीपक कुमार व शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

समाचार दर्पण

संस्कृति-विज्ञान को साथ लेकर बढ़ें : डॉ. सुरिंदर

दीक्षारंभ समारोह

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के नवप्रवेशित बीएएमएस विद्यार्थियों का पंद्रह दिवसीय दीक्षारम्भ समारोह चल रहा है। मंगलवार को तेरहवें दिन असिस्टेंट प्रोफेसर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय द्वारा शिष्योपनयन कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

कुलपति प्रो. डॉ. सुरिंदर सिंह ने धन्वंतरि पूजन और यज्ञ कराया। विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि हमें संस्कृति और विज्ञान को साथ-साथ आगे बढ़ाना है। शिष्योपनयन कार्यक्रम देश की प्राचीन परंपरा है। यहां के आचार्य साधुवाद के पात्र हैं, जो इसे आज भी जीवित रखे हैं। हमारी संस्कृति और धर्म हमें कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने की आज्ञा प्रदान करता है। विशिष्ट अतिथि उपस्थित एमपी बिड़ला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक और कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि यज्ञ और देव पूजन हमें अपने कर्तव्यों को निर्वहन करने के लिए आत्मबल प्रदान करते है।

शिष्योपनयन हमारे देश की आद्य परंपरा : डा. सुरिंदर सिंह

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के नवप्रवेशित बीएएमएस छात्रों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारम्भ समारोह के तेरहवें दिन छात्रों का असिस्टेंट प्रोफेसर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय द्वारा शिष्योपनयन कार्यक्रम कराया गया।

इस अवसर पर कुलपति डा. सुरिंदर सिंह ने छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए धन्वंतरि पूजन और यज्ञ संपन्न कराया। उन्होंने छात्रों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि हमें संस्कृति और विज्ञान को साथ-साथ आगे बढ़ाना है। शिष्योपनयन कार्यक्रम हमारे देश की आद्य परंपरा है। यहां के आचार्य साधुवाद के पात्र हैं जो इसे आज भी जीवित रखे हैं। हमारी संस्कृति और धर्म हमें कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने की आज्ञा प्रदान करता है। धन्वंतरि यज्ञ में बतौर विशिष्ट अतिथि एमपी बिड़ला ग्रुप आफ हास्पिटल्स के निदेशक और विख्यात कैंसर सर्जन डा. संजय माहेश्वरी ने कहा कि यज्ञ और देव पूजन हमें अपने कर्तव्यों को निर्वहन करने के लिए आत्मबल प्रदान करते हैं।

■ बीएएमएस के नवप्रवेशित छात्र के दीक्षारंभ समारोह का तेरहवां दिन

देवरिया

वन पर नाम परिवर्तन हेतु
त को कोई आपत्ति हो तो
में आपत्ति दाखिल करें।

सफलता के लिए महत्वपूर्ण है संचार कौशल : दुष्यंत सिंह

दीक्षारम्भ समारोह में मंगलवार को 'संचार कौशल और आलोचनात्मक सोच' विषय पर आनलाइन व्याख्यान देते हुए लेफ्टिनेंट जनरल दुष्यंत सिंह ने कहा कि संचार कौशल व्यक्ति की वह क्षमता है जिससे वह अपने विचारों, भावनाओं, और जानकारी को प्रभावी ढंग से दूसरों तक पहुंचा सकता है। यह कौशल जीवन के हर पहलू में सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

आलोचनात्मक सोच एक ऐसी मानसिक प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति तथ्यों, सूचनाओं और परिस्थितियों का गहन विश्लेषण करके तार्किक और संतुलित निष्कर्ष पर पहुंचता है। यह कौशल निर्णय लेने और समस्याओं को हल करने के लिए अत्यधिक उपयोगी है।

इस अवसर पर आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, डा. अरविन्द कुशवाह, डा. विनम्र शर्मा, डा. राजेश बहल, डा. साध्वी नन्दन पाण्डेय एवं डा. देवी समेत अन्य शिक्षकगण मौजूद रहे।

मानवता की सेवा चिकित्सा का मूल उद्देश्य : डॉ. वाजपेयी

गोरखनाथ विवि

■ एमबीबीएस व बीएएमएस के नवप्रवेशितों के दीक्षारंभ समारोह का समापन

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य ही मानवता की सेवा है। एक चिकित्सक को सदैव अपने सेवा धर्म को याद रखना चाहिए।

डॉ. वाजपेयी बुधवार को विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक एवं प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि योग्य चिकित्सक बनने के लिए सतत अध्ययन, विषय वस्तु पर मंथन और अनुसंधान की दृष्टि बहुत जरूरी है। एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने सभी विद्यार्थियों को चिकित्सा क्षेत्र में चयनित होने के लिए बधाई दीं।

समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने की। आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, एमबीबीएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविन्द कुशवाहा ने अतिथियों और कुलपति का स्वागत किया। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. राजेश बहल, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. मिनी आदि उपस्थित रहे।

मानवता की सेवा चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य -डॉ. वाजपेयी

गोरखपुर, २० नवम्बर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर के पूर्व कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है और चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य ही मानवता की सेवा है। एक चिकित्सक को सदैव अपने सेवा धर्म को याद रखना चाहिए।

डॉ. वाजपेयी बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि ईश्वर ने आपको एक विशिष्ट कार्य के लिए चुना है और यह कार्य है मानवता की सेवा करना। पूरी उम्मीद है कि आप आरोग्यधाम में चिकित्सा ज्ञान प्राप्त करके पूरे विश्व को आरोग्यधाम बनाएंगे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक एवं प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने चिकित्सा विज्ञान के अध्ययन क्षेत्र में आये विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि एक योग्य चिकित्सक बनने के लिए सतत अध्ययन, विषय वस्तु पर मंथन और अनुसंधान की दृष्टि बहुत जरूरी है। दीक्षा पातृयचर्या के दौरान विभिन्न अतिथि व्याख्यान ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक यात्रा में एक अच्छी नींव रखने का कार्य किया है। विशिष्ट अतिथि एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने सभी विद्यार्थियों को चिकित्सा क्षेत्र में चयनित होने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

❖ महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का समापन

दीक्षारंभ समारोह के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि बीएएमएस और एमबीबीएस विद्यार्थियों को मिलकर कार्य करना होगा। आपको केवल चिकित्सकीय प्रमाण पत्रों के लिए ही नहीं ज्ञान के लिए पढ़ना होगा। अपने अध्ययन के दौरान शोध और अनुसंधान को भी बढ़ावा देना होगा। पन्द्रह दिवसीय दीक्षा पातृयचर्या एक बड़े अध्याय का आरंभ है। सफल होने का एकमात्र तरीका समग्र दृष्टिकोण है। इस अवसर पर आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, एमबीबीएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविन्द कुशवाह ने सभी अतिथियों और कुलपति को स्मृति चिन्ह पेंट कर स्वागत किया। आभार ज्ञापन कार्यक्रम संयोजिका डॉ. देवी नायर ने किया। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. राजेश बहल, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. मिनी, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नव प्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मानवता की सेवा चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य : डॉ. वाजपेयी

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के पूर्व कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने कहा कि मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है और चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य ही मानवता की सेवा है। एक चिकित्सक को सदैव अपने सेवा धर्म को याद रखना चाहिए।

डा. वाजपेयी बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के नवप्रवेशित छात्रों के दीक्षारंभ समारोह के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने आपको एक विशिष्ट कार्य के लिए चुना है और यह कार्य है मानवता की सेवा करना। पूरी उम्मीद है कि आप आरोग्यधाम में चिकित्सा ज्ञान प्राप्त करके पूरे विश्व को आरोग्यधाम बनाएंगे। डा. वाजपेयी ने कहा कि आत्मनिर्भर बनकर रोजगार प्रदान करने वाला बनना होगा। एलन मस्क का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आपको नई टेक्नोलाजी को सीखते हुए अपने स्वयं की एक नई विधा बनानी होगी, तभी आप दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना पाएंगे। एमपी बिरला ग्रुप आफ हास्पिटल्स के निदेशक एवं प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डा. संजय माहेश्वरी ने चिकित्सा विज्ञान के अध्ययन क्षेत्र में आए छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि एक योग्य चिकित्सक बनने के लिए सतत अध्ययन, विषय वस्तु पर मंथन और अनुसंधान की दृष्टि बहुत जरूरी है। दीक्षा पातृयचर्या के दौरान विभिन्न अतिथि व्याख्यान ने छात्रों की शैक्षणिक यात्रा में एक अच्छी नींव रखने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भगवान की सबसे अच्छी रचना मनुष्य है और ईश्वर ने अपनी सबसे अच्छी कृति की चिकित्सा सेवा के लिए चिकित्सकों को चुना है। विशिष्ट अतिथि एमपी बिरला ग्रुप आफ हास्पिटल्स की सर्जन डा. रेखा माहेश्वरी ने सभी छात्रों को चिकित्सा क्षेत्र में चयनित होने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। दीक्षारंभ समारोह के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डा. सुरिंदर सिंह ने कहा कि बीएएमएस और एमबीबीएस छात्रों को मिलकर कार्य करना होगा। आपको केवल चिकित्सकीय प्रमाण- पत्रों के लिए ही नहीं ज्ञान के लिए पढ़ना होगा। आप सभी भविष्य में देश के नेतृत्वकर्ता हैं। आपको गुणवत्ता युक्त चिकित्सीय ज्ञान प्राप्त करना होगा।

■ महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित छात्रों के दीक्षारंभ समारोह का हुआ समापन

कार्यक्रम में सम्बोधित करते पूर्व कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी

इस अवसर पर एमबीबीएस कालेज के प्राचार्य डा. अरविन्द कुशवाहा एवं आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम ने अतिथियों और कुलपति को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। आभार ज्ञापन कार्यक्रम संयोजिका डा. देवी नायर ने किया। इस दौरान कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, डा. विनम्र शर्मा, डा. राजेश बहल, डा. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डा. दीपू मनोहर एवं डा. मिनी के अलावा एमबीबीएस एवं बीएएमएस के सभी नव प्रवेशित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

समाचार दर्पण

मानवता की सेवा चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य : डॉ. वाजपेयी

☐ महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का समापन

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि मानवता की सेवा सबसे बडा धर्म है। चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य ही मानवता की सेवा है। एक चिकित्सक को सदैव अपने सेवा धर्म को याद रखना चाहिए। डॉ. वाजपेयी बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक एवं प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने चिकित्सा विज्ञान के अध्ययन क्षेत्र में आए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि एक योग्य चिकित्सक बनने के लिए सतत अध्ययन, विषय वस्तु पर मंथन और अनुसंधान की दृष्टि बहुत जरूरी है। दीक्षा पाठ्यचर्या के दौरान विभिन्न अतिथि व्याख्यान ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक यात्रा में एक अच्छी नींव रखने का कार्य किया है।

दीक्षारंभ समारोह के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि बीएएमएस और एमबीबीएस विद्यार्थियों को मिलकर कार्य करना होगा।

आपको केवल चिकित्सकीय प्रमाण पत्रों के लिए ही नहीं ज्ञान के लिए पढ़ना होगा। आप सभी भविष्य में देश के नेतृत्वकर्ता हैं।

इस अवसर परआयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, एमबीबीएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविन्द कुशवाह ने सभी अतिथियों और कुलपति को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। आभार ज्ञापन कार्यक्रम संयोजिका डॉ. देवी नायर ने किया।

कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. राजेश बहल, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. मिनी, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नव प्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मानवता की सेवा चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य : डॉ. वाजपेयी

◂ योग्य चिकित्सक बनने के लिए अनुसंधान की दृष्टि जरूरी : डॉ. माहेश्वरी

गोरखपुर ,20 नवम्बर (तरूणमित्र)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर के पूर्व कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है और चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य ही मानवता की सेवा है। एक चिकित्सक को सदैव अपने सेवा धर्म को याद रखना चाहिए। डॉ. वाजपेयी बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि ईश्वर ने आपको एक विशिष्ट कार्य के लिए चुना है और यह कार्य है मानवता की सेवा करना। पूरी उम्मीद है कि आप आरोग्यधाम में चिकित्सा ज्ञान प्राप्त करके पूरे विश्व को आरोग्यधाम बनाएंगे। डॉ. वाजपेयी ने कहा कि आत्मनिर्भर बनकर रोजगार प्रदान करने वाला बनना होगा। एलन मस्क का उदाहरण देते हुए कहा कि आपको नई टेक्नोलॉजी को सीखते हुए अपनी स्वयं की एक नई विधा बनानी होगी, तभी आप दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना पाएंगे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक एवं प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने चिकित्सा विज्ञान के अध्ययन क्षेत्र में आए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि एक योग्य चिकित्सक बनने के लिए सतत अध्ययन, विषय वस्तु पर मंथन और अनुसंधान की दृष्टि बहुत जरूरी है। दीक्षा पाठ्यचर्या के दौरान विभिन्न अतिथि व्याख्यान ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक यात्रा में एक अच्छी नींव रखने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भगवान की सबसे अच्छी रचना मनुष्य है और ईश्वर ने अपनी सबसे अच्छी कृति की चिकित्सा सेवा के लिए चिकित्सकों को चुना है। विशिष्ट अतिथि एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने सभी विद्यार्थियों को चिकित्सा क्षेत्र में चयनित होने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।दीक्षारंभ समारोह के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि बीएएमएस और एमबीबीएस विद्यार्थियों को मिलकर कार्य करना होगा। आपको केवल चिकित्सकीय प्रमाण पत्रों के लिए ही नहीं ज्ञान के लिए पढ़ना होगा। आप सभी भविष्य में देश के नेतृत्वकर्ता हैं। आपको गुणवत्ता युक्त चिकित्सीय ज्ञान प्राप्त करना होगा। अपने अध्ययन के दौरान शोध और अनुसंधान को भी बढ़ावा देना होगा। पाठ्यचर्या एक बड़े अध्याय का आरंभ है।

मकर संक्रांति तैयारी बैठक आयोजित

गोरखपुर,20 नवम्बर (तरूणमित्र)। मंडलायुक्त सभागार में मंडलायुक्त अनिल ढींगरा की अध्यक्षता में मकर संक्रांति 2025 की तैयारी बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। बैठक में प्रमुख रूप से मंडलायुक्त अनिल ढींगरा डीआईजी गोरखपुर परिक्षेत्र गोरखपुर आनंद कुलकर्णी जिला अधिकारी कृष्ण करुणेश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव ग्रोवर नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्धन सीडीओ संजय कुमार मीना डीएफओ विकास यादव एसपी सिटी अभिनव त्यागी एडीएम सिटी अंजनी कुमार सिंह सिटी मजिस्ट्रेट हिमांशु वर्मा जिला पर्यटन अधिकारी रविंद्र मिश्रा सहित के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

चिकित्सक का मूल उद्देश्य मानवता की सेवा

दीक्षारंभ समारोह : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में समारोह का हुआ समापन

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कालेज में आयोजित नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का बुधवार को समापन हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने कहा कि मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। चिकित्सक का मूल उद्देश्य मानवता की सेवा है। एक चिकित्सक को सदैव अपने सेवा धर्म को याद रखना चाहिए।

डा. वाजपेयी ने कहा कि ईश्वर ने आपको एक विशिष्ट कार्य के लिए चुना है। यह कार्य है मानवता की सेवा। पूरी उम्मीद है कि आप

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ समारोह को संबोधित करते पूर्व कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी। स्रो. विश्वविद्यालय

चिकित्सा ज्ञान प्राप्त करके पूरे विश्व को आरोग्यधाम बनाएंगे। विशिष्ट अतिथि एमपी बिरला ग्रुप आफ हास्पिटल्स के निदेशक डा. संजय माहेश्वरी ने कहा कि एक योग्य चिकित्सक बनने के लिए सतत अध्ययन, विषय वस्तु पर मंथन और अनुसंधान की दृष्टि बहुत जरूरी है। दीक्षा पाठ्यचर्या के दौरान विभिन्न अतिथि व्याख्यानों ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक यात्रा में एक अच्छी नींव रखने का कार्य किया है। सर्जन डा. रेखा माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को चिकित्सा क्षेत्र में चयनित होने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डा. सुरिंदर सिंह ने कहा कि बीएएमएस और एमबीबीएस विद्यार्थियों को मिलकर कार्य करना होगा। आपको केवल चिकित्सकीय प्रमाण पत्रों के लिए ही नहीं, ज्ञान के लिए पढ़ना होगा। शोध और अनुसंधान को भी बढ़ावा देना होगा।

इस अवसर पर आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, एमबीबीएस कालेज के प्राचार्य डा. अरविन्द कुशवाह ने अतिथियों और कुलपति को स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। डा. देवी नायर ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, डा. विनम्र शर्मा, डा. राजेश बहल, डा. साध्वी नन्दन उपस्थित रहीं। -विज्ञप्ति

मानवता की सेवा चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य : डॉ. वाजपेयी

● गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस और बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का समापन

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर के पूर्व कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है और चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य ही मानवता की सेवा है। एक चिकित्सक को सदैव अपने सेवा धर्म को याद रखना चाहिए।

डॉ. वाजपेयी बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि ईश्वर ने आपको एक विशिष्ट कार्य के लिए चुना है और यह कार्य है मानवता की सेवा करना।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक एवं प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने चिकित्सा विज्ञान के अध्ययन क्षेत्र में आए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि एक योग्य चिकित्सक बनने के लिए सतत अध्ययन, विषय वस्तु पर मंथन और अनुसंधान की दृष्टि बहुत जरूरी है। विशिष्ट अतिथि एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने सभी विद्यार्थियों को चिकित्सा क्षेत्र में चयनित होने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

दीक्षारंभ समारोह के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि बीएएमएस और एमबीबीएस विद्यार्थियों को मिलकर कार्य करना होगा। आपको केवल चिकित्सकीय प्रमाण पत्रों के लिए ही नहीं ज्ञान के लिए पढ़ना होगा। इस अवसर परआयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, एमबीबीएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविन्द कुशवाह ने सभी अतिथियों और कुलपति को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। आभार ज्ञापन कार्यक्रम संयोजिका डॉ. देवी नायर ने किया। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. राजेश बहल, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. मिनी, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नव प्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

कैंसर सर्जरी के साथ पहली बार लाइव चली एनाटोमी की क्लास

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज देश के उन चुनिंदा इंस्टिट्यूट में शामिल हो गया है जहां कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी (एमआरएम) सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। यही नहीं, इस इंस्टिट्यूट में कैंसर की एमआरएम सर्जरी के साथ विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी द्वारा एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए एनाटोमी की लाइव क्लास भी चलाई गई और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। जटिल सर्जरी के साथ एनाटोमी की लाइव क्लास का संचालन विश्व में संभवतः पहली बार किया गया।

- कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी करने वाले देश के चुनिंदा इंस्टिट्यूट में शामिल हुआ गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर और दुनिया के जाने-माने कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी और उनकी पत्नी कैंसर सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी की चिकित्सकीय सेवाएं गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के जरिये प्रतिमाह पूर्वी उत्तर प्रदेश के कैंसर रोगियों को मिलने लगी हैं। गत दिवस डॉ. संजय माहेश्वरी और रेखा माहेश्वरी ने इस इंस्टिट्यूट में रोगियों की जांच और परामर्श देने के साथ एक 52 वर्षीय कैंसर पीड़ित महिला की सफल मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी की। यह सर्जरी तीन घंटे से अधिक समय तक चली।

डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते उन्होंने एमबीबीएस फर्स्ट बैच के विद्यार्थियों के लिए एनाटोमी की क्लास भी लाइव चलाई। संभवतः पूरी दुनिया में एनाटोमी की लाइव क्लास कैंसर की इस तरह की सर्जरी के साथ चलाई गई है। इस दौरान एमबीबीएस फर्स्ट बैच के विद्यार्थियों को कैंसर प्रभावित अंग की संरचना की बारीकियों को समझाया गया और पढ़ाई के शुरुआती दौर में ही उन्हें सर्जरी से जुड़ी गहन जानकारी भी दी गई। डॉ. माहेश्वरी सर्जरी करने के दौरान विद्यार्थियों से लगातार संवाद करते रहे और उनके सभी सवालों का भी जवाब दिया।

कैंसर सर्जरी के साथ पहली बार लाइव चली एनाटोमी की क्लास

- कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी करने वाले देश के चुनिंदा इंस्टिट्यूट में शामिल हुआ गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
- दुनिया के जाने-माने कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी और रेखा माहेश्वरी ने की कैंसर पीड़ित महिला की सर्जरी

गोरखपुर मेल ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज देश के उन चुनिंदा इंस्टिट्यूट में शामिल हो गया है जहां कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी (एमआरएम) सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। यही नहीं, इस इंस्टिट्यूट में कैंसर की एमआरएम सर्जरी के साथ विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी द्वारा एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए एनाटोमी की लाइव क्लास भी चलाई गई और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। जटिल सर्जरी के साथ एनाटोमी की लाइव क्लास का संचालन विश्व में संभवतः पहली बार किया गया। एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर और दुनिया के जाने-माने कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी और उनकी पत्नी कैंसर सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी की चिकित्सकीय सेवाएं गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के जरिये प्रतिमाह पूर्वी उत्तर प्रदेश के कैंसर रोगियों को मिलने लगी हैं। गत दिवस डॉ. संजय माहेश्वरी और रेखा माहेश्वरी ने इस इंस्टिट्यूट में रोगियों की जांच और परामर्श देने के साथ एक 52 वर्षीय कैंसर पीड़ित महिला की सफल मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी की। यह सर्जरी तीन घंटे से अधिक समय तक चली। डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी में स्तन का पूरा भाग जिसमें एरियल (निप्पल के चारों तरफ की डार्क त्वचा), निप्पल नोड एवं अंडर आर्म के नीचे के कुछ हिस्सों को काट कर निकला जाता है। यह पद्धति कैंसर के व्यापक चिकित्सकीय प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह विधि क्लासिकल रेडिकल मास्टेक्टॉमी, जिसे कभी कैंसर का इलाज माना जाता था की तुलना में कम कठोर आपरेशन है। सर्जरी के बाद मरीज को दो-तीन दिन तक दर्द या बांह के नीचे खिंचाव व उस क्षेत्र में झुनझुनी की शिकायत रहती है। यह दिक्कत कुछ दिनों में ही ठीक हो जाती है। डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते उन्होंने एमबीबीएस फर्स्ट बैच के विद्यार्थियों के लिए एनाटोमी की क्लास भी लाइव चलाई। संभवतः पूरी दुनिया में एनाटोमी की लाइव क्लास कैंसर की इस तरह की सर्जरी के साथ चलाई गई है। इस दौरान एमबीबीएस फर्स्ट बैच के विद्यार्थियों को कैंसर प्रभावित अंग की संरचना की बारीकियों को समझाया गया और पढ़ाई के शुरुआती दौर में ही उन्हें सर्जरी से जुड़ी गहन जानकारी भी दी गई। डॉ. माहेश्वरी सर्जरी करने के दौरान विद्यार्थियों से लगातार संवाद करते रहे और उनके सभी सवालों का भी जवाब दिया।

कैंसर सर्जरी के साथ पहली बार लाइव चली एनाटोमी की क्लास

रितेश मिश्रा, विशेष संवाददाता

गोरखपुर, 21 नवंबर।

- कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी करने वाले देश के चुनिंदा इंस्टिट्यूट में शामिल हुआ गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
- दुनिया के जाने-माने कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी और रेखा माहेश्वरी ने की कैंसर पीड़ित महिला की सर्जरी

कैंसर सर्जरी के साथ पहली बार लाइव चली एनाटोमी की क्लास

- कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी करने वाले देश के चुनिंदा इंस्टिट्यूट में शामिल हुआ गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
- दुनिया के जाने-माने कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी और रेखा माहेश्वरी ने की कैंसर पीड़ित महिला की सर्जरी

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज देश के उन चुनिंदा इंस्टिट्यूट में शामिल हो गया है जहां कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी (एमआरएम) सर्जरी सफलतापूर्वक की गई।

यही नहीं, इस इंस्टिट्यूट में कैंसर की एमआरएम सर्जरी के साथ विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी द्वारा एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए एनाटोमी की लाइव क्लास भी चलाई गई। जटिल सर्जरी के साथ एनाटोमी की लाइव क्लास का संचालन विश्व में संभवतः पहली बार किया गया। एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर और कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी और उनकी पत्नी कैंसर सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी की चिकित्सकीय सेवाएं गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के जरिये प्रतिमाह पूर्वी उत्तर प्रदेश के कैंसर रोगियों को मिलने लगी हैं।

गत दिवस डॉ. संजय माहेश्वरी और रेखा माहेश्वरी ने इस इंस्टिट्यूट में रोगियों की जांच और परामर्श देने के साथ एक 52 वर्षीय कैंसर पीड़ित महिला की सफल मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी की। यह सर्जरी तीन घंटे से अधिक समय तक चली।

डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी में स्तन का पूरा भाग जिसमें एरियल (निप्पल के चारों तरफ की डार्क त्वचा), निप्पल नोड एवं अंडर आर्म के नीचे के कुछ हिस्सों को काट कर निकल जाता है।

यह पद्धति कैंसर के व्यापक चिकित्सकीय प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह विधि क्लासिकल रेडिकल मास्टेक्टॉमी, जिसे कभी कैंसर का इलाज माना जाता था की तुलना में कम कठोर आपरेशन है। सर्जरी के बाद मरीज को दो-तीन दिन तक दर्द या बांह के नीचे खिंचाव व उस क्षेत्र में झुनझुनी की शिकायत रहती है। यह दिक्कत कुछ दिनों में ही ठीक हो जाती है।

डॉ. माहेश्वरी ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते उन्होंने एमबीबीएस फर्स्ट बैच के विद्यार्थियों के लिए एनाटोमी की क्लास भी लाइव चलाई।

संभवतः पूरी दुनिया में एनाटोमी की लाइव क्लास कैंसर की इस तरह की सर्जरी के साथ चलाई गई है। इस दौरान एमबीबीएस फर्स्ट बैच के विद्यार्थियों को कैंसर प्रभावित अंग की संरचना की बारीकियों को समझाया गया और पढ़ाई के शुरुआती दौर में ही उन्हें सर्जरी से जुड़ी गहन जानकारी भी दी गई।

डॉ. माहेश्वरी सर्जरी करने के दौरान विद्यार्थियों से लगातार संवाद करते रहे और उनके सभी सवालों का भी जवाब दिया।

कैंसर सर्जरी के साथ पहली बार लाइव चली एनाटोमी की क्लास

- कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी करने वाले देश के चुनिंदा इंस्टिट्यूट में शामिल हुआ गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
- दुनिया के जाने-माने कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी और रेखा माहेश्वरी ने की कैंसर पीड़ित महिला की सर्जरी

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज देश के उन चुनिंदा इंस्टिट्यूट में शामिल हो गया है जहां कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। यही नहीं, इस इंस्टिट्यूट में कैंसर की एमआरएम सर्जरी के साथ विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी द्वारा एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए एनाटोमी की लाइव क्लास भी चलाई गई और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। जटिल सर्जरी के साथ एनाटोमी की लाइव क्लास का संचालन विश्व में संभवतः पहली बार किया गया। एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर और दुनिया के जाने-माने कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी और उनकी पत्नी कैंसर सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी की चिकित्सकीय सेवाएं गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के जरिये प्रतिमाह पूर्वी उत्तर प्रदेश के कैंसर रोगियों को मिलने लगी हैं। गत दिवस डॉ. संजय माहेश्वरी और रेखा माहेश्वरी ने इस इंस्टिट्यूट में रोगियों की जांच और परामर्श देने के साथ एक 52 वर्षीय कैंसर पीड़ित महिला की सफल मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी की। यह सर्जरी तीन घंटे से अधिक समय तक चली। डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी में स्तन का पूरा भाग जिसमें एरियल निप्पल के चारों तरफ की डार्क त्वचा, निप्पल नोड एवं अंडर आर्म के नीचे के कुछ हिस्सों को काट कर निकल जाता है। यह पद्धति कैंसर के व्यापक चिकित्सकीय प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह विधि क्लासिकल रेडिकल मास्टेक्टॉमी, जिसे कभी कैंसर का इलाज माना जाता था की तुलना में कम कठोर आपरेशन है। सर्जरी के बाद मरीज को दो-तीन दिन तक दर्द या बांह के नीचे खिंचाव व उस क्षेत्र में झुनझुनी की शिकायत रहती है। यह दिक्कत कुछ दिनों में ही ठीक हो जाती है। डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते उन्होंने एमबीबीएस फर्स्ट बैच के विद्यार्थियों के लिए एनाटोमी की क्लास भी लाइव चलाई। संभवतः पूरी दुनिया में एनाटोमी की लाइव क्लास कैंसर की इस तरह की सर्जरी के साथ चलाई गई है। इस दौरान एमबीबीएस फर्स्ट बैच के विद्यार्थियों को कैंसर प्रभावित अंग की संरचना की बारीकियों को समझाया गया और पढ़ाई के शुरुआती दौर में ही उन्हें सर्जरी से जुड़ी गहन जानकारी भी दी गई। डॉ. माहेश्वरी सर्जरी करने के दौरान विद्यार्थियों से लगातार संवाद करते रहे और उनके सभी सवालों का भी जवाब दिया।

कैंसर सर्जरी के साथ पहली बार लाइव चली एनाटोमी की क्लास

कार्यालय प्रतिनिधि

गोरखपुर, 21 नवंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज देश के उन चुनिंदा इंस्टिट्यूट में शामिल हो गया है जहां कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी (एमआरएम) सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। यही नहीं, इस इंस्टिट्यूट में कैंसर की एमआरएम सर्जरी के साथ विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी द्वारा एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए एनाटोमी की लाइव क्लास भी चलाई गई और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। जटिल सर्जरी के साथ एनाटोमी की लाइव क्लास का संचालन विश्व में संभवतः पहली बार किया गया। एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर और दुनिया के जाने-माने कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी और उनकी पत्नी कैंसर सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी की चिकित्सकीय सेवाएं गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के जरिये प्रतिमाह पूर्वी उत्तर प्रदेश के कैंसर रोगियों को मिलने लगी हैं। गत दिवस डॉ. संजय माहेश्वरी और रेखा माहेश्वरी ने इस इंस्टिट्यूट में रोगियों की जांच और परामर्श देने के साथ एक 52 वर्षीय कैंसर पीड़ित महिला की सफल मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी की। यह सर्जरी तीन घंटे से अधिक समय तक चली। डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी में स्तन का पूरा भाग जिसमें एरियल (निप्पल के चारों तरफ की डार्क त्वचा), निप्पल नोड एवं अंडर आर्म के नीचे के कुछ हिस्सों को काट कर निकल जाता है।

❖ जाने-माने कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी और रेखा माहेश्वरी ने की कैंसर पीड़ित महिला की सर्जरी

यह पद्धति कैंसर के व्यापक चिकित्सकीय प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह विधि क्लासिकल रेडिकल मास्टेक्टॉमी, जिसे कभी कैंसर का इलाज माना जाता था की तुलना में कम कठोर आपरेशन है। सर्जरी के बाद मरीज को दो-तीन दिन तक दर्द या बांह के नीचे खिंचाव व उस क्षेत्र में झुनझुनी की शिकायत रहती है। यह दिक्कत कुछ दिनों में ही ठीक हो जाती है। डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते उन्होंने एमबीबीएस फर्स्ट बैच के विद्यार्थियों के लिए एनाटोमी की क्लास भी लाइव चलाई। संभवतः पूरी दुनिया में एनाटोमी की लाइव क्लास कैंसर की इस तरह की सर्जरी के साथ चलाई गई है। डॉ. माहेश्वरी सर्जरी करने के दौरान विद्यार्थियों से लगातार संवाद करते रहे और उनके सभी सवालों का भी जवाब दिया।

कैंसर की सर्जरी के साथ पहली बार लाइव चली एनाटमी की क्लास

गोरखनाथ विवि

- दुर्लभ सर्जरी करने वाले देश के चुनिंदा इंस्टिट्यूट में शामिल हुआ गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
- सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी और डॉ. रेखा माहेश्वरी ने की कैंसर पीड़ित महिला की सर्जरी

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में डॉक्टरों की टीम ने महिला के कैंसर की सर्जरी।

कैंसर सर्जरी के साथ पहली बार लाइव चली एनाटॉमी की क्लास

अमर उजाला ब्यूरो

चुनिंदा संस्थान में शामिल हुआ गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी (एमआरएम) सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। सर्जरी के साथ एनाटोमी की लाइव क्लास भी चलाई गई।

समाचार दर्पण

सटीक इलाज में काफी कारगर हो रही एआई : डॉ. विजय

- महायोगी गोरक्षनाथ विवि में ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन
- एमबीबीएस के अलावा बीएएमएस के छात्र भी सीखें एआई : डॉ. विजय

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के तत्वावधान में बुधवार को आयोजित अतिथि व्याख्यान में कैलिफोर्निया से वर्चुअल जुड़े इंटरनल मेडिसिन और ह्याऑगमेंटेड इंटेलिजेंस के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार तिवारी ने ह्याऑगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिनद्ध (दवाओं के क्षेत्र में संवर्धित बुद्धिमता और भविष्य का विश्लेषण) विषय पर विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ. तिवारी ने एमबीबीएस और बीएएमएस के विद्यार्थियों को बताया कि मेडिसिन के क्षेत्र में ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का ही महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि एआई की सहायता से मेडिकल फील्ड में कई निर्णय लिए जाने लगे हैं। यह किसी रोग के समयबद्ध पहचान और उसके निवारण के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। यदि किसी चिकित्सक ने समय रहते रोग के कारणों की पहचान कर ली तो उसके लिए सफलतापूर्वक इलाज करना तुलनात्मक रूप से काफी आसान हो जाता है।

उन्होंने बताया कि एडवांस मेडिकल सेक्टर में रोग के प्रभाव के तुलनात्मक विश्लेषण के लिए अब प्रेडिक्टिव एनालिटिक विधि का इस्तेमाल होने लगा है। उन्होंने बताया कि विदेशों मे एआई का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है। उन्होंने एआई के साथ ही मेडिकल सेक्टर में एडवांस अलर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम के बारे में बिंदुवार जानकारी दी। साथ ही कहा कि एमबीबीएस के अलावा बीएएमएस के विद्यार्थियों को भी एआई के साथ काम सीखना होगा ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो सके। व्याख्यान के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, सभी संकायों के प्रमुख, शिक्षक, एमबीबीएस और बीएएमएस के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

का विवाह

जुटे हुए हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह से

रोग के समयबद्ध पहचान और सटीक इलाज में काफी कारगर हो रही एआई:डॉ. विजय'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के तत्वावधान में बुधवार को आयोजित अतिथि व्याख्यान में कैलिफोर्निया (यूएसए) से वर्चुअल (ऑनलाइन) जुड़े इंटरनल मेडिसिन और 'ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार तिवारी ने 'ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन' (दवाओं के क्षेत्र में संवर्धित बुद्धिमता और भविष्य का विश्लेषण) विषय पर विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ. तिवारी ने एमबीबीएस और बीएएमएस के विद्यार्थियों को बताया कि मेडिसिन के क्षेत्र में ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का ही महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि एआई की सहायता से मेडिकल फील्ड में कई निर्णय लिए जाने लगे हैं। यह किसी रोग के समयबद्ध पहचान और उसके निवारण के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। यदि किसी चिकित्सक ने समय रहते रोग के कारणों की पहचान कर ली तो उसके लिए सफलतापूर्वक इलाज करना तुलनात्मक रूप से काफी आसान हो जाता है। एडवांस मेडिकल सेक्टर में रोग के प्रभाव के तुलनात्मक विश्लेषण के लिए अब प्रेडिक्टिव एनालिटिक विधि का इस्तेमाल होने लगा है। उन्होंने बताया कि विदेशों मे एआई का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है। डॉ. तिवारी ने एआई के साथ ही मेडिकल सेक्टर में एडवांस अलर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम के बारे में बिंदुवार जानकारी दी।

साथ ही कहा कि एमबीबीएस के अलावा बीएएमएस के विद्यार्थियों को भी एआई के साथ काम सीखना होगा ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो सके। व्याख्यान के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, सभी संकायों के प्रमुख, शिक्षक, एमबीबीएस और बीएएमएस के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

- महायोगी गोरखनाथ विवि में ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन'
- एमबीबीएस के अलावा बीएएमएस के छात्र भी सीखें एआई : डॉ. विजय

रोग के समयबद्ध पहचान और सटीक इलाज में काफी कारगर हो रही एआई : डॉ. विजय

- महायोगी गोरखनाथ विवि में ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन
- एमबीबीएस के अलावा बीएएमएस के छात्र भी सीखें एआई : डॉ. विजय

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के तत्वावधान में बुधवार को आयोजित अतिथि व्याख्यान में कैलिफोर्निया यूएसए से वर्चुअल ऑनलाइन जुड़े इंटरनल मेडिसिन और ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार तिवारी ने ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन दवाओं के क्षेत्र में संवर्धित बुद्धिमता और भविष्य का विश्लेषण विषय पर विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी।

डॉ. तिवारी ने एमबीबीएस और बीएएमएस के विद्यार्थियों को बताया कि मेडिसिन के क्षेत्र में ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई का ही महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि एआई की सहायता से मेडिकल फील्ड में कई निर्णय लिए जाने लगे हैं। यह किसी रोग के समयबद्ध पहचान और उसके निवारण के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। यदि किसी चिकित्सक ने समय रहते रोग के कारणों की पहचान कर ली तो उसके लिए सफलतापूर्वक इलाज करना तुलनात्मक रूप से काफी आसान हो जाता है। एडवांस मेडिकल सेक्टर में रोग के प्रभाव के तुलनात्मक विश्लेषण के लिए अब प्रेडिक्टिव एनालिटिक विधि का इस्तेमाल होने लगा है। उन्होंने बताया कि विदेशों मे एआई का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है। डॉ. तिवारी ने एआई के साथ ही मेडिकल सेक्टर में एडवांस अलर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम के बारे में बिंदुवार जानकारी दी। साथ ही कहा कि एमबीबीएस के अलावा बीएएमएस के विद्यार्थियों को भी एआई के साथ काम सीखना होगा ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो सके। व्याख्यान के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, सभी संकायों के प्रमुख, शिक्षक, एमबीबीएस और बीएएमएस के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रोग के सटीक इलाज में काफी कारगर है एआई

गोरखनाथ विवि

- ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन विषय पर व्याख्यान
- विदेशों में हर क्षेत्र में हो रहा है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग : डॉ. तिवारी

महायोगी गोरखनाथ विवि में आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में मौजूद शिक्षक व छात्र।

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के तत्वावधान में बुधवार को ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। इसमें अमेरिका के कैलिफोर्निया से ऑनलाइन जुड़े इंटरनल मेडिसिन और ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार तिवारी ने ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन (दवाओं के क्षेत्र में संवर्धित बुद्धिमता और भविष्य का विश्लेषण) विषय पर विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी।

डॉ. तिवारी ने एमबीबीएस और बीएएमएस के विद्यार्थियों को बताया कि मेडिसिन के क्षेत्र में ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का ही महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि एआई की सहायता से मेडिकल फील्ड में कई निर्णय लिए जाने लगे हैं। यह किसी रोग के समयबद्ध पहचान और उसके निवारण के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। यदि किसी चिकित्सक ने समय रहते रोग के कारणों की पहचान कर ली तो उसके लिए सफलतापूर्वक इलाज करना तुलनात्मक रूप से काफी आसान हो जाता है। एडवांस मेडिकल सेक्टर में रोग के प्रभाव के तुलनात्मक विश्लेषण के लिए अब प्रेडिक्टिव एनालिटिक विधि का इस्तेमाल होने लगा है। उन्होंने बताया कि विदेशों मे एआई का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है।

डॉ. तिवारी ने एआई के साथ ही मेडिकल सेक्टर में एडवांस अलर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम के बारे में बिन्दुवार जानकारी दी। साथ ही कहा कि एमबीबीएस के अलावा बीएएमएस के विद्यार्थियों को भी एआई के साथ काम सीखना होगा ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो सके। व्याख्यान के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, सभी संकायों के प्रमुख, शिक्षक, एमबीबीएस और बीएएमएस के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रोगों की पहचान व सटीक उपचार में एआइ कारगर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

व्याख्यान में उपस्थित (बाएं से) महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुल सचिव डा. प्रदीप कुमार राव अन्य ● सौ. विश्वविद्यालय

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के श्रीगोरखनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के तत्वावधान में बुधवार को आनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। विषय था- 'आगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन'(दवाओं के क्षेत्र में संवर्धित बुद्धिमता और भविष्य का विश्लेषण)। कैलिफोर्निया (यूएसए) से जुड़े इंटरनल मेडिसिन और 'आगमेंटेड इंटेलिजेंस के विशेषज्ञ डा. विजय कुमार तिवारी ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) रोगों की पहचान व उपचार में काफी कारगर साबित हो रहा है।

डा. तिवारी ने कहा कि मेडिसिन के क्षेत्र में आगमेंटेड इंटेलिजेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ही महत्वपूर्ण अंग है। एआइ की सहायता से मेडिकल क्षेत्र में कई निर्णय लिए जाने लगे हैं। यह किसी रोग की समयबद्ध पहचान और उसके निवारण के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। यदि किसी चिकित्सक ने समय रहते रोग के कारणों की पहचान कर ली तो उसके लिए सफलतापूर्वक उपचार करना काफी आसान हो जाता है। रोग के प्रभाव के तुलनात्मक विश्लेषण के लिए अब प्रेडिक्टिव एनालिटिक विधि का उपयोग होने लगा है। विदेश में एआइ का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, सभी संकायों के प्रमुख, शिक्षक, एमबीबीएस और बीएएमएस के विद्यार्थी उपस्थित रहे। - विज्ञप्ति।

समाचार दर्पण

रोग के पहचान व इलाज में एआई कारगर : डा. वीके तिवारी

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित गोरखनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के तत्वावधान में बुधवार को आयोजित अतिथि व्याख्यान में कैलिफोर्निया से वर्चुअल जुड़े इंटरनल मेडिसिन और आगमेंटेड इंटेलिजेंस के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ डा. विजय कुमार तिवारी ने 'अगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन' (दवाओं के क्षेत्र में संवर्धित बुद्धिमता और भविष्य का विश्लेषण) विषय पर छात्रों को विस्तार से जानकारी दी।

■ महायोगी गोरखनाथ विवि में आगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन विषय पर आनलाइन व्याख्यान का हुआ आयोजन

डा. तिवारी ने एमबीबीएस और बीएएमएस के छात्र-छात्राओं को बताया कि मेडिसिन के क्षेत्र में अगमेंटेड इंटेलिजेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का ही महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि एआई की सहायता से मेडिकल फील्ड में कई निर्णय लिए जाने लगे हैं। यह किसी रोग के समयबद्ध पहचान और उसके निवारण के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि यदि किसी चिकित्सक ने समय रहते रोग के कारणों की पहचान कर ली तो उसके लिए सफलतापूर्वक इलाज करना तुलनात्मक रूप से काफी आसान हो जाता है। एडवांस मेडिकल सेक्टर में रोग के प्रभाव के तुलनात्मक विश्लेषण के लिए अब प्रेडिक्टिव एनालिटिक विधि का इस्तेमाल होने लगा है। उन्होंने बताया कि विदेशों मे एआई का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है। डा. तिवारी ने एआई के साथ ही मेडिकल सेक्टर में एडवांस अलर्ट मानिटरिंग सिस्टम के बारे में बिंदुवार जानकारी दी। एमबीबीएस के अलावा बीएएमएस के छात्रों को भी एआई के साथ काम सीखना होगा ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो सके। व्याख्यान के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव के अलावा सभी संकायों के प्रमुख, शिक्षक, एमबीबीएस और बीएएमएस के छात्र मौजूद रहे।

रोग के समयबद्ध पहचान और सटीक इलाज में काफी कारगर हो रही एआई -डॉ. विजय

गोरखपुर, 27 नवंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के तत्वावधान में बुधवार को आयोजित अतिथि व्याख्यान में कैलिफोर्निया (यूएसए) से वर्चुअल (ऑनलाइन) जुड़े इंटरनल मेडिसिन और 'ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार तिवारी ने 'ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन' (दवाओं के क्षेत्र में संवर्धित बुद्धिमता और भविष्य का विश्लेषण) विषय पर विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ. तिवारी ने एमबीबीएस और बीएएमएस के विद्यार्थियों को बताया कि मेडिसिन के क्षेत्र में ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का ही महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि एआई की सहायता से मेडिकल फील्ड में कई निर्णय लिए जाने लगे हैं। यह किसी रोग के समयबद्ध पहचान और उसके निवारण के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। यदि किसी चिकित्सक ने समय रहते रोग के कारणों की पहचान कर ली तो उसके लिए सफलतापूर्वक इलाज करना तुलनात्मक रूप से काफी आसान हो जाता है। एडवांस मेडिकल सेक्टर में रोग के प्रभाव के तुलनात्मक विश्लेषण के लिए अब प्रेडिक्टिव एनालिटिक विधि का इस्तेमाल होने लगा है। उन्होंने बताया कि विदेशों मे एआई का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है।डॉ. तिवारी ने एआई के साथ ही मेडिकल सेक्टर में एडवांस अलर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम के बारे में बिंदुवार जानकारी दी। साथ ही कहा कि एमबीबीएस के अलावा बीएएमएस के विद्यार्थियों को भी एआई के साथ काम सीखना होगा ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो सके। व्याख्यान के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, सभी संकायों के प्रमुख, शिक्षक, एमबीबीएस और बीएएमएस के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'रोग की समयबद्ध पहचान और सटीक इलाज में काफी कारगर हो रही एआई'

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर द्वारा बुधवार को आयोजित अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें कैलिफोर्निया (यूएसए) से वर्चुअल (ऑनलाइन) जुड़ इंटरनल मेडिसिन और 'ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार तिवारी ने 'ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन' (दवाओं के क्षेत्र में संवर्धित बुद्धिमता और भविष्य का विश्लेषण) विषय पर विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ. तिवारी ने एमबीबीएस और बीएएमएस के विद्यार्थियों को बताया कि मेडिसिन के क्षेत्र में ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का ही महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि एआई की सहायता से मेडिकल फील्ड में कई निर्णय लिए जाने लगे हैं। यह किसी रोग के समयबद्ध पहचान और उसके निवारण के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। यदि किसी चिकित्सक ने समय रहते रोग के कारणों की पहचान कर ली तो उसके लिए सफलतापूर्वक इलाज करना तुलनात्मक रूप से काफी आसान हो जाता है। संवाद

रोग के पहचान और सटीक इलाज में काफी कारगर हो रही एआईः डॉ. विजय

जागरूकता

- महायोगी गोरखनाथ विवि में ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन
- एमबीबीएस के अलावा बीएएमएस के छात्र भी सीखें एआईः डॉ. विजय

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के तत्वावधान में बुधवार को आयोजित अतिथि व्याख्यान में कैलिफोर्निया (यूएसए) से वर्चुअल (ऑनलाइन) जुड़े इंटरनल मेडिसिन और 'ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार तिवारी ने 'ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक इन मेडिसिन' (दवाओं के क्षेत्र में संवर्धित बुद्धिमता और भविष्य का विश्लेषण) विषय पर विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी।

डॉ. तिवारी ने एमबीबीएस और बीएएमएस के विद्यार्थियों को बताया कि मेडिसिन के क्षेत्र में ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का ही महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि एआई की सहायता से मेडिकल फील्ड में कई निर्णय लिए जाने लगे हैं। यह किसी रोग के समयबद्ध पहचान और उसके निवारण के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। यदि किसी चिकित्सक ने समय रहते रोग के कारणों की पहचान कर ली तो उसके लिए सफलतापूर्वक इलाज करना तुलनात्मक रूप से काफी आसान हो जाता है। एडवांस मेडिकल सेक्टर में रोग के प्रभाव के तुलनात्मक विश्लेषण के लिए अब प्रेडिक्टिव एनालिटिक विधि का इस्तेमाल होने लगा है। उन्होंने बताया कि विदेशों मे एआई का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है।

डॉ. तिवारी ने एआई के साथ ही मेडिकल सेक्टर में एडवांस अलर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम के बारे में बिंदुवार जानकारी दी। साथ ही कहा कि एमबीबीएस के अलावा बीएएमएस के विद्यार्थियों को भी एआई के साथ काम सीखना होगा ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो सके। व्याख्यान के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, सभी संकायों के प्रमुख, शिक्षक, एमबीबीएस और बीएएमएस के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आह्वान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एमबीबीएस के विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री ने किया संवाद

मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा भारत

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आने वाले समय में भारत दुनिया में मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा है। मेडिकल टूरिज्म, अन्य प्रकार के टूरिज्म की तुलना में अधिक व्यापक और महत्वपूर्ण होगा। इसके लिए अभी से तैयारी शुरू करनी होगी। मेडिकल एजुकेशन को टेक्नोलॉजी से जोड़ना समय की मांग है।

सीएम योगी शनिवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम में श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच के विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि साधना से ही सिद्धि मिलती है, इसलिए साधनापरक जीवन अपनाना होगा।

सभी [illegible] से [illegible] से परिचय प्राप्त करने के बाद मुख्यमंत्री ने

सीएम के संबोधन के दौरान उपस्थित लोग। स्रोत-संस्था

उन्हें श्रेष्ठ चिकित्सक बनने का आशीर्वाद देते हुए कहा कि 140 करोड़ भारतवासियों के स्वास्थ्य रक्षा के लिए हमें किसी पर निर्भर न रहना पड़े, इसके लिए बनाई जा रही व्यवस्था के आप सभी नींव बनें।

सरकार और संस्थाएं बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर तो दे देंगी, लेकिन ईमानदारी से परिश्रम आपको ही करना होगा। सफलता के लिए शॉर्टकट न [illegible] निष्ठा और अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता।

संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को भविष्य में उत्कृष्ट चिकित्सक बनने के मंत्र भी दिए। उन्होंने कहा कि दवा देने के साथ आप सभी को मरीजों की दुआ भी लेनी चाहिए। इसके लिए मरीजों से अच्छा व्यवहार करें। धैर्य कभी न छोड़ें। अभी से तनावमुक्त वातावरण में रहें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप सभी भविष्य के चिकित्सक हैं। [illegible] यूनानी, सिद्धा, योग आदि सभी विधाओं को मिलाकर नई भारतीय चिकित्सा पद्धति का स्वरूप तय करें।

गोरक्षपीठ के गुरुकुल के परिवारमयी सदस्य बनें विद्यार्थी : मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में देश के 18 प्रांतों के विद्यार्थी लघु भारत का दृश्य प्रस्तुत कर रहे हैं। आप सभी गोरक्षपीठ के इस गुरुकुल के परिवारमयी सदस्य बनकर लंबी यात्रा की तैयारी करें। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कई [illegible] विषयों पर जिज्ञासाओं का भी समाधान किया।

चिकित्सालय का सीएम योगी ने किया निरीक्षण

एमबीबीएस प्रथम बैच के विद्यार्थियों से संवाद करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित चिकित्सालय का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय के इंफ्रास्ट्रक्चर और यहां मरीजों के लिए उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं की जानकारी ली और मरीजों की उत्कृष्ट सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम, चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल, आईसीयू प्रभारी डॉ. राजीव श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। संवाद

समाचार दर्पण

दुनिया में मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा भारत : सीएम योगी

☐ सीएम ने कहा - साधना से ही मिलती है सिद्धि अपनाएं साधनापरक जीवन। परिश्रम, निष्ठा और अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता

स्वतंत्र चेतना गोरखपुर। मुख्यमंत्री एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आने वाले समय में भारत दुनिया में मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा है। मेडिकल टूरिज्म, अन्य प्रकार के टूरिज्म की तुलना में अधिक व्यापक और महत्वपूर्ण होगा। इसके लिए अभी से तैयारी शुरू करनी होगी। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि साधना से ही सिद्धि मिलती है इसलिए साधनापरक जीवन अपनाना होगा। मुख्यमंत्री शनिवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम में श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच के विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। सभी विद्यार्थियों से सहजता से परिचय प्राप्त करने के बाद मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रेष्ठ चिकित्सक बनने का आशीर्वाद देते हुए कहा कि 140 करोड़ भारतवासियों के स्वास्थ्य रक्षा के लिए हमें किसी पर निर्भर न रहना पड़े, इसके लिए बनाई जा रही व्यवस्था के आप सभी नींव बनें। इसके लिए सरकार और संस्थाएं बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर तो दे देंगी लेकिन ईमानदारी से परिश्रम आपको ही करना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वयं के करियर के साथ सेवा भाव से जुड़े रहने की भी सीख दी।

सरकार ने खोल दिए हैं सभी दरवाजे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने कारोबारी और निवेश सुगमता के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य को सरल बनाने के लिए सभी दरवाजे खोल दिए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि 2014 के बाद बदले भारत के आप सभी भावी कर्णधार हैं। ऐसे में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को अपनाकर भारत की गौरवशाली स्वास्थ्य परंपरा के निर्वाहक बनें।

दुनिया का नेतृत्व करता रहा है भारत

सीएम योगी ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत की मजबूत विरासत से विद्यार्थियों को परिचित कराते हुए कहा कि यह भी जानें कि दुनिया को सबसे पहला विश्वविद्यालय हमने दिया था। दुनिया की पहली सर्जरी महर्षि सुश्रुत ने की थी। दुनिया के सबसे पहले कानूनविद मनु थे। शिक्षा, स्वास्थ्य, ज्योतिष और गणित के क्षेत्र में भारत दुनिया का नेतृत्व करता रहा है। इस पीढ़ी कि यह जिम्मेदारी है कि वह आधुनिक परिवेश में अत्याधुनिक तकनीकी से जुड़कर इस परंपरा को आगे बढ़ाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मेडिकल एजुकेशन को टेक्नोलॉजी से जोड़ना समय की मांग है। यदि हमने इसे नजरअंदाज किया तो हम पीछे रह जाएंगे। आज जरूरी है कि हर डॉक्टर रिसर्चर भी बने। टेक्नोलॉजी और अनुभव के आधार पर स्वास्थ्य सेवा को और भी उत्कृष्ट बनाया जा सकता है।

दवा देने के साथ मरीजों की दुआ भी लें

संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को भविष्य में उत्कृष्ट चिकित्सक बनने के मंत्र भी दिए। उन्होंने कहा कि दवा देने के साथ आप सभी को मरीजों की दुआ भी लेनी चाहिए। इसके लिए मरीजों से अच्छा व्यवहार करें। धैर्य कभी न छोड़ें। अभी से तनावमुक्त वातावरण में रहें।

नई भारतीय चिकित्सा पद्धति का स्वरूप तय करें

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप सभी भविष्य के चिकित्सक हैं। आप एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्धा, योग आदि सभी विधाओं को मिलाकर नई भारतीय चिकित्सा पद्धति का स्वरूप तय करें।

लघु भारत में गोरक्षपीठ के गुरुकुल के परिवारमयी सदस्य बनें विद्यार्थी

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में देश के 18 प्रांतों के विद्यार्थी लघु भारत का दृश्य प्रस्तुत कर रहे हैं। आप सभी गोरक्षपीठ के इस गुरुकुल के परिवारमयी सदस्य बनकर लंबी यात्रा की तैयारी करें। उन्होंने कहा कि माता पिता की परिश्रम की कमाई के बल पर भोगवादी जीवन से बचें। सहज और सरल जीवन व्यतीत करते हुए हर चुनौती का सामना करने को तैयार रहें। कार्य कोई भी हो, उसे चुनौती के रूप में लें। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कई विद्यार्थियों की विभिन्न विषयों पर जिज्ञासाओं का भी समाधान किया।

चिकित्सालय का सीएम योगी ने किया निरीक्षण

एमबीबीएस प्रथम बैच के विद्यार्थियों से संवाद करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित चिकित्सालय का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय के इंफ्रास्ट्रक्चर और यहां मरीजों के लिए उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं की जानकारी ली और मरीजों की उत्कृष्ट सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम, चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल, आईसीयू प्रभारी डॉ. राजीव श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

नाथपंथ के बारे में जा… एक सम्पूर्ण संस्थान…

☐ गोरखनाथ शोधपीठ में 6 वें स्थापना दिवस समारोह का हुआ आयोजन
☐ गोरखनाथ सन्यास एवं योग के प्रतीक हैं : प्रो. राजवंत राव

दुनिया में मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा भारत : सीएम योगी

रितेश मिश्रा
विशेष संवाददाता

गोरखपुर, 30 नवंबर। मुख्यमंत्री एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आने वाले समय में भारत दुनिया में मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा है। मेडिकल टूरिज्म, अन्य प्रकार के टूरिज्म की तुलना में अधिक व्यापक और महत्वपूर्ण होगा। इसके लिए अभी से तैयारी शुरू करनी होगी। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि साधना से ही सिद्धि मिलती है इसलिए साधनापरक जीवन अपनाना होगा। सीएम योगी शनिवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम में श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच के विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। सभी विद्यार्थियों से सहजता से परिचय प्राप्त करने के बाद मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रेष्ठ चिकित्सक बनने का आशीर्वाद देते हुए कहा कि 140 करोड़ भारतवासियों के स्वास्थ्य रक्षा के लिए हमें किसी पर निर्भर न रहना पड़े, इसके लिए बनाई जा रही व्यवस्था के आप सभी नींव बनें। इसके लिए सरकार और संस्थाएं बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर तो दे देंगी लेकिन ईमानदारी से परिश्रम आपको ही करना होगा। सफलता के लिए शॉर्टकट न अपनाएं। यह ध्यान रखें कि परिश्रम, निष्ठा और अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वयं के करियर के साथ सेवा भाव से जुड़े रहने की भी सीख दी।

'शिक्षा और स्वास्थ्य को सरल बनाने के लिए सरकार ने खोल दिए हैं सभी दरवाजे': मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने कारोबारी और निवेश सुगमता के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य को सरल बनाने के लिए सरकार ने सभी दरवाजे खोल दिए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि 2014 के बाद बदले भारत के आप सभी भावी कर्णधार हैं। ऐसे में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को अपनाकर भारत की गौरवशाली स्वास्थ्य परंपरा के निर्वाहक बनें।

'शिक्षा और स्वास्थ्य में दुनिया का नेतृत्व करता रहा है भारत': सीएम योगी ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत की मजबूत विरासत से विद्यार्थियों को परिचित कराते हुए कहा कि यह भी जानें कि दुनिया को सबसे पहला विश्वविद्यालय हमने दिया था। दुनिया की पहली सर्जरी महर्षि सुश्रुत ने की थी। दुनिया के सबसे पहले कानूनविद मनु थे। शिक्षा, स्वास्थ्य, ज्योतिष और गणित के क्षेत्र में भारत दुनिया का नेतृत्व करता रहा है। इस पीढ़ी कि यह जिम्मेदारी है कि वह आधुनिक परिवेश में अत्याधुनिक तकनीकी से जुड़कर इस परंपरा को आगे बढ़ाए।

'मेडिकल एजुकेशन को टेक्नोलॉजी से जोड़ना समय की मांग': मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मेडिकल एजुकेशन को टेक्नोलॉजी से जोड़ना समय की मांग है। यदि हमनें इसे नजरअंदाज किया तो हम पीछे रह जाएंगे। आज जरूरी है कि हर डॉक्टर रिसर्चर भी बने। टेक्नोलॉजी और अनुभव के आधार पर स्वास्थ्य सेवा को और भी उत्कृष्ट बनाया जा सकता है।

- 'महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एमबीबीएस के प्रथम बैच के विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री ने किया संवाद'
- साधना से ही मिलती है सिद्धि, अपनाएं साधनापरक जीवन : सीएम योगी'
- परिश्रम, निष्ठा और अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता : सीएम योगी'
- करियर के साथ सेवा भाव से भी जुड़े रहें : सीएम योगी'

'दवा देने के साथ मरीजों की दुआ भी लें': संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को भविष्य में उत्कृष्ट चिकित्सक बनने के मंत्र भी दिए। उन्होंने कहा कि दवा देने के साथ आप सभी को मरीजों की दुआ भी लेनी चाहिए। इसके लिए मरीजों से अच्छा व्यवहार करें। धैर्य कभी न छोड़ें। अभी से तनावमुक्त वातावरण में रहें।

'नई भारतीय चिकित्सा पद्धति का स्वरूप तय करें': मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप सभी भविष्य के चिकित्सक हैं। आप एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्धा, योग आदि सभी विधाओं को मिलाकर नई भारतीय चिकित्सा पद्धति का स्वरूप तय करें।

'लघु भारत में गोरक्षपीठ के गुरुकुल के परिवारमयी सदस्य बनें विद्यार्थी': मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में देश के 18 प्रांतों के विद्यार्थी लघु भारत का दृश्य प्रस्तुत कर रहे हैं। आप सभी गोरक्षपीठ के इस गुरुकुल के परिवारमयी सदस्य बनकर लंबी यात्रा की तैयारी करें। उन्होंने कहा कि माता पिता की परिश्रम की कमाई के बल पर भोगवादी जीवन से बचें। सहज और सरल जीवन व्यतीत करते हुए हर चुनौती का सामना करने को तैयार रहें। कार्य कोई भी हो, उसे चुनौती के रूप में लें। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कई विद्यार्थियों की विभिन्न विषयों पर जिज्ञासाओं का भी समाधान किया।

'चिकित्सालय का सीएम योगी ने किया निरीक्षण': एमबीबीएस प्रथम बैच के विद्यार्थियों से संवाद करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित चिकित्सालय का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय के इंफ्रास्ट्रक्चर और यहां मरीजों के लिए उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं की जानकारी ली और मरीजों की उत्कृष्ट सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम, चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल, आईसीयू प्रभारी डॉ. राजीव श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एमबीबीएस के प्रथम बैच के विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री ने किया संवाद

मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा भारत

बोले योगी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। मुख्यमंत्री एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत दुनिया में मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा है। मेडिकल टूरिज्म, अन्य प्रकार के टूरिज्म की तुलना में अधिक व्यापक और महत्वपूर्ण होगा। इसके लिए अभी से तैयारी शुरू करनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि साधना से ही सिद्धि मिलती है, इसलिए साधनापरक जीवन अपनाना होगा।

सीएम योगी ने शनिवार को विश्वविद्यालय में श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच के विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। विद्यार्थियों से परिचय प्राप्त करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतवासियों के स्वास्थ्य रक्षा के लिए हमें किसी पर निर्भर न रहना पड़े, इसके लिए बनाई जा रही व्यवस्था के आप सभी नींव बनें। इसके लिए सरकार और संस्थाएं बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर तो दे देंगी लेकिन ईमानदारी से परिश्रम छात्रों को ही करना होगा। सफलता के लिए शॉर्टकट न अपनाएं। यह ध्यान रखें कि परिश्रम, निष्ठा और अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वयं के करियर के साथ सेवा भाव से जुड़े रहने की भी सीख दी।

18 प्रांतों के विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज में लघु भारत का प्रस्तुत कर रहे दृश्य

- साधना से ही मिलती है सिद्धि, अपनाएं साधनापरक जीवन : सीएम योगी
- विद्यार्थियों को स्वयं के करियर के साथ सेवा भाव से जुड़े रहने की भी दी सीख

गुरुकुल के परिवारमयी सदस्य बनें विद्यार्थी

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में देश के 18 प्रांतों के विद्यार्थी लघु भारत का दृश्य प्रस्तुत कर रहे हैं। आप सभी गोरक्षपीठ के इस गुरुकुल के परिवारमयी सदस्य बनकर लंबी यात्रा की तैयारी करें। उन्होंने कहा कि एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्धा, योग आदि सभी विधाओं को मिलाकर नई भारतीय चिकित्सा पद्धति का स्वरूप तय करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस छात्रों से संवाद किया।

दवा देने के साथ मरीजों की दुआ भी लें

संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को भविष्य में उत्कृष्ट चिकित्सक बनने के मंत्र भी दिए। उन्होंने कहा कि दवा देने के साथ आप सभी को मरीजों की दुआ भी लेनी चाहिए। इसके लिए मरीजों से अच्छा व्यवहार करें। धैर्य कभी न छोड़ें। अभी से तनावमुक्त वातावरण में रहें।

चिकित्सालय का सीएम योगी ने किया निरीक्षण

संवाद करने के बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित चिकित्सालय का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय के इंफ्रास्ट्रक्चर और यहां मरीजों के लिए उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं की जानकारी ली और मरीजों की उत्कृष्ट सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

शिक्षा-स्वास्थ्य में दुनिया का नेतृत्व करता रहा है भारत

सीएम ने कहा कि यह भी जानें कि दुनिया को सबसे पहला विश्वविद्यालय हमने दिया था। दुनिया की पहली सर्जरी महर्षि सुश्रुत ने की थी। दुनिया के सबसे पहले कानूनविद मनु थे। शिक्षा, स्वास्थ्य, ज्योतिष, गणित के क्षेत्र में भारत दुनिया का नेतृत्व करता रहा है। अत्याधुनिक तकनीकी से जुड़कर इसको आगे बढ़ाए।

मेडिकल एजुकेशन को टेक्नोलॉजी से जोड़ना समय की मांग : सीएम योगी ने कहा कि मेडिकल एजुकेशन को टेक्नोलॉजी से जोड़ना समय की मांग है। यदि हमनें इसे नजरअंदाज किया तो हम पीछे रह जाएंगे। आज जरूरी है कि हर डॉक्टर रिसर्चर भी बने। टेक्नोलॉजी और अनुभव के आधार पर स्वास्थ्य सेवा को और भी उत्कृष्ट बनाया जा सकता है। कहा कि सरकार ने कारोबारी और निवेश सुगमता के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य को सरल बनाने के लिए सरकार ने सभी दरवाजे खोल दिए हैं। मौके पर कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम, चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल, आईसीयू प्रभारी डॉ. राजीव श्रीवास्तव मौजूद रहे।

समाचार दर्पण

देश बनने जा रहा मेडिकल टूरिज्म का हबः सीएम

महायोगी गोरखनाथ विवि में एमबीबीएस के प्रथम बैच के विद्यार्थियों से सीएम ने किया संवाद

दुनिया में मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा भारत : सीएम योगी

स्वदेश समाचार ■ गोरखपुर

मुख्यमंत्री एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आने वाले समय में भारत दुनिया में मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा है। मेडिकल टूरिज्म, अन्य प्रकार के टूरिज्म की तुलना में अधिक व्यापक और महत्वपूर्ण होगा। इसके लिए अभी से तैयारी शुरू करनी होगी। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि साधना से ही सिद्धि मिलती है इसलिए साधनापरक जीवन अपनाना होगा।

सीएम योगी शनिवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम में श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच के विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। सभी विद्यार्थियों से सहजता से परिचय प्राप्त करने के बाद मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रेष्ठ चिकित्सक बनने का आशीर्वाद देते हुए कहा कि 140 करोड़ भारतवासियों के स्वास्थ्य रक्षा के लिए हमें किसी पर निर्भर न रहना पड़े, इसके लिए बनाई जा रही व्यवस्था के आप सभी नींव बनें। इसके लिए सरकार और संस्थाएं बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर तो दे देंगी लेकिन ईमानदारी से परिश्रम आपको ही करना होगा। सफलता के लिए शॉर्टकट न अपनाएं। यह ध्यान रखें कि परिश्रम, निष्ठा और अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वयं के करियर के साथ सेवा भाव से जुड़े रहने की भी सीख दी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव, श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ.अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ.गिरिधर वेदांतम, चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ.राजेश बहल, आईसीयू प्रभारी डॉ.राजीव श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

शिक्षा और स्वास्थ्य को सरल बनाने के लिए सरकार ने खोल दिए हैं सभी दरवाजे: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने कारोबारी और निवेश सुगमता के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य को सरल बनाने के लिए सरकार ने सभी दरवाजे खोल दिए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि 2014 के बाद बदले भारत के आप सभी भावी कर्णधार हैं। ऐसे में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को अपनाकर भारत की गौरवशाली स्वास्थ्य परंपरा के निर्वाहक बनें।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एमबीबीएस के प्रथम बैच के विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री ने किया संवाद

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में छात्रों से सीएम ने किया संवाद, कहा– सेवा भाव से करियर की बेहतरी का प्रयास करें विद्यार्थी

मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा अपना देश : योगी

चिकित्सालय का सीएम योगी ने किया निरीक्षण

मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा भारत : योगी

दुनिया में मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा भारत : सीएम योगी

स्वदेश समाचार ■ गोरखपुर

मुख्यमंत्री एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आने वाले समय में भारत दुनिया में मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा है। मेडिकल टूरिज्म, अन्य प्रकार के टूरिज्म की तुलना में अधिक व्यापक और महत्वपूर्ण होगा। इसके लिए अभी से तैयारी शुरू करनी होगी। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि साधना से ही सिद्धि मिलती है इसलिए साधनापरक जीवन अपनाना होगा।

सीएम योगी शनिवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम में श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस प्रथम बैच के विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। सभी विद्यार्थियों से सहजता से परिचय प्राप्त करने के बाद मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रेष्ठ चिकित्सक बनने का आशीर्वाद देते हुए कहा कि 140 करोड़ भारतवासियों के स्वास्थ्य रक्षा के लिए हमें किसी पर निर्भर न रहना पड़े, इसके लिए बनाई जा रही व्यवस्था के आप सभी नींव बनें। इसके लिए सरकार और संस्थाएं बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर तो दे देंगी लेकिन ईमानदारी से परिश्रम आपको ही करना होगा। सफलता के लिए शॉर्टकट न अपनाएं। यह ध्यान रखें कि परिश्रम, निष्ठा और अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वयं के करियर के साथ सेवा भाव से जुड़े रहने की भी सीख दी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव, श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल डॉ.अरविंद कुशवाहा, गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्रिंसिपल डॉ.गिरिधर वेदांतम, चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ.राजेश बहल, आईसीयू प्रभारी डॉ.राजीव श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

शिक्षा और स्वास्थ्य को सरल बनाने के लिए सरकार ने खोल दिए हैं सभी दरवाजे: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने कारोबारी और निवेश सुगमता के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य को सरल बनाने के लिए सरकार ने सभी दरवाजे खोल दिए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि 2014 के बाद बदले भारत के आप सभी भावी कर्णधार हैं। ऐसे में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को अपनाकर भारत की गौरवशाली स्वास्थ्य परंपरा के निर्वाहक बनें।

दुनिया में मेडिकल टूरिज्म का हब बनने जा रहा भारत - योगी

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एमबीबीएस के प्रथम बैच के विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री ने किया संवाद

चिकित्सालय का सीएम ने किया निरीक्षण

निर्माणाधीन परिसर

01 निमार्णाधीन क्रीडांगन

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

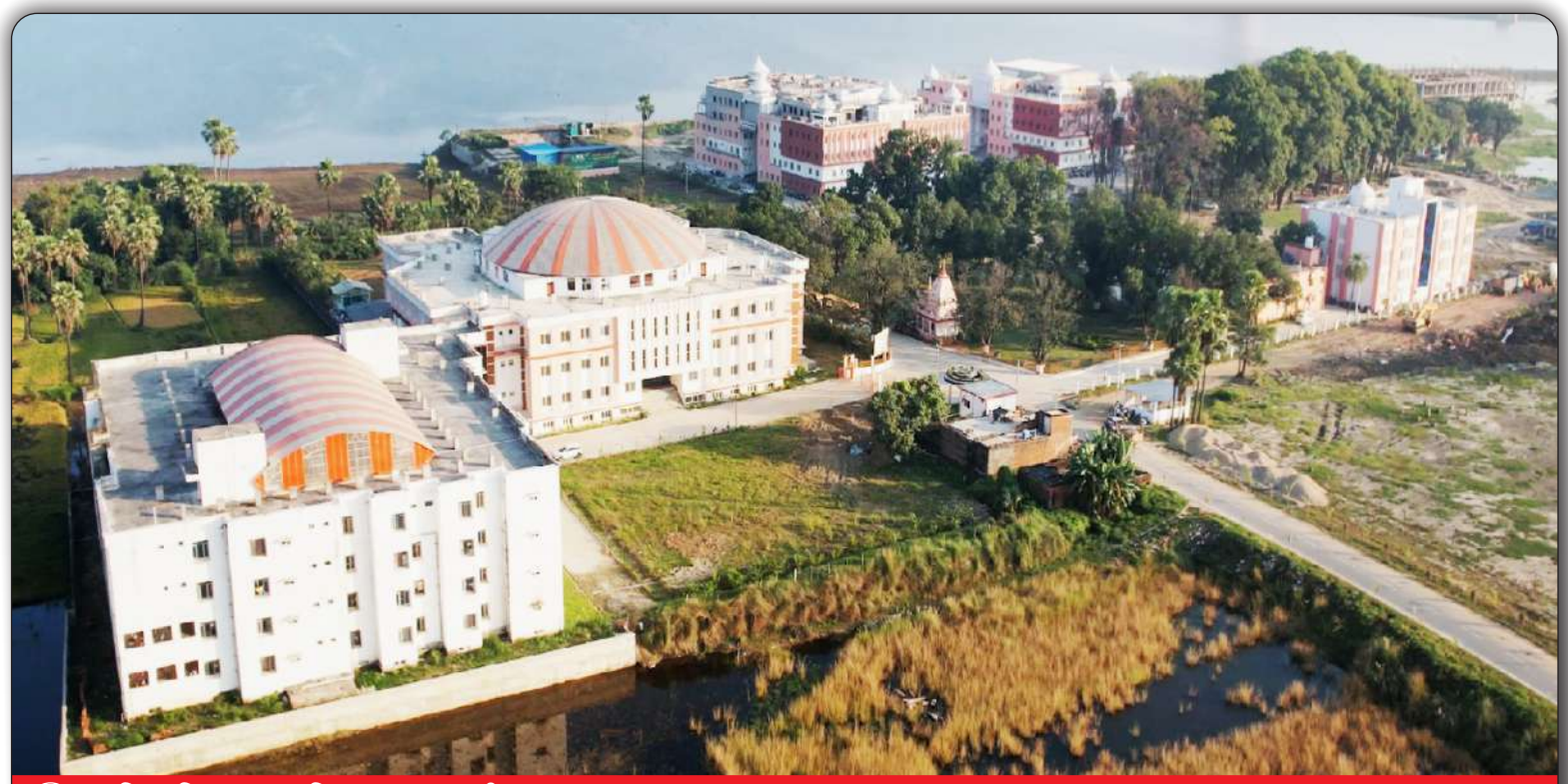

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

मासिक ई-पत्रिका

01 डॉ. जी.एस. तोमर

02 डॉ. रेखा माहेश्वरी

03 डॉ. संजय माहेश्वरी

04 मो. तहसीन रजा खान

05 डॉ. देव बी. पाण्डेय

06 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

07 माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) सुरिन्दर सिंह

08 माननीय पूर्व कुलपति एवं माननीय कुलपति

09 डॉ. सरीन एन.एस.

10 एमबीबीएस विद्यार्थियों से संवाद करते हुए माननीय कुलाधिपति

11 माननीय कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ जी महाराज

12 तीमारदारों से कुशमक्षेम पूछते हुए माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी

13 रोगी से स्वाथ्य की जानकारी लेते हुए माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी

mguniversitygkp@mgug.ac.in https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

मासिक ई-पत्रिका

14 माननीय पूर्व कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई

15 माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव

16 श्रीमती शीलम वाजपेई

17 डॉ. स्वेता सिंह

18 डॉ. अर्पणा पाठक

19 डॉ. दिनेश कुमार सिंह

20 कुलपति जी की अध्यक्षता में आहूत बैठक

21 शिष्योपनयन संस्कार

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. कुलदीप सिंह एवं सुश्री स्वेता अल्बर्ट

ग्राफिक्स डिजाइनर: श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur